मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	33.0	27.8
जमशेदपुर	37.7	25.8
डालटनगंज	35.6	26.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, बुधवार 31 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 10 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 113 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

चक्रधरपुर:राजखरसावां-बड़ाबाम्बो रेलवे स्टेशन के बीच हादसा

हावड़ा-मुंबई मेल बेपटरी दो की मौत, 23 घायल

शंभु कुमार। चक्रधरपुर

चक्रधरपुर रेल मंडल के राजखरसावां-बड़ाबाम्बो स्टेशन के बीच मंगलवार सुबह 3.45 बजे हावड़ा से मुंबई जा रही 12810 सीएसएमटी मेल बेपटरी हो गई. इस हादसे में ट्रेन के इंजन व 18 बोगी पटरी से उतर गये. सबसे ज्यादा क्षति एसी कोच को पहुंची. इस दुर्घटना में दो लोगों की मौत हुई है व आठ यात्री घायल हुए हैं. घायल 23 यात्रियों का चक्रधरपुर के रेलवे अस्पताल में इलाज चल रहा है. दुर्घटना में मृत यात्री अजीत कुमार समाल और पी विकास राव बी-4 कोच के शौचालय के पास बैठे थे. ये जमशेदपुर से राउरकेला जा रहे थे.

रिलीफ ट्रेन व एंबुलेंस मौके पर पहुंचे : दुर्घटना के बाद चक्रधरपुर से रिलीफ ट्रेन व कई एम्बुलेंस मौके पर पहुंच गए. फिर घायलों को चक्रधरपुर के रेलवे अस्पताल लाया गया. वहीं ट्रेन के यात्रियों को दूसरी ट्रेन से गंतव्यों पर भेजा गया. घटना को लेकर दक्षिण पूर्व रेलवे के जीएम अनिल कुमार मिश्रा के अलावे अन्य वरीय अधिकारी और जिले के डीसी-एसपी व अन्य अफसर मौके पहुंचे गए. झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, मंत्री दीपक बिरुवा, विधायक दशरथ गागराई भी मौके पर पहुंचे और जानकारी ली. रेलवे के कर्मियों द्वारा ट्रैक से बोगियों को हटाने, टूटे ओएचई तार को ठीक करने व ट्रैक मरम्मत का कार्य जारी है.

एनडीआरएफ ने मोर्चा संभाला : हादसा होने के बाद एनडीआरएफ के जवानों ने घायलों को बाहर निकाल कर अस्पताल पहुंचाया. जिला प्रशासन की ओर से जेसीबी से बेपटरी डिब्बों को ट्रैक से हटाकर लाइन को क्लियर किया जा रहा है. कोई दुर्घटना न हो इसको लेकर काफी संख्या में मौके पर फोर्स की भी तैनाती की गई है. जिले के डीसी रवि शंकर शुक्ला व एसपी मुकेश लुणायत व कई अधिकारी मौजूद थे.

रेलवे ने जारी किया हेल्प लाइन नंबर: हादसे के बाद रेलवे ने हेल्प लाइन नंबर जारी किया है. चक्रधरपुर स्टेशन के लिए 06587-238072 (72770), टाटानगर 0657-229 0324 के लिए (रेलवे 735223), राउरकेला के लिए 0661-2501072, 0661-2500191, 0661-2500171 के लिए हेल्प लाइन नंबर जारी किया गया है. रांची हेल्प लाइन डेस्क नंबर-0651-27-87115 पर कॉल कर पता किया जा सकता है. बड़ाबांबो स्टेशन पर भी हेल्प डेस्क बना दिया गया है. जहां से यात्री के बारे पता कर सकता हैं.

कैसे हुआ हादसा

बताया जाता है कि एनजेवीसीटी नामक मालगाड़ी रायपुर से टाटानगर जा रही थी. इसी बीच चक्रधरपुर रेल मंडल के बड़ाबाम्बो रेलवे स्टेशन के पास 3 बजकर 39 मिनट पर मालगाड़ी की 20वें नम्बर की बोगी ट्रैक से उतर गई. इससे हावड़ा से मुंबई की ओर जा रही सीएसएमटी मेल से जा टकराई, इससे मालगाड़ी के दो डिब्बों के साथ-साथ हावड़ा-मुंबई मेल की इंजन व 18 बोगियां ट्रैक से नीचे उतर गईं. दुर्घटना कितनी भयावह थी इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ट्रेन के कई डिब्बे एक-दूसरे के ऊपर चढ़ गए. काफी गति तेज होने के कारण बीच से मुड़ गए थे. कई डिब्बे आपस में बुरी तरह से सट चुके थे.

आम लोगों की लाइफ लाइन रेल का हाल सभी देख रहे : हेमंत

सीएम हेमंत सोरेन ने हादसे पर कहा कि रेल मंत्रालय कहता कुछ है, दावा कुछ करता है, हकीकत कुछ और होती है. रेलवे मिडिल, लोअर मिडिल क्लास, गरीब, मजदूरों की लाइफ लाइन है. मगर लाइफ लाइन का क्या हाल है देश देख रहा है. हादसा वाकई में दुखदाई है. मैं मृत लोगों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हुए उनके परिजनों को दुख सहने की शक्ति देने की कामना करता हूं. राज्य की ओर से मृतकों के आश्रितों को दो-दो लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपए देने की घोषणा की गई है. देखते हैं हम आगे और क्या कर सकते हैं. हमारे दो मंत्री और अफसर घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं, और सभी चीजों पर नजर बनाए हुए हैं.

केरल के वायनाड में जल प्रलय, भारी तबाही

125 लोग मरे, सैकड़ों दबे

एजेंसी। वायनाड (केरल)

केरल के वायनाड जिले में मंगलवार तड़के कई जगहों पर भारी बारिश से आए जल प्रलय से हुईं भूस्खलन की घटनाओं में कम से कम 125 लोगों की मौत हो गई तथा सैकड़ों लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है. हालांकि सरकार ने अब तक इस हादसे में 93 लोगों के मरने और 116 लोगों के घायल होने की पुष्टि की है. लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो मृतक संख्या 116 से अधिक है. घायलों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है.

जल प्रलय के चलते भूस्खलन की घटनाएं मंगलवार तड़के हुईं, जिससे घरों में सो रहे लोगों को बचने का मौका भी नहीं मिल पाया. बचाव के लिए सेना की कई टुकड़ियां युद्धस्तर पर मलबे से लोगों का निकालने में जुटी हैं. डीएम मेघाश्री डीआर के अनुसार, चूरलमाला में भूस्खलन में 56 लोगों की मौत हुई है. इसके अलावा, चेलियार नदी में बहे 15 लोगों के शव मलप्पुरम में बरामद किए गए. मृतकों के शवों को पहचान तथा पोस्टमार्टम के लिए अस्पतालों के मुर्दाघरों में भेजा जा रहा है. मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टमाला और नूलपुझा गांव में भूस्खलन हुआ हैं. बचाव दल मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए लगातार काम कर रहे हैं.

लोग कर रहे मदद की गुहार : सैकड़ों लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है. भूस्खलन से तबाह हुए मकानों और मलबे के ढेर के नीचे फंसे होने के बाद लोग फोन कर मदद की गुहार लगाते रहे. सड़कों के जलमग्न होने से उनके पास निकलने का कोई रास्ता नहीं बचा है.

सरकार कर रही है हरसंभव मदद: लैंडस्लाइड मामले को लेकर संसद में केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि केंद्र सरकार इस आपदा से पीड़ित लोगों के लिए हरसंभव मदद कर रही है. उन्होंने कहा कि बचाव और तलाशी अभियान के लिए एनडीआरएफ की दो टीमें, सेना की दो टुकड़ियां और वायुसेना के दो हेलीकॉप्टर तैनात किए गए हैं. उन्होंने कहा कि वायनाड की त्रासदी केरल के लिए ही नहीं पूरे देश के लिए बड़ी त्रासदी है.

-पेज 12 भी देखें

आज वायनाड का दौरा करेंगे राहुल गांधी

वायनाड से सांसद रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी बुधवार को प्रभावित इलाके का दौरा करेंगे. उन्होंने लोकसभा में सरकार से युद्धस्तर पर राहत बचाव चलाने के साथ-साथ बढ़ी मुआवजा राशि देने की मांग की है. सरकार की ओर से मृतकों के लिए दो-दो लाख और घायलों के लिए 50-50 हजार रुपए के मुआवजे की घोषणा की गई है. संसद में सभी सदस्यों ने वायनाड के हादसे पर गहरी संवेदना व्यक्त की है. राज्यसभा में नेता सदन जेपी नड्डा ने कहा, केरल की त्रासदी देश की त्रासदी है. सरकार लोगों को बचाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी. लोकसभा में राहुल गांधी ने वायनाड में हुए भूस्खलन पर कहा, वायनाड कई विनाशकारी भूस्खलन की चपेट में आया. 1116 से ज्यादा लोग मारे गए हैं. मुंडक्कई गांव का संपर्क टूट गया है और त्रासदी की वजह जानमाल की विनाशकारी हानि और व्यापक क्षति का आकलन अभी तक नहीं किया जा सका है. मैंने रक्षा मंत्री और केरल के सीएम से बात की है. मैं केंद्र से बचाव और चिकित्सा देखभाल के लिए मदद देने, मृतकों को मुआवजा तुरंत जारी करने का अनुरोध करता हूं. सबसे जरूरी परिवहन और संचार लाइनों को बहाल करना है.

पीएम खुद रख रहे नजर

पीएम मोदी ने भूस्खलन की घटनाओं में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया और सीएम पिनराई विजयन को संकट से निपटने के लिए केंद्र से हर संभव मदद का आश्वासन दिया है. मोदी ने कहा, वायनाड में कुछ जगहों पर भूस्खलन की खबर से व्यथित हूं. उन सभी लोगों के साथ हूं, जिन्होंने अपने प्रियजन को खोया है और जो घायल हुए हैं, मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं. प्रभावित लोगों की मदद के लिए बचाव अभियान जारी है. मोदी ने कहा, केरल के सीएम पी. विजयन से बात की और वहां उत्पन्न स्थिति के मद्देनजर केंद्र से हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया है.

केरल में दो दिन का शोक

केरल में राज्य सरकार ने आधिकारिक रूप से दो दिवसीय शोक की घोषणा की है. मंगलवार और बुधवार को शोक रहेगा. राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा. राज्य सरकार के आधिकारिक कार्यक्रम और समारोह आज और कल स्थगित कर दिए गए हैं.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	64,500
चांदी (किलो)	85,000

शूटिंग में मनु भाकर का ऐतिहासिक डबल

पेरिस। भारतीय जोड़ी मनु भाकर और सरबजोत सिंह ने पेरिस ओलिंपिक में मंगलवार को इतिहास रच दिया है. मनु और सरबजोत ने शूटिंग के 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता. भारत के शूटरों ने ली वोन्हो और ओह ये जिन की कोरियाई जोड़ी को हराया. इससे पहले रविवार को मनु भाकर महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद ओलिंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बनी थी, जबकि अब वह एक ही ओलिंपिक में दो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय बन गई हैं.

-पेज 12 भी देखें

नॉन टैक्स पेयर को फ्री में देंगे बालू: सीएम

- हेमंत का एक और मास्टर स्ट्रोक, सदन में सरकार की फजीहत के बाद मुख्यमंत्री ने सदन में खड़े होकर की घोषणा

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेंमत सोरेन आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए मंगलवार को एक और बड़ा मास्टर स्ट्रोक मारा है. सदन में सरकार की बालू पर हुई फजीहत के बाद सीएम हेमंत सोरेन ने घोषणा कर दी कि सरकार बालू को लेकर एक बड़ा निर्णय लेने जा रही है. सरकार अब नॉन टैक्स पेयर को बालू फ्री में देगी.

हेमंत की इस घोषणा से राज्य में निर्माण करा रहे अबुआ आवास योजना के लाभुकों समेत करोड़ों लोगों का सीधा फायदा होगा. जो अपना आशियाना बनाना चाहते हैं, और मंहगी दर पर बालू खरीदने को विवश हैं. मगर इसका मैंक्निजम क्या होगा. इसको लेकर कोई घोषणा नहीं हुई है. अब सरकार जल्द ही इससे जुड़े प्रस्ताव को तैयार करके इसे कैबिनेट की मंजूरी प्रदान करेगी.

इससे पूर्व बालू मामले पर सदन में सरकार की जम कर फजीहत हुई. भाजपा विधायक भानु प्रताप शाही और सीपी सिंह ने सरकार को सीधे तौर पर घेरा और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ही कटघरे पर खड़ा किया. भानु ने बालू पर मुख्य मंत्री को घेरते हुए कहा कि यह सरकार बालू से तेल निकाल रही है और पुलिस चोर-डकैत पकड़ना छोड़ बालू पकड़ रही है. बालू से तेल निकालना जा रहा है. वहीं विधायक सीपी सिंह ने कहा कि जब-जब हेमंत सोरेन आते हैं, बालू ही गायब हो जाती है. सरकार की हुई फजीहत के बाद खुद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सदन में उठे और भाजपा विधायकों की अनुपस्थिति में बड़ी घोषणा कर दी.

आदिवासी क्यों घट रहे ?

भानु-अनंत ओझा ने कहा : बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण
नेहा शिल्पी ने कहा : बाहरी आबादी के बसने के कारण

बांग्लादेशी घुसपैठ से घट रही राज्य में आदिवासियों की जनसंख्या : भाजपा

सदन के दूसरे सत्र में जैसे ही कार्यवाही शुरू हुई. बांग्लादेशी घुसपैठ और आदिवासियों की घटती जनसंख्या पर जम कर बवाल और तीखी बहस हुई. सदन में कटौती प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए भाजपा विधायक अनंत ओझा ने कहा कि पूरे संथाल परगना में बांग्लोदशी घुसपैठ के कारण लगातार आदिवासियों की संख्या घट रही है. इसलिए यह सरकार आदिवासी-मूलवासियों के नाम पर ढोंग कर रही है. सरकार ने खुद अपने जवाब में स्वीकार किया है कि चार बांग्लादेशी पकड़े गए. बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण आदिवासियों का हक छीना जा रहा है, जमीन छीनी जा रही है. सरकार उन्हें हर तरह की सुविधा दे रही है. वहीं भाजपा विधायक भुान प्रताप शाही ने कहा कि मैं भी आदिवासी हूं, मूलवासी हूं. चाहे सरकार मेरा डीएनए टेस्ट करा ले. भानु प्रताप शाही ने कहा कि यह आदिवासी मूलवासी की सरकार नहीं है. अगर आदिवासी मूलवासी की सरकार रहती, तो आदिवासी मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और मूलवासी मंत्री बादल पत्र लेख को यह सरकार नहीं हटाती बादल पत्र लेख को हटा कर इरफान अंसारी को बनाना ही साबित करता है कि यह सरकार बांग्लादेशी घुसपैठ को समर्थन करती है. बांग्लोदशी घुसपैठ के कारण संथाल से यहां तक कि पूरे झारखंड से आदिवासियों की संख्या घट रही है.

बाहरियों के बस जाने व आदिवासी विरोधी नीतियों से घट रहे आदिवासी

कांग्रेस विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने भाजपा के आरोपों का जोरदार तरीके से जवाब दिया. उन्होंने कहा कि घुसपैठ के कारण नहीं बल्कि आदिवासी जमीन पर बाहरियों के बसने के कारण आदिवासियो की संख्या घट रही है. वे स्वीकार करती हैं कि आदिवासियों की संख्या तेजी से घट रही है. मगर इसके कारण कुछ और ही हैं. राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, फिर अर्जुन मुंडा ने बरही से बहरागोड़ा तक इकोनॉमिक जोन बनाने की तैयारी की थी. मगर आदिवासियों के जबरदस्त विरोध के यह नहीं बना. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रघुवर दास के समय लैड बैंक बनाकर 31 लाख हेक्टयर जमीन उसमें जमा कराई गई. यह किसकी जमीन थी. यह सारे आदिवासी-मूलवासियों की जमीन थी. पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी और रघुवर दास ने आदिवासियों की जमीन का सुरक्षा कवच सीएनटी-एसपीटी एक्ट में संशोधन करने का विफल प्रयास किया .यह क्यों किया जा रहा था, केवल और केवल आदिवासी जमीन लूट कर बाहरी कंपनियों, औद्योगिक इकाइयों को देने के लिए. यह अगर हो जाता, तो हमारे रांची से आदिवासी गायब ही जाते. इसलिए आदिवासी की संख्या कमी के बारे में इन्हें बोलने का कोई हक नहीं है.

नरसिंह इस्पात की जमीन की नापी करवा रही समिति

- उपायुक्त ने गठित की थी चार सदस्यीय जांच समिति
- ग्रामीणों ने कहा- नहीं हो खानापूर्ति

दिलीप कुमार ।चांडिल

सरायकेला-खरसावां जिला के डीसी रविशंकर शुक्ल द्वारा गठित समिति मंगलवार को दूसरे दिन भी खूंटी स्थित नरसिंह इस्पात कंपनी की जांच कर रही है. चार सदस्यीय टीम ने सोमवार को नरसिंह इस्पात की जमीन संबंधी मामलों की जांच शुरू की थी. जांच समिति में जिले के अपर उपायुक्त संजय कुमार दास, चांडिल के भूमि सुधार उपसमाहर्ता विकास कुमार राय, उद्योग महाप्रबंधक रविशंकर प्रसाद और पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता रंजीत कुमार ठाकुर शामिल हैं.

जांच के पहले दिन जमीन संबंधी आरोपों की सत्यता जानने के लिए जमीन की नापी शुरू करायी गयी थी, जो मंगलवार को भी जारी रही. मंगलवार को समिति का कोई सदस्य कंपनी नहीं पहुंचा था. कंपनी के अंदर सीओ की देखरेख में अमीन कंपनी की जमीन की नापी कर रहे थे. इस संबंध में अपर उपायुक्त संजय दास ने बताया कि जांच के पहले दिन जमीन संबंधी जांच शुरू की गई. सीओ अमीन प्लॉट वाइज जमीन की नापी कर रहे हैं. नापी का काम पूरा होने के बाद खतियान के साथ सभी प्लॉटों का मिलान होगा. इसके बाद जमीन संबंधी जांच रिपोर्ट डीसी को सौंपी जाएगी.

विदित हो कि चौका-कांड्रा सड़क पर खूंटी स्थित नरसिंह इस्पात कंपनी द्वारा सरकारी जमीन के अतिक्रमण करने की पुष्टि सरकार के राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग ने किया है. ईचागढ़ के तत्कालीन विधायक दिवंगत साधुचरण महतो के 19 फरवरी 2016 को विधानसभा सत्र के दौरान पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या रा. 12 के जबाव में सरकार के संयुक्त सचिव की रिपोर्ट पर राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री ने उत्तर देते हुए सदन को बताया था कि नरसिंह इस्पात द्वारा मौजा खूंटी, थाना नंबर 175, खाता नंबर 506, प्लॉट नंबर 2642, 2645 और 2668 में रकवा क्रमशः 0.26, 0.23 और 0.06 एकड़ सरकारी भूमि का अतिक्रमण किया है. कंपनी पर बगैर हस्तांतरण के सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करने के अलावा कई गंभीर आरोप है.

समिति को 16 जुलाई को ही सौंपनी थी रिपोर्ट

बता दें कि हिंदी दैनिक शुभम संदेश में नरसिंह इस्पात पर छपी खबर के बाद डीसी ने कंपनी पर लगे आरोपों की जांच के लिए चार सदस्यीय समिति का गठन किया था. डीसी रविशंकर शुक्ला ने कंपनी के मामले में 12 जुलाई को जांच समिति का गठन कर जांच करने का आदेश जारी किया था. जारी आदेश पत्र में कहा गया है कि खूंटी के पास स्थित नरसिंह इस्पात कंपनी द्वारा सरकारी, वन भूमि पर अवैध कब्जा करने संबंधी शिकायत मिली है. उक्त मामले में जांच कर प्रतिवेदन सौंपने के लिए जांच समिति का गठन किया जाता है. जांच समिति को 16 जुलाई तक जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था. किसी कारण जांच नहीं होने पर दूसरी तिथि 24 जुलाई निर्धारित की गई थी. इस तिथि को भी किसी कारणवश जांच नहीं हो सकी थी. इसके बाद समिति ने सोमवार को कंपनी पर लगे आरोपों की जांच शुरू की. उपायुक्त द्वारा जांच समिति का गठन कर कंपनी के जमीन समेत अन्य मामलों की जांच शुरू कराए जाने के बाद ग्रामीणों में खुशी की लहर है. ग्रामीणों की मांग है कि जांच समिति के पदाधिकारी मामलों के जांच के क्रम में उनसे भी मिलें और उनकी बातों को भी सुनें. ग्राम सभा की मांग है कि इन सरकारी प्लॉटों की भी मापी करवाएं और सच्चाई ग्रामीणों के समक्ष रखें. ग्रामीणों ने कहा कि कंपनी पर जांच के नाम पर मात्र खानापूर्ति नहीं की जाए. ग्राम सभा और जिला परिषद सदस्य समेत अन्य पंचायत प्रतिनिधियों ने कंपनी प्रबंधन पर सिंचाई कैनाल से पानी चोरी करने का गंभीर आरोप लगाया है.

लोस में जाति जनगणना पर पूछ ली नेता प्रतिपक्ष की जाति, हंगामा

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच मंगलवार को लोकसभा तीखी नोकझोंक हुई. दरअसल, बजट पर चर्चा के दौरान अनुराग ठाकुर ने सदन में कहा, जिसकी जात का पता नहीं, वो गणना की बात करता है. उनके इतना बोलते ही सदन में जोरदार हंगामा शुरू हो गया. अनुराग ठाकुर भाषण के तुरंत बाद ही राहुल गांधी खड़े हो गए. राहुल ने कहा, जितना आप मेरा अपमान करना चाहते हैं, आप खुशी से रोज करिए, मगर एक बात मत भूलिए जाति जनगणना को हम यहां पास करके दिखाएंगे. वहीं, अखिलेश यादव ने कहा कि पूर्व मंत्री हैं, बड़े दल के नेता हैं. शकुनी, दुर्योधन तक ये ले आए, लेकिन आप जाति कैसे पूछ सकते हैं. जाति नहीं पूछ सकते हैं.

जिनकी जाति का पता नहीं, वो जाति गणना की बात करते हैं

एजेंसी। नयी दिल्ली

बजट पर लोकसभा चर्चा में भाग लेते हुए भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने मंगलवार राहुल गांधी के भाषण पर जम कर पलटवार किया. राहुल गांधी ने बजट हलवा से सरकार पर निशाना साधा था और यह कहा था कि इसमें कोई दलित अधिकारी नहीं.

इस पर तंज कसते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल जी हलवा मीठा था या फीका. कुछ लोग ओबीसी की बात करते हैं, इनके लिए ओबीसी का मतलब है ओनली फॉर ब्रदर इन लॉ कमीशन. अनुराग ठाकुर ने राहुल के एक-एक आरोप का जवाब दिया.

-शेषपेज 7 पर

पीठासीन अध्यक्ष ने सदन में दी व्यवस्था

सदन में पीठासीन अधिकारी के तौर पर आसन पर मौजूद जगदंबिका पाल ने व्यवस्था दी कि कोई भी व्यक्ति किसी की जाति नहीं पूछ सकता. उन्होंने कहा कि वह रिकार्ड देख लेंगे, जरूरत पड़ी तो इसे रिकार्ड से हटवा देंगे. इस पर राहुल ने कहा, मुझे कोई ऐतराज नहीं है. मैं गाली खाकर खुश हूं, मुझे कुछ भी बुरा नहीं लगा है.

आप मुझे गाली दें, मुझे परवाह नहीं, आप माफी भी मत मांगिए

एजेंसी। नयी दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अनुराग ठाकुर जाति जनगणना के मुद्दे पर भिड़ गए. इस दौरान राहुल गांधी ने आरोप लगाया, ठाकुर ने मुझे गाली दी, मेरी बेइज्जती की. लेकिन मुझे इनसे माफी भी नहीं चाहिए. दरअसल, अनुराग ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि, उन्हें पता होना चाहिए कि एलओपी का फुल फॉर्म लीडर ऑफ अपोजिशन होता है, लीडर ऑफ प्रोपेगैंडा नहीं. अनुराग के ऐसा बोलते ही हंगामा होने लगा. इसी दौरान राहुल गांधी फिर से अपनी सीट से खड़े हुए और अनुराग ठाकुर पर जवाबी हमला बोला.

-शेष पेज 7 पर

आपने आखिर जाति कैसे पूछ ली: अखिलेश

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव भी कूद पड़े. अखिलेश ने सभापति से कहा- वो (अनुराग ठाकुर) मंत्री रहे हैं. बड़े नेता हैं. बड़ी बात कर रहे थे. दुर्योधन शकुनी तक ले आए. आप जाति कैसे पूछ सकते हैं. तुम पूछ के दिखाओ जाति. कैसे पूछ दी जाति? अखिलेश ने कहा कि आप जाति नहीं पूछ सकते.

झारखंड विधानसभा में गूंजा रोजगार का मुद्दा

रांची । झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन मंगलवार को सत्र शुरू होने से पहले भाजपा विधायकों ने रोजगार मुद्दे को लेकर सदन के बाहर बैनर-तख्ती लेकर प्रदर्शन किया. साथ ही सदन के अंदर भी रोजगार मुद्दे को लेकर हंगामा किया. भाजपा विधायकों ने हेमंत सोरेन सरकार को पांच लाख युवाओं को नौकरी देने के वादे को लेकर घेरा. भाजपा विधायकों ने कहा कि हेमंत सोरेन ने चुनावी भाषण में कहा था कि पांच लाख नौकरी देंगे. साढ़े चार हो गये, इस वादे का क्या हुआ. आंगनबाड़ी सेविका सहाय के रसोइयां परमानेंट क्यों नहीं हुए, इसका जवाब हेमंत सोरेन दें.

झामुमो के प्रवक्ता की तरह कार्य कर रहे विधानसभा अध्यक्ष: बाउरी

प्रमुख संवाददाता । रांची

झारखंड विधानसभा के तीसरे कार्यदिवस के दिन नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने विधानसभा अध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाये कहा कि कि वे अध्यक्ष सरकार के प्रवक्ता के रूप में सदन में कार्य कर रहे हैं. और विपक्ष की आवाज़ को दबाने के काम कर रहे हैं. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को आज पूरा देश सुन रहा है, लेकिन झारखंड के नेता प्रतिपक्ष को बोलने नही दिया जा रहा, हमारे माइक को बंद कर दिया जाता है. उन्होंने अध्यक्ष पर हाईकोर्ट के आदेश, गाइड लाइन की अवमानना करने का भी आरोप लगाया. हाईकोर्ट ने बांग्लादेशी घुसपैठ मामले में सरकार को बांग्लादेशियों को चिन्हित कर इसकी जवाबदेही तय करने की बात कही है, लेकिन सदन के अंदर अध्यक्ष कहते हैं कि झारखंड में कोई घुसपैठ नहीं हो रही है.

नियुक्ति में एसटी और ओबीसी में आरक्षण नहीं दिया : उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि हाल में ही चौकीदार और वनरक्षी की नियुक्ति में अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग में आरक्षण नहीं दिया गया. सरकार से उन्होंने पूछा कि किस आधार पर झारखंड में अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को समाप्त किया गया, इसका जवाब सदन के अंदर कांग्रेस नेता एवं मुख्यमंत्री दें.

सीएम की जमानत पर सत्ता पक्ष व विपक्ष आमने-सामने

मॉनसून सत्र : जमकर हुई नारेबाजी, स्पीकर को 11-30 बजे से दोपहर 12-30 बजे तक सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी

- सत्ता पक्ष ने कहा, साजिश के तहत हेमंत को फंसाया, समय बर्बाद हुआ
- विपक्ष ने कहा, हेमंत सोरेन को जमानत मिला है, बाइज्जत बरी नहीं हुए

प्रमुख संवाददाता । रांची

झारखंड विधानसभा के मॉनसून सत्र के तीसरे दिन की पहली पाली भी हंगामेंदार रही. हंगामे के कारण स्पीकर को 11-30 बजे से दोपहर 12-30 बजे तक सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी. सुबह 11-08 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट के आदेश से यह साबित हो गया कि सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ ईडी ने गलत केस दर्ज किया. यह पूरी तरह से साजिश थी. भाजपा विधायक बाबूलाल मरांडी और गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने पहले ही बोल दिया था कि हेमंत सोरेन और उनका पूरा परिवार जेल जाएगा. इन लोगों ने हेमंत सोरेन के खिलाफ साजिश की. इस पर भाजपा के नेता कान पकड़ कर माफी मांगें. वहीं विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि भाजपा के ऑपरेशन लोटस के नए स्वरूप का सामना करना पड़ा. पांच माह में जो कल्याणकारी योजनाएं बाधित हुईं, उसकी जवाबदेही कौन लेगा. भाजपा को राज्य की जनता से माफी मांगनी चाहिए. इस बीच नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन को न्यायालय से जमानत मिली है. उनको बाइज्जत बरी नहीं किया गया है. इसके बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने सामने हो गए और वेल में चले गए. दोनों ओर से एक-दूसरे खिलाफ जमकर नारेबारी हुई. इसके बाद स्पीकर ने सदन की कार्यवाही 12-30 बजे तक के लिए स्थगित कर दी.

12-30 में सदन की कार्यवाही शुरू होते ही बीजेपी विधायक वेल में घुसे : दोपहर 12-30 में सदन की कार्यवाही शुरू होते ही भाजपा विधायक वेल में घुस गए. इस बीच शून्यकाल चलता रहा. बीजेपी विधायक वेल में नारेबाजी करते रहे. बीजेपी विधायकों ने आदिवासी विरोधी सरकार, बांग्लादेशी घुसपैठ बंद करो, मुस्लिम तुष्टीकरण नहीं चलेगा के नारे लगाए. हंगामें के बीच स्पीकर ने कहा कि 31 जुलाई को दूसरी पाली में भी ध्यानाकर्षण की सूचनाएं ली जाएंगी. इसके बाद स्पीकर ने दोपहर दो बजे तक के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी.

किताब वितरण पर तीखी बहस

नीलकंठ ने कहा-पुस्तक वितरण में हुआ घोटाला

- शिक्षा मंत्री ने कहा, गड़बड़ी का सवाल ही नहीं, एक सप्ताह में 100 परसेंट हो जाएगा किताबों का वितरण

प्रमुख संवाददाता । रांची

मंगलवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नीलकंठ सिंह मुंडा ने सवाल उठाया कि बच्चों को अब तक किताबें नहीं मिली हैं. सेशन भी समाप्त हो रहा है. राज्य परियोजना निदेशक आदित्य रंजन ने दो जुलाई को चिट्ठी जारी किया था कि जिसमें कहा था कि किताब बीआरसी ब्लॉक में रख दिया गया है. अब टीचर को पुस्तक ले जाने को कहा जा रहा है. अब तक 42 लाख किताबें उपलब्ध नहीं कराई गई हैं. इसमें कहीं न कहीं वित्तीय अनियमितता या घोटाला हुआ है. इस पर शिक्षा मंत्री बैजनाथ राम ने कहा कि पुस्तक वितरण का काम आचार संहिता के कारण बाधित हुआ, एक सप्ताह में शत-प्रतिशत पुस्तक वितरण का काम पूरा हो जाएगा.

सदन को गुमराह कर रहे शिक्षा मंत्री : सीपी सिंह ने पुस्तक वितरण को लेकर कहा कि शिक्षा मंत्री सदन को गुमराह कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग का आदेश बताएं. फिर कहा कि जो कार्य योजना चालू रहती है, उस पर चुनाव आयोग कोई रोक नहीं लगाता. नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि अब किताबों को जिला से स्कूल तक ले जाने के लिए कोई दर का निर्धारण ही नहीं हुआ है. सेशन भी खत्म हो रहा है. सरकार का न शिक्षक पर और न ही शिक्षा पर ध्यान है.

सरकारी नौकरी के विज्ञापन में एससी श्रेणी की सीट नहीं होने का मुद्दा : सदन में झामुमो विधायक मथुरा महतो ने कहा कि 24 साल बाद वन क्षेत्र पदाधिकारी के लिए वेकेंसी आई है. इस में अनुसूचित जाति के लिए एक भी सीट नहीं है. दलित छात्र इससे वंचित हो जाएंगे. वहीं विधायक केदार हाजरा ने भी सरकारी नौकरियों के विज्ञापन में एससी कैटगरी के लिए सीट नहीं होने का मुद्दा उठाया. सूचना के माध्यम से उन्होंने कहा कि सरकार को इसपर ध्यान देना चाहिए. नीलकंठ सिंह मुंडा ने भी केदार हाजरा के द्वारा उठाये गए मुद्दे पर सहमति जताई. जिसपर स्पीकर रबिन्द्रनाथ महतो ने संसदीय कार्य मंत्री रामेश्वर उरांव से कहा कि इस मुद्दे पर सरकार ध्यान दे. वहीं शून्य काल के दौरान विधायक विनोद कुमार सिंह ने पोषण सखियों को समायोजित करने की मांग की. सुनीता चौधरी ने भैरवा नदी के दोनों ओर नगर बनाने की मांग की. उमाशंकर अकेला ने रसोइया का मानदेय बढ़ाने की मांग की. लंबोदर महतो ने सहिया, पंचायत स्वयं सेवक संघ, मनरेगा कर्मियों के स्थायीकरण की मांग की.

सीएम हेमंत सोरेन से मिले रूहानी मर्कज के अध्यक्ष

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में मंगलवार को रूहानी मर्कज के अध्यक्ष सह पूर्व विधायक हसन रिजवी ने मुलाकात की. उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि रूहानी मर्कज, जमशेदपुर की ओर से 11 अगस्त को राज्यवासियों की सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली के लिए दरगाह अजमेर शरीफ में चादरपोशी और दुआएं-ए-खास का आयोजन किया जाएगा. इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अजमेर शरीफ भेजी जाने वाली चादर-ए-मुबारक का अनावरण किया. मौके पर रिजवी ने मुख्यमंत्री को अजमेर शरीफ की टोपी तथा साफा पहनकर सम्मानित किया. इस अवसर पर विधायक मंगल कालिंदी, शोहदा-ए-कर्बला के महासचिव अब्बास अंसारी, झारखंड उच्च न्यायालय के अधिवक्ता गुलरेज अख्तर सहित अन्य उपस्थित थे.

पत्नी कल्पना संग राज्यपाल से मिले सीएम, दी शुभकामनाएं

संवाददाता । रांची

- झारखंड से विदा हुए सीपी राधाकृष्णन, आज नए राज्यपाल गंगवार लेंगे शपथ

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गांडेय विधायक व अपनी पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन के साथ राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मंगलवार को राजभवन में मुलाकात की. मौके पर हेमंत सोरेन ने राज्यपाल राधाकृष्णन को सप्रेम पुष्पगुच्छ भेंट किया और उनके सुदीर्घ एवं स्वस्थ जीवन के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी. मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन का स्नेह, आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन झारखंडवासियों को सदैव मिलता रहेगा. मालूम हो कि राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन मंगलवार को झारखंड से विदा हो गए. उन्हें महाराष्ट्र के नये राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया गया है. वहीं झारखंड के नव नियुक्त राज्यपाल संतोष गंगवार बुधवार को राज्य के 12वें राज्यपाल के रूप में शपथ ग्रहण करेंगे. झारखंड हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद संतोष गंगवार को पद की शपथ दिलाएंगे. नव नियुक्त राज्यपाल मंगलवार की शाम रांची पहुंच गए.

सीओ ने 4 लाख रुपये लिया, काम भी नहीं किया

विनीत आभा उपाध्याय । रांची

चतरा जिले के प्रतापपुर अंचल के निवर्तमान सीओ नित्यानंद दास पर एक महिला ने गंभीर आरोप लगाये हैं, प्रतापपुर इलाके की रहने वाली महिला ने सीओ नित्यानंद दास पर जमीन म्यूटेशन को लेकर 4 लाख घूस लेने का आरोप लगाया है. आरोप लगाने वाली महिला ने एक वीडियो जारी किया है. उस वीडियो में बताया कि जब सीओ नित्यानंद दास का ट्रांसफर हजारीबाग के विष्णुगढ़ कर दिया गया, तो सीओ ने बहुत मुश्किल से रिश्वत के पैसे वापस करने की हामी भरी. मामला तूल पकड़ता देख खुद के खाते से 50 हजार भी ट्रांसफर किये. फिर 80 हजार कैश अंचल के कर्मचारी नारायण झा के जरिये उनके घर भेजा. जब सीओ ने कर्मचारी को पैसे देने भेजा, उस समय महिला और उसके घर वालों ने अपने मोबाइल से वीडियो बना लिया. यह वीडियो सोशल मिडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. हालांकि लगातार.इन इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है.

इस पूरे मामले पर निवर्तमान सीओ ने सफाई देते बताया कि महिला का आरोप निराधार है. यह वीडियो काफी पुराना है. वीडियो सामने आने के बाद चतरा जिले के एसडीओ इस पूरे मामले की जांच कर रहे हैं.

कर्मी पैसा देने आया तो पीड़ित ने बनाया वीडियो

पीएलवी का मानदेय बढ़ा कर 700 रुपये किया

संवाददाता । रांची

झारखंड में कार्यरत पारा लीगल वॉलेंटियर्स (पीएलवी) को अब 700 रुपये प्रतिदिन की दर से मानदेय मिलेगा. झारखंड हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस और झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की पहल पर इसकी स्वीकृति दे दी गई है. झारखंड में फिलहाल एक हजार से ज्यादा पीएलवी कार्यरत हैं. इससे पहले सभी पीएलवी को 500 रुपये प्रतिदिन की दर से मानदेय का भुगतान किया जाता था. झालसा के निर्देश के मुताबिक, प्रत्येक पीएलवी को महीने में न्यूनतम आठ दिन का कार्य देने का प्रावधान है.

बालू का वैध खनन बंद होने के कारण बढ़ गया है संकट

विशेष संवाददाता । रांची

भाजपा विधायक विरंची नारायण ने सदन में बालू संकट का मामला उठाया. उन्होंने कहा कि झारखंड में वर्तमान में झारखंड स्टेट सैंड माइनिंग पॉलिसी 2017 लागू है. जिसके तहत केटेगरी-1 में 235 बालू घाट और केटेगरी-2 में 444 बालू घाट हैं. जिसमें मात्र 44 बालू घाट ही वैध है जिसमें बालू का वैध खनन हो रहा है. शेष बालू घाटों में जेएसएमडीसी के माध्यम से टेंडर, माइनिंग प्लान की प्रक्रिया पूर्ण होने से इन बालू घाटों में वैध खनन बंद है जिसके कारण धड़ल्ले से बालू घाटो से अवैध खनन और भंडारण हो रहा है. उन्होंने मामले को उठाते हुए सरकार से मांग किया कि सरकार अनियमितता पर तत्काल राक लगाते हुए इसके अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन में शामिल व्यक्तियों एवं पदाधिकारियों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई करे.

छवि रंजन को जमानत देने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

संवाददाता । रांची

जमीन घोटाला से जुड़े केस के आरोपी रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन की डिफॉल्ट बेल पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुना दिया है. अदालत ने बेल देने से इनकार करते हुए उनकी याचिका खारिज कर दी. सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने छवि रंजन की डिफॉल्ट बेल पर सुनवाई की. छवि रंजन की ओर से वरीय अधिवक्ता सिद्धार्थ अग्रवाल और अधिवक्ता अभिषेक चौधरी ने बहस की. रांची के पूर्व डीसी ने जिस केस में डिफॉल्ट बेल के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, वह चेशायर होम रोड स्थित भूखंड की खरीद-बिक्री में मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा हुआ है.

झारखंड केवल 30 फीसदी कैदियों को सजा मिली है

जेलों में बंद 12397 कैदी अंडर ट्रायल

सौरभ सिंह । रांची

झारखंड की जेलों में 70 फीसदी यानि 12397 कैदी ऐसे हैं, जो अंडरट्रायल हैं यानी जिनका मुकदमा चल रहा है. केवल 30 फीसदी कैदियों को सजा मिली है, यानी वे कनविक्टेड इनमेट्स हैं. यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है. झारखंड में कुल 31 जेल हैं. जिनमें सेंट्रल जेल, 16 डिस्ट्रिक्ट जेल, हजारीबाग में एक ओपन जेल और सात सब-जेल हैं. इन जेलों में कुल 17718 कुल कैदी बंद हैं. इनमें से 12397 अंडर ट्रायल और 5321 सजायाफ्ता कैदी बंद हैं.

राज्य में 856 महिलाएं बंदी जेल में, एक भी महिला जेल नहीं

झारखंड में अब तक महिला कैदियों के लिए अलग से जेल नहीं बनाया गया है, जबकि पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल, बिहार में महिलाओं के लिए अलग से जेल है. झारखंड में कुल 868 महिला कैदी हैं. तमिलनाडु जैसे राज्य में 13 महिला जेल हैं, जिसमें 790 महिला कैदी को रखा गया है. केरल के चार महिला जेलों में 186 महिला बंदी हैं. राजस्थान में सात महिला जेल में 688 महिला बंदी हैं. बिहार में 2890 महिलाएं जेल में बंद हैं. बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, गुजरात जैसे राज्य में दो-दो महिला जेल हैं.

किस जेल में कितने कैदी अंडर ट्रायल व सजायाफ्ता

जेल	सजायाफ्ता	अंडर ट्रायल	जेल	सजायाफ्ता	अंडर ट्रायल
रांची	1340	1948	लातेहार	08	406
देवघर	124	319	लोहरदगा	28	240
दुमका	676	551	पाकुड़	27	271
जमशेदपुर	1045	756	साहिबगंज	27	252
हजारीबाग	1110	546	साकची	40	187
गिरिडीह	133	556	सरायकेला	11	392
पलामू	340	676	सिमडेगा	14	355
चाईबासा	73	813	बरही	00	06
चास	70	226	घाटशिला	07	175
चतरा	05	500	खूंटी	05	513
धनबाद	66	555	मधुपुर	27	136
गढ़वा	53	400	राजमहल	03	107
गोड्डा	08	323	रामगढ़	10	219
गुमला	38	443	तेनुघाट	18	155
जामताड़ा	01	140	ओपन जेल	05	66
कोडरमा	09	165	कुल 5321	12397	17718

क्लासिफाइड

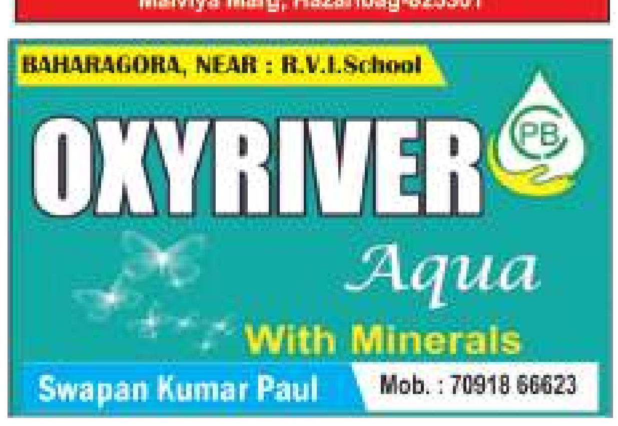

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

स्पोर्ट्स
मनु भाकर ने रचा इतिहास
पेज 10
सात्विक और चिराग की जोड़ी ग्रुप सी में शीर्ष पर
भारत ने आयरलैंड को 2-0 से हराया

www.lagatar.in | धनबाद, बुधवार 31 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 10 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 113 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

पूर्व मंत्री बच्चा सिंह पंचतत्व में विलीन

धनबाद। पूर्व मंत्री बच्चा सिंह का पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन हो गया. वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर मंगलवार को उनके भतीजे अभिषेक सिंह उर्फ गुड्डू सिंह ने मुखाग्नि दी. घाट पर परिवार के कई अन्य सदस्य मौजूद रहे. धनबाद के मजदूरों के हक के लिए लड़ने वाले नेता बच्चा बाबू को धनबाद में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई थी.

श्रावणी मेला की ड्यूटी के दौरान होमगार्ड की मौत

गोड्डा। श्रावणी मेला की ड्यूटी करने के दौरान बासुकीनाथ में होमगार्ड जवान की मौत हो गई. गोड्डा से बासुकीनाथ गए होमगार्ड के जवान बिनोद मंडल की आकस्मिक मौत होने की सूचना पर जवानों में शोक व्याप्त हो गया. जवान श्रावणी मेला के अवसर पर बासुकीनाथ में ड्यूटी कर रहा था कि अचानक तबियत बिगड़ने के बाद उसकी मौत हो गई. घटना की जानकारी गोड्डा जिला बल को होने के बाद अधिकारियों ने सारी प्रक्रिया पूरी करवाई और शव को जिला होमगार्ड कार्यालय लाया गय.जहां अधिकारियों और जवानों ने पुष्प अर्पित कर पूरे मान सम्मान के साथ तिरंगा में लपेटकर दर्शनार्थ रखा. बाद में शव को परिजनों के साथ उनके मूल गांव बक्सरा भेज दिया गया. बिनोद अपने पीछे पत्नी बच्चे का भरा पूरा परिवार छोड़ गया है.

स्टेशन से रेस्क्यू किये दो बच्चों को नहीं मिला घर

धनबाद। नन्हे फरिश्ते अभियान के तहत चार बच्चों को तो पांडरपाला में परिवार मिल गया लेकिन दो बच्चों को अभी तक घर नहीं मिल पाया है.इनमें से राजा नामक बच्चे ने ख़ुद को बरवाअड्डा का बता रहा है लेकिन वह कह रहा है कि मातापिता गुजर गये हैं. वास्तविकता का पता लगाने के लिए सीडब्लूसी अध्यक्ष उत्तम मुखर्जी ने बरवाअड्डा थाना प्रभारी से संपर्क किया है. फ़िलहाल बच्चे को विशेष दत्तक ग्रहण केंद्र में शेल्टर दिया गया है. दूसरा बच्चा बिहार के रोहतास का है. फ़िलहाल वह चाइल्ड लाइन के ज़िम्मे है. वहीं मिशन के अंतर्गत मंगलवार को रेलवे से एक नौ वर्षीय बच्ची स्टेशन में मिली. वह भूली की है.

कापासारा में अवैध बालू लदा ट्रेक्टर जब्त

चिरकुंडा। चिरकुंडा पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर सोमवार की रात्रि औचक छापेमारी कर सुंदरनगर स्थित कापासारा से अवैध बालू लदा ट्रेक्टर जब्त किया. चिरकुंडा पुलिस ने एनजीटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है. थाना प्रभारी सुनिल कुमार सिंह ने बताया कि एनजीटी लगने के बाद बराकर नदी बालू घाट से बालू उठाव पूरी तरह से बंद है.उन्हें गुप्त सूचना मिली की कि अवैध बालू लोड कर ट्रेक्टर कापासारा में है. उन्होंने फौरन पुलिस टीम को भेजकर अवैध बालू लदा ट्रैक्टर को जब्त करवाया.

फर्जीवाड़ा : दो साल से लोगों से वाहन फाइनेंस करा कर खुद ट्रांसपोर्टिंग के नाम पर ले रही थी कंपनी

1 अरब का वाहन लेकर गुजरात की कंपनी रफूचक्कर

खास बातें

- गुजरात के वडोदरा की कंपनी करीब 250 वाहन लेकर फरार
- तीन-चार महीने से कंपनी द्वारा नहीं जमा की गई किस्त

संवाददाता। झरिया

झरिया से 60 लोगों से करीब 250 वाहन वाहन खरीदवा कर गुजरात के वडोदरा की कंपनी द्वारा ठगी करने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. कंपनी ने सभी लोगों को फाइनेंस के माध्यम से वाहन खरीदकर चलाने की बात कही, इसके एवज में महीने में बंधी-बंधाई रकम देने और किस्त भी चुकाने की बात कही थी. लोगों ने झांसे में आकर धड़ाधड़ वाहन फाइनेंस खरीदकर दे दिया. बाद में कंपनी सारे वाहनों को लेकर फरार हो गई. अब फाइनेंस कंपनी की तरफ से वाहन मालिकों को फोन आ रहे हैं कि तीन-चार महीने से किस्त जमा नहीं की गई है. इधर ट्रांसपोर्ट कंपनी के द्वारा दिए गए सभी फोन नंबर स्विच्ड ऑफ हैं, तब लोगों को ठगी का अहसास हुआ और थाने की दौड़ शुरू की गई है. उक्त वाहनों की कीमत लगभग एक अरब आंकी जा रही है. झरिया थाना प्रभारी ने कहा मामले की लिखित शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी. पीड़ित लोगों ने बताया कि यह सारा खेल पिछले दो वर्ष पहले ही शुरू हुआ था. कथित तौर पर गुजरात के वडोदरा की वैष्णवी ट्रांसपोर्ट नामक कंपनी के कुछ कर्मी दो साल पूर्व झरिया पहुंचे और यहां के लोगों को अपने जाल में फंसाने का खेल शुरू किया था.

कर्मी द्वारा पीड़ित व्यक्तियों के नाम से जेसीबी, हाइवा, स्कॉर्पियो, इंनोवा, फॉर्च्यूनर, पिकअप वैन समेत विभिन्न कंपनी के लग्जरी वाहनों को शो रूम से खरीदवाया गया और वाहन को अपने ट्रांसपोर्ट कंपनी में चलवाने की बात कही गई. प्रति वाहन खरीद पर 25 से 50 हजार रुपये नगद एक मुश्त दिया गया. साथ ही प्रति महीने 5 हजार रुपये महीना खर्च के रूप में दिए जाते थे. जिससे काफी लोग लालच में आ गए और वाहन देने वाले पीड़ितों की संख्या 1 से बढ़कर लगभग 60 तक पहुंच गई, इन लोगों ने करीब 250 वाहन कंपनी को दे दिए. ट्रांसपोर्ट कंपनी का मालिक नथानी तरुण अशोक नामक व्यक्ति बताया जाता है, जो मुम्बई का रहने वाला है.

ट्रांसपोर्ट कंपनी ही करती थी डाउन पेमेंन्ट

शो रूम से वाहन लेने के लिए ट्रांसपोर्ट कंपनी द्वारा ही डाउन पेंमेंट भी किया जाता था. कोई भी व्यक्ति यदि स्कॉर्पियो वाहन शोरूम से निकालकर देता था तो उसे कंपनी के कर्मी द्वारा 25 से 30 हजार रुपये नगद दिए जाते थे, वहीं इनोवा क्रिस्टा देने पर 35- 40 हजार व फॉर्च्यूनर देने पर 40-50 हजार रुपये नगद दिए जाते थे. इसके साथ ही कंपनी के द्वारा प्रति वाहन 5 हजार रुपए महीने भी दिया जाता था. इसके अलावा किस्त भी कंपनी द्वारा ही भरी जा रही थी. इसी लालच में आकर वाहन देने की शुरुआत हुई और धीरे-धीरे यह आंकड़ा 60 लोगों के द्वारा 250 वाहन देने तक पहुंच गया. कंपनी द्वारा जेसीबी 2, हाइवा 5, फॉरच्यूनर 7, इनोवा क्रिस्टा 10, बोलेरो 20, पिकप वैन 50, स्कॉर्पियो 40, महिंद्रा थार 10, किया सेलटोस 10, क्रेटा 8, बलेनो 8, वेणु 10, एक्सट 5, मारुति सुजुकी डीमी 3, वरना 3 समेत विभिन्न वाहन मिलाकर लगभग 250 वाहन पीड़ितों द्वारा कंपनी को दे दिए गए.

मटकुरिया में रुकता था मालिक

बैंक मोड़ थाना क्षेत्र के मटकुरिया रोड स्थित कोल्डफिल्ड नामक होटल में आकर दो- दो महीने तक कंपनी का मालिक रुकता था .नथानी तरुण अशोक ने बाद में अशोक नगर में एक फ्लैट भी किराए में ले लिया था.

अधिकारी का मोबाइल स्वीच ऑफ : पप्पू सिंह

झरिया थाना क्षेत्र के बनियाहीर निवासी पीड़ित पप्पू सिंह ने बताया कि उन्होंने अपने नाम से एक महिंद्रा बोलेरो व दो पिकअप वैन ट्रांसपोर्ट कंपनी को दिए थे. एक - डेढ़ साल तक कंपनी द्वारा ईएमआई बैंक में दिया जा रहा था, लेकिन पिछले 3 - 4 महीनों से बैंक को ईएमआई नहीं भरी जा रही है. अब बैंक से फोन आने लगा तो हमलोगों ने कंपनी के लोगों और मालिक से बात करने की कोशिश की लेकिन उनका फोन ऑफ आ रहा है.

कंपनी को दी छह गाड़ियां : मुकेश साव

भौंरा ओपी क्षेत्र के बड़ा बाजार निवासी मुकेश साव ने बताया कि उन्होंने अपने नाम से एक महिंद्रा 300, एक कैम्पर, एक एलएस 6 समेत चार गाड़ी व अपने पिताजी के नाम से दो गाड़ी कुल 6 गाड़ी कंपनी में दिए है. एक साल तक कंपनी के द्वारा ईएमआई बैंक में दिया जा रहा था, लेकिन पिछले 3 - 4 महीनों से बैंक को ईएमआई नहीं जा रहा है. अब फाइनेंस कंपनी उन्हें फोन कर रही है.

धनबाद-गिरिडीह से 9 साइबर अपराधी गिरफ्तार

यूपी से गिरिडीह आकर साइबर ठगी करने वाले पांच साइबर अपराधी धराए

खास बातें

- मास्टरमाइंड मोजाहिद चार सहयोगियों के साथ दबोचा गया
- मातृत्व लाभ दिलाने के नाम पर गर्भवती महिलाओं से करते थे ठगी

संवाददाता। गिरिडीह

उत्तरप्रदेश से गिरिडीह आकर साइबर ठगी करने वाले शातिर साइबर अपराधी को गिरिडीह पुलिस ने उसके चार अन्य साथियों के साथ गिरफ्तार किया है. इन पांचों साइबर अपराधियों को पुलिस ने बेंगाबाद थाना क्षेत्र से साइबर ठगी करते दबोचा है.गिरफ्तार साइबर अपराधियों में बेंगाबाद थाना क्षेत्र के देवाटांड निवासी अमजद अंसारी उर्फ डबलू एवं खुर्शीद अंसारी, मुफ्फसिल थाना क्षेत्र करिहारी निवासी मोहन मंडल, डुमरी के कुष्टो नावाडीह निवासी विक्की मंडल और सरिया थाना क्षेत्र के चिरुआं, चिचाकी निवासी मोजाहीद शामिल है. मोजाहीद मूल रूप से उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिला के कोतवाली थाना क्षेत्र के लाल महजीद बाडा, अब्दुल्ला शाखा बाजार का रहने वाला है. प्रतिविम्ब पोर्टल के rमाध्यम से एसपी दीपक शर्मा को मिली सूचना पर गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए इन पांच साइबर शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार साइबर अपराधियों के पास से पुलिस ने 9 मोबाइल, 3 एटीएम, 2 पेन कार्ड, 13 सिम और 13 आधार कार्ड जप्त किया है. गिरफ्तार अभियुक्तो ने अपने स्वीकारोक्ति बयान में गर्भवती महिलाओं के मोबाईल पर कॉल कर उन्हें मातृत्व राशि का लाभ दिलाने के नाम पर ठगी करने, लड़की से न्यूड वीडियो कॉलिंग करवाने एवं लड़री उपलब्ध कराने का झांसा देकर, लिंक भेज कर पैसा ठगी करने एवं एयरटेल पैमेंट बैंक एवं कुरियर सर्विस का कस्टमर केयर सर्विस के नाम पर ठगी करने की बात स्वीकारी है. साइबर डीएसपी आबिद खान के नेतृत्व में गठित टीम में थाना प्रभारी अजय कुमार, रामप्रवेश यादव, पुनीत कुमार गौतम, गजेन्द्र कुमार, आरक्षी दामोदर प्रसाद मेहता, आरक्षी अरूण कुमार शामिल थे. गिरफ्तार साइबर अपराधियों के विरुद्ध साइबर थाना कांड संख्या 32/2024 में कांड दर्ज कर जेल भेज दिया गया.

निरसा के रंगरागुटू जंगल से दो साइबर अपराधी गिरफ्तार

- जंगल में तिरपाल बिछाकर रह रहे थे तीन अपराधी
- अपराधियों के पास से 8 मोबाइल फोन एवं 2 सीम बरामद

मैथन। निरसा क्षेत्र के एमपीएल ओपी पुलिस ने रतनपुर एवं हरिहरपुर गांव के बीच रंगरागुटू जंगल से दो साइबर अपराधियों को साइबर अपराध करते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया है, जबकि एक अपराधी भागने में सफल रहा. अपराधियों के पास से 8 मोबाइल फोन, 2 सीम, 1 तिरपाल एवं मोबाइल नंबरों का लिस्ट बरामद की गई है. निरसा के एसडीपीओ रजत माणिक बाखला ने बताया कि प्रतिबिंब ऐप पोर्टल पर संदिग्ध मोबाइल नंबर 8389089679 के लोकेशन ट्रेस होने के बाद वरीय पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर एमपीएल ओपी प्रभारी योगेन्द्र कुमार के नेतृत्व में सोमवार को रंगरागुटू जंगल में छापेमारी की गई. कहा कि प्राप्त लोकेशन स्थल के समीप झाड़ियों से कुछ लोगों की बातचीत करने की आवाज सुनाई दी. इसके बाद उस झाड़ीनुमा स्थल का घेराबंदी कर छापेमारी की गई. पुलिस को देखते ही तीनों अपराधी ने भागने लगे, लेकिन पुलिस बल के तत्परता से दो मौके पर पकड़े गए और एक भागने में सफल रहा. पकड़े गए अपराधियों ने पूछताछ में अपना नाम विकास दा (34) गांव बिष्टुपुर थाना नारायणपुर जिला जामताड़ा और हरिबोल दा (23) गांव सोनबाद, थाना जिला-जामताड़ा बताया है जबकि भागने वाले अपराधी का नाम समीर दा गांव लोकोनिया, थाना नारायणपुर जिला जामताड़ा है. एसडीपीओ ने बताया कि पूछताछ में गिरफ्तार अपराधियों ने बताया कि ये तीनों पिछले दो दिनों से यहां जंगल में लोगों से छिपकर तिरपाल बिछाकर मोबाइल फोन के माध्यम से पैनकार्ड, एटीएम, आधारकार्ड आदि बंद होने के झांसा देकर लोगों से गोपनीय सूचना व ओटीपी प्राप्त करते थे और उसके बाद उनके बैंक खाते से पैसा उड़ाने का काम कर रहे थे. एमपीएल पुलिस ने इन साइबर अपराधियों के खिलाफ कांड संख्या 242/24 के तहत मामला दर्ज किया है. एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों को मंगलवार को जेल भेज दिया गया है और फरार अपराधी समीर को गिरफ्तार करने के लिए सम्भावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। छापेमारी दल में एमपीएल ओपी प्रभारी योगेन्द्र कुमार के अलावा एमपीएल ओपी के कार्तिक भगत एवं निरसा थाना के पवन तिर्की शामिल थे.

एनी डेस्क-वाट्सअप स्क्रीन शेयरिंग से करते थे ठगी

- जामताड़ा के दो साइबर अपराधी गिरफ्तार, किया खुलासा

धनबाद। पुटकी थाना क्षेत्र के शिवशंकर नगर में पुटकी पुलिस और साइबर थाना की संयुक्त टीम ने छापेमारी किया .जहां से बीसीसीएल क्वार्टर महेंद्र यादव के घर से दो साइबर अपराधियों को रंगे हाथ दबोचा गया .साइबर अपराधियों के पास से कुल 6 मोबाइल फोन एवं 10 सिम कार्ड बरामद की गई है यह जानकारी साइबर डीएसपी संजीव कुमार ने प्रेस वार्ता कर जानकारी दिया है. प्रेस वार्ता कर साइबर डीएसपी संजीव कुमार ने बताया कि प्रतिबंधित पोर्टल पर उपलब्ध संदिग्ध मोबाइल नंबर की छानबीन में उक्त नंबर का लोकेशन पुटकी थाना क्षेत्र अंतर्गत शिव शंकर नगर कॉलोनी में मिला. पूछताछ करने के क्रम में गिरफ्तार करमाटांड जामताड़ा निवासी नितेश यादव और दीपेश यादव ने बताया कि वे लोग इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन गैस एजेंसी के अधिकारी बनकर गैस कनेक्शन बंद होने का डर दिखाकर एवं गैस की सब्सिडी एवं कैशबैक दिलाने के नाम पर लोगों को फोन करते थे, तथा उनके एनी डेस्क ऐप डाउनलोड कर साइबर ठगी का काम करते थे. जानकारी के मुताबिक जो व्यक्ति ऐप डाउनलोड नहीं करते थे, उनसे व्हाट्सएप स्क्रीन शेयरिंग द्वारा कार्ड विवरण एवं ओटीपी प्राप्त कर ठगी करते थे. पूर्व में इन दोनों अभियुक्तों के द्वारा बैंक अधिकारी बनकर सीरियल कॉलिंग के माध्यम से बैंक विवरण, डेबिट कार्डज़ क्रेडिट कार्ड की विवरण प्राप्त कर साइबर ठगी की जाती थी. बरामद मोबाइल नंबर महाराष्ट्र, कर्नाटक सहित कई अन्य जगह में साइबर अपराध से संबंधित रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी .इनके पास से 06 मोबाइल एंड्राइड फोन, 08 विभिन्न कंपनी के सिम कार्ड बरामद हुए हैं.

पांडरपाला में लागू निषेधाज्ञा खत्म

धनबाद। अनुमंडल पदाधिकारी उदय रजक ने पांडरपाला के भारत चौक से एक किलोमीटर के संपूर्ण परिधि में धारा 163 के अंतर्गत लागू निषेधाज्ञा निरस्त कर दी है. इस संबंध में उन्होंने कहा कि पुलिस अवर निरीक्षक सह प्रभारी भूली ओपी ने प्रतिवेदित किया है कि 28 जुलाई को भूली ओपी में दोनों पक्ष द्वारा आयोजित शांति समिति की बैठक में सांप्रदायिक सौहार्द को बनाए रखने की सहमति बनी है, वर्तमान में स्थित सामान्य है. उक्त क्षेत्र में भ्रमण के दौरान ऐसा प्रतीत हुआ कि लोक परिशांति भंग नहीं होगी. साथ ही पुलिस अवर निरीक्षक सह प्रभारी भूली ओपी ने उक्त क्षेत्र में शाम 7 बजे से सुबह 6 बजे तक लागू निषेधाज्ञा को पूरी तरह से निरस्त करने का अनुरोध किया है. इस आलोक में धारा-163 के तहत धनबाद अंचल अंतर्गत भारत चौक से 01 किलो मीटर के संपूर्ण परिधि (भारत चौक से कुम्हार टोला होते हुए गौसिया मस्जिद होते हुए मोची टोला और आदिवासी टोला, भारत चौक से शमशेर नगर होते हुए तेलिया मदरसा तथा भारत चौक से पटेल चौक) में शाम सात बजे से सुबह छह बजे तक लागू निषेधाज्ञा निरस्त किया गया है.

पुटकी में बंद घर से चार लाख की चोरी

पुटकी। स्वामी विवेकानन्द नगर पुटकी स्थित पूर्व छात्र नेता स्व सुरेंद्र सिंह के बंद आवास में अपराधियों ने दरवाजा का ताला तोड़ करीब 80 हजार रुपये नकद सहित तीन लाख रुपये के गहने की चोरी कर ली. गृहस्वामिनी 12 दिनों से पुत्री के घर राजस्थान गई हुई है. जबकि पल्लव प्रतीक 20 दिनों से नौकरी करने छत्तीसगढ़ गया हुआ है. घर की देखभाल की जिम्मेवारी दोस्त को देकर गया था. रात में घर में कोई सोया नहीं था.

संसद में उठी झारखंड, बिहार, बंगाल के कुछ हिस्सों को काटकर केंद्र शासित प्रदेश बनाने की बात

संथाल परगना की राजनीति में उबाल, पुतला फूंको अभियान

संवाददाता। साहिबगंज

झारखंड के संथाल परगना तथा बिहार व पश्चिम बंगाल के कुछ जिलों को मिला कर केंद्र शासित प्रदेश बनाने की गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे की मांग पर राजनीति गरमा गई है. निशिकांत के बयान के विरोध में झामुमो ने साहिबगंज शहर में मंगलवार को रैली निकालकर प्रदर्शन किया. जिला अध्यक्ष शाहजहां अंसारी के नेतृत्व में रैली रेलवे जेनरल इंस्टीट्यूट से निकलकर स्टेशन चौक, पटेल चौक, बाटा चौक, गांधी चौक, चौक बाजार, बड़ा धर्मशाला चौक, एलसी रोड, बादशाह चौक, पटेल चौक होते हुए समाहरणालय पहुंची. यहां झामुमो कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी व निशिकांत दुबे का पुतला दहन किया. सभा को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री हेमलाल मुर्मू ने कहा कि इसके पहले जब राज्य में पांच साल तक भाजपा की डबल इंजन की सरकार थी, तो बांग्लादेशी घुसपैठियों को उसने क्यों नहीं रोका. उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की गई. उन्होंने कहा कि दरअसल, बांग्लादेशी घुसपैठ भाजपा की चुनावी जुमलेबाजी है. झारखंड में चुनाव नजदीक देख इसे मुद्दे बनाया जा रहा है. भाजपा राज्य में आदिवासियों की जनसंख्या घटने की बात कह रही है, ऐसे मामले में यहां के राज्यपाल राष्ट्रपति को रिपोर्ट कर सकते थे और राष्ट्रपति केंद्र सरकार को संज्ञान लेने के लिए कहते. क्योंकि यह मामला पूरी तरह केंद्र सरकार का है. अगर जनसंख्या घट रही है तो पिछले 10 वर्षों से पीएम मोदी कान में तेल डाल कर क्यों बैठे हैं. उन्होंने कहा कि भाजपा सिर्फ वोट की राजनीति कर रही है. विधानसभा चुनाव में हिन्दू, मुस्लिम, आदिवासी, गैर आदिवासी को लड़ा कर वोट लेने की साजिश कर रही है. सभा को सुरेश टुडू, एमटी राजा, प्रो नजरुल इस्लाम आदि ने संबोधित किया.

निशिकांत दुबे के बयान के खिलाफ झामुमो का प्रदर्शन

धनबाद। सांसद निशिकांत दुबे के संसद में दिए बयान के खिलाफ झारखंड मुक्ति मोर्चा धनबाद जिला समिति ने मंगलवार को जिला परिषद से रणधीर वर्मा चौक तक पैदल मार्च कर विरोध प्रदर्शन किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष लखी सोरेन एवं संचालन सचिव मन्नु आलम ने किया. मौके पर जिलाध्यक्ष ने कहा कि झारखंड के संथाल परगना, बिहार और बंगाल के जिलों को मिलाकर यूनियन टेरिटरी (केंद्र शासित राज्य) बनाने के झारखंड विरोधी एवं विवादित बयान के विरोध में विशाल पैदल मार्च निकाला गया. प्रदर्शन और जमकर नारेबाजी की गई. मार्च में मुख्य रूप से केंद्रीय सदस्य नीलम मिश्रा, सुखलाल मरांडी, अलाउद्दीन अंसारी, नकुल महतो, शरणीधर मंडल, उपाध्यक्ष मुकेश सिंह, कालीचरण महतो, अजय रवानी, मंटू कुमार चौहान, अबु तारिक, किशोर मुर्मू, मीना हेंब्रम, लेखी देवी, गुलाम कुरैशी, समीर रवानी, हराधन रजवार, अताउल्लाह अंसारी, कारू यादव, हरेंद्र चौहान, अपूर्व सरकार, फरीद मल्लिक, पवन मांझी, मो0 शमीउर्रहमान, आफताब आलम, राकेश मसीह, रितेश खेत्रपाल, बद्री विशाल हजारी आदि सहित सैकडो कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

पिस्टल-कारतूस के साथ गिरफ्तार

गांडेय। गांडेय थाना क्षेत्र के खोरीमहुआ के निवासी अलीमुद्दीन अंसारी उर्फ बसु उम्र 28 वर्ष को गांडेय पुलिस ने गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया.सदर एसडीपीओ विनोद रवानी को गुप्त सूचना मिलने पर सोमवार 29 जुलाई को एक टीम गठित किया गया. गठित टीम में गांडेय थाना प्रभारी रघुनाथ सिंह,अहलियापुर थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह बिष्ट अपने सहयोगी शस्त्र बल के साथ खोरीमहुआ स्थित अलीमुदीन अंसारी उर्फ बासु के घर छापेमारी की गई. छापेमारी में अलीमुद्दीन को उनके घर से अवैध लोडेड पिस्टल सहित चार जिंदा कारतूस, तीन मोबाइल के साथ पकड़ा गया है. गिरफ्तार अलीमुद्दीन ने पुलिस के सामने कबूला है कि अहिलियापूर थाना क्षेत्र में पिछले 24 जुलाई को लूटपाट की थी. इसके अलावा नारायणपुर थाना क्षेत्र में कई छिनतई की घटना को अंजाम दिए है.

इंडियन बैंक में चोरी का प्रयास सीसीटीवी में दिखे तीन चोर

संवाददाता। तोपचांची

तोपचांची थाना क्षेत्र के हीरापुर गांव स्थित इंडियन बैंक के श्री रामपुर शाखा में अज्ञात चोर द्वारा चोरी का प्रयास किया गया. मंगलवार की सुबह ग्रामीणों की नजर बैंक पर पड़ी तो देखा कि बैंक के मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ है. इसके बाद ग्रामीणों ने मामले की सूचना पंचायत के मुखिया प्रसिद्ध सिंह तथा गोपाल पांडेय को दिया. फिर दोनों ने मामले की सूचना तोपचांची पुलिस को दिया. मौके पर पहुंची पुलिस ने बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच की तो पाया कि एक चोर द्वारा बैंक के ग्रिल के गेट के ताले को तोड़ा जा रहा है. चोरों ने ग्रिल के गेट में लगे ताले को तोड़ने के बाद शटर में लगे तालों को तोड़ने का प्रयास किया लेकिन चोर सफल नहीं हो पाया.बैंक मैनेजर रोहित कुमार ने बताया कि सीसीटीवी में तीन चोर दिख रहे हैं, जिनमें से एक ताला तोड़ रहा था और दो चोर दूर खड़ा होकर लोगों पर नजर रख रहा था. उन्होंने बताया कि बैंक के मुख्य गेट में ग्रिल के साथ-साथ शटर भी लगा हुआ है. ग्रिल में एक तथा शटर में चार ताले लगे रहते हैं. चोर द्वारा ग्रिल के ताले तथा शटर में लगे चार तालों में से एक ताला को ही तोड़ा गया. पुलिस सीसीटीवी में दिख रहे चोरों की पहचान करने में जुट गई है.

▼ ब्रीफ खबरें

प्रखंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता शुरू

टुंडी। खेलो झारखंड 2024 के तहत चार दिवसीय प्रखंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता की शुरुआत मंगलवार को हुई. टुंडी प्रखंड संसाधन ने प्रतियोगिता का आयोजन किया है. प्रतियोगिता में 17 पंचायतों के 57 मध्य व उच्च विद्यालय के छात्र-छात्रा भाग ले रहे हैं. प्रतियोगिता का शुभारंभ टुंडी बीडीओ शैलेन्द्र कुमार चौरसिया और प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी मूरत महतो ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. प्रतियोगिता शुरू होने से पूर्व अधिकारियों ने प्रतिभागियों से परिचय प्राप्त कर हौसला अफजाई की. बालक वर्ग के 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम संतोष हांसदा तथा दूसरे स्थान पर मोहित बास्की रहे.

जनशक्ति दल का पहला स्थापना दिवस मना

कतरास। जन शक्ति दल का गठन जनमानस को हक दिलाने के उद्देश्य से किया गया है. बाघमारा की जनता वर्तमान विधायक के कामकाज से उब चुकी है. जनता विकास चाहती है और यह कार्य जन शक्ति दल करेगी. उक्त बातें काको में आयोजित जन शक्ति दल के प्रथम स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए पार्टी सुप्रीमो सूरज महतो ने कही. कहा कि जनता का आशीर्वाद मिला तो बाघमारा में भयमुक्त वातावरण स्थापित किया जाएगा. बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा. पार्टी के हर कार्यकर्ता बाघमारा के विकास के लिए कार्य कर रहे हैं. आगामी विधानसभा चुनाव में बाघमारा की राजनीतिक तस्वीर बदलेगी.समारोह की शुरुआत सूरज महतो ने दीप प्रज्वलित व केक काटकर किया. पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत 51 किलो का माला पहनाकर किया.

पूर्व विधायक की मां को दी गयी श्रद्धांजलि

निरसा। निरसा के पूर्व विधायक सह मासस के कार्यकारी अध्यक्ष सह जेबीसीसीआई सदस्य अरूप चटर्जी की माता अंजली चटर्जी की चौथी पुण्यतिथि मुगमा मोड़ मासस कार्यालय में मनायी गयी. इस अवसर पर सर्वप्रथम अरुप चटर्जी ने अपनी माता के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए. इसके बाद जिप सदस्य बादल चन्द्र बाउरी और मासस कार्यकर्ताओं ने पुष्प अर्पित किए.

सियार के हमले में युवक घायल

धनबाद। राजगंज थाना क्षेत्र के बलायटाडे में एक सियार ने शौच के लिए गए एक युवक पर मंगलवार की सुबह हमला कर दिया. स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक 40 वर्षीय छोटू नापित को इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि घायल युवक शौच के लिए घर से बाहर गया था. तभी खेत में पहले से घात लगाकर बैठे सियार ने उस पर हमला कर दिया. जिसके बाद वह जोर-जोर से चिल्लाने लगा. चिल्लाहट की आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और सियार को खदेड़ कर भगाया. सियार ने युवक के प्राइवेट पार्ट समेत शरीर के कई जगहों पर हमला किया. आनन-फानन में स्थानीय लोग पहले उसे इलाज कराने निजी नर्सिंग होम ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए एसएनएमएमसीएच भेज दिया.

लोदना में लो वोल्टेज को लेकर प्रदर्शन

लोदना कोलियरी के अभियंता अंकित कुमार ने समस्या समाधान का आश्वासन दिया

खास बातें

- 500 लोग पिछले तीन माह से झेल रहे लो वोल्टेज की समस्या

संवाददाता । झरिया

लो वोल्टेज को लेकर एनएस लोदना बालूगदा के दर्जनों महिला पुरुष लोदना कोलियरी पावर हाउस पहुंचे मंगलवार को प्रबंधन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया. लोगों ने लो वोल्टेज से निजात दिलानेकी मांग की. कहा कि अगर प्रबंधन जल्द समस्या का समाधान नहीं किया तो बालू गद्दा के लोग उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे. ग्रामीणों का तेवर देख लोदना कोलियरी के अभियंता अंकित कुमार ने आश्वासन दिया कि समस्या से निजात दिलाने का काम किया जाएगा. तब जाकर ग्रामीण माने और आंदोलन समाप्त हुआ. बताते हैं कि बालू गद्दा में अभी 50 से 60 घर हैं. आबादी करीब 500 के करीब हैं. यहां के महिला-पुरुष असंगठित मजदूर हैं. पिछले तीन माह से लो वोल्टेज की समस्या है. शाम ढलते ही बल्ब ढिबरी के समान जलने लगता है. बच्चे पढ़ नहीं पाते हैं. इस आधुनिक युग में जहां मोबाइल और टीवी प्रचलित है. वैसे मैं यहां के लोग टीवी देखने से वंचित तो है ही मोबाइल भी चार्ज करने के लिए सोचना पड़ता है. ग्रामीणों का कहना है कि जिस ट्रांसफार्मर से बिजली दी जा रही है उसमें से लिलोरीपथरा के लोग जबरन कनेक्शन ले ले रहे हैं. इसके कारण ही लो वोल्टेज की समस्या उत्पन्न हो गई है. लोदना प्रबंधन मानवता दिखाते हुए लो वोल्टेज से छुटकारा दिलाने का काम करें नहीं तो उग्र आंदोलन होगा. विरोध प्रदर्शन करने वालों में सुनील कुमार, मोनू कुमार, नागेश्वर पासवान, राधा रानी देवी, कौशल्या देवी, कुंती देवी, मंजू देवी आदि शामिल थे.

लोहा चोरों के दो गुटों में वर्चस्व को लेकर फायरिंग

भूलन बरारी ऑफिस के समीप हुई वारदात

खास बातें

- पुलिस ने घटनास्थल से एक खोखा जब्त किया, मामले की जांच शुरू

संवाददाता । झरिया

सुदामडीह थाना अंतर्गत नीचे डंगाल धोंडा नुनूडीह में बीती रात करीब 12 बजे लोहा चोरों के दो गुट वर्चस्व जमाने के लिए आपस में ही भिड़ गए. इस दौरान दोनों ओर से कई राउंड फायरिंग भी की गई. फायरिंग होने से लोहा चोरों के दोनों गुटों में भगदड़ मच गई, चोर जान बचाने के लिए इधर उधर भागने लगे. बताते चले की बीसीसीएल के रोपवे गोदाम और भूलन बरारी ऑफिस के बगल के गोदाम से आए दिन लोहा की चोरी की जाती है. पिछले कई दिनों से गोली चलने एवं बम चलने की घटना सामने आ रही है लेकिन पुलिस एवं सीआईएसफ इसे रोकने का प्रयास तक नहीं कर रही है. इस कारण चोरों का हौसला बुलंद है. वहीं बीती रात गोली चलाने की घटना से उक्त धोंडा में रहने वाले सभी लोग डर से अपने अपने घरों में ही दुबके रहें1 इस गोली बारी में उक्त मुहल्ले में खड़ी एक स्कार्पियो के पीछे एक गोली जा लगी थी. जिससे स्कार्पियो के पीछे का शीशा टूट गया है, गोली की घटना से पूरे क्षेत्र में दहशत का मोहाल बना हुआ है, घटना की जानकारी मंगलवार की सुबह मुहल्ले के लोगो ने 100 नम्बर डायल कर पुलिस को दिया, घटना के सूचना मिलते ही सुदामडीह पुलिस मौके पर पहुंच घटना स्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दिया है, पुलिस को घटना स्थल से एक गोली का टुकड़ा मिला है, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है.

श्रमिक यूनियन ने किया विरोध

मैथन। डीवीसी को कॉर्पोरेट निकाय में बदले जाने के निर्णय का विरोध डीवीसी श्रमिक यूनियन ने किया है. मंगलवार को यूनियन का एक प्रतिनिधिमंडल ने डीवीसी के कोलकाता स्थित मुख्यालय में डीवीसी चेयरमैन एस सुरेश कुमार से मुलाकात कर विरोध जताया. प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व महामंत्री अभिजीत राय ने किया.
प्रतिनिधिमंडल ने चेयरमैन से कहा कि कॉर्पोरेट निकाय में बदले जाने का निर्णय कर्मियों और डीवीसी के हित में नहीं है. निर्णय वापस लिया जाना चाहिए. निर्णय वापस नहीं लिए जाने पर यूनियन आंदोलन करेगी.
प्रतिनिधिमंडल की बातों को सुनकर चेयरमैन ने कॉर्पोरेट निकाय में बदले जाने को लेकर एसेसमेंट की बात की. कहा कि जरूरत पड़ने पर सभी कर्मचारी संगठनों से चर्चा की जाएगी.

गोल टैलेंट सर्च परीक्षा की घोषणा

धनबाद। विगत 16 वर्षों से गोल संस्थान द्वारा आयोजित होते आ रही गोल टैलेंट सर्च एग्जाम की घोषणा की गयी. इसके लिए फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर निर्धारित की गई है. इस परीक्षा को आयोजित करने का मकसद शहरी क्षेत्र के साथ ही सुदूर ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभावान छात्रों को खोज कर उन्हें कैरियर के शुरुआती दौर में हीं प्रतियोगिता की समझ पैदा करना है. उनके लक्ष्य के अनुसार दिशा-निर्देशित कर सफलता के मुकाम तक पहुंचाना, उनके सपने को साकार करने में हर संभव सहयोग करना, लक्ष्य निर्धारण में सहयोग के साथ ही छात्रों के दृष्टि को सही दृष्टिकोण देना है. विदित हो कि उक्त परीक्षा के माध्यम से अब तक लगभग 4 लाख छात्र लाभान्वित हुए हैं.

एनएसयूआई प्रतिनिधिमंडल ने पीजी सेमेस्टर-2 की परीक्षा तिथि बढ़ाने की मांग की

धनबाद। एनएसयूआई प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को बीबीएमकेयू की डीएसडब्ल्यू डॉ. पुष्पा कुमारी से मुलाकात कर पीजी सेमेस्टर-2 की परीक्षा तिथि बढ़ाने की मांग की. इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उनके समक्ष छात्र-छात्राओं के अन्य समस्याओं को भी रखा.प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे एनएसयूआई के विश्वविद्यालय महासचिव मोहित कुमार ने कहा कि पीजी सेमेस्टर-2 की परीक्षा तिथि 10 अगस्त है, जबकि पीजी सेमेस्टर-2 में पढ़ रहे छात्र-छात्राओं का दूसरा जेनेरिक पेपर की परीक्षा भी अगस्त महीने में होने की संभावना है, जबकि पीजी सेमेस्टर-2 के छात्र-छात्राओं का अभी तक सिलेबस पूरा नहीं हुआ है. इस वजह से छात्र-छात्रा परीक्षा देने को लेकर असमंजस की स्थिति में हैं. छात्र-छात्राओं की परेशानी की देखते हुए परीक्षा तिथि आगे बढ़ाया जाए.साथ ही उन्होंने कहा कि गणित ऑनर्स सेमेस्टर-3 के करीब 20 छात्र-छात्राओं को फंक्शनल एनालिसिस पेपर के इंटरनल परीक्षा में फेल कर दिया गया है. ऐसे में छात्र-छात्राओं का एक साल बर्बाद होगा. ऐसे छात्र-छात्राओं के लिए विशेष परीक्षा आयोजित किया जाए. एनएसयूआई जिलाध्यक्ष गोपाल कृष्णा चौधरी ने कहा कि जब तक सिलेबस पूरा नहीं हो जाता तब तक परीक्षा आयोजित करना छात्र-छात्राओं के साथ अन्याय होगा.

डीजीएमएस के डायरेक्टर ने किया सुशी आउटसोर्सिंग का निरीक्षण

खास बातें

- सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखकर काम करने का सख्त निर्देश

संवाददाता । झरिया

डीजीएमएस के डायरेक्टर एमके साहू मंगलवार को जयरामपुर कोलियरी के सुशी आउटसोर्सिंग परियोजना के कैंप पहुंचे. उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया. उपस्थित अधिकारियों को कई दिशा निर्देश दिए. यहां कैसे घटी इसकी पूर्ण जानकारी लोदना क्षेत्र के महाप्रबंधक सहित अन्य अधिकारियों से ली. उन्होंने सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखकर काम करने का सख्त निर्देश आउटसोर्सिंग प्रबंधन के अधिकारियों एवं लोदना क्षेत्र के अधिकारियों को दिया1 इसके उपरांत लोदना क्षेत्रीय कार्यालय भी डीजीएमएस के अधिकारी गए1 अधिकारियों के साथ बैठक कर कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए ताकि भविष्य में किसी प्रकार की कोई घटना न हो. डीजीएमएस के अधिकारी ने केवल यह बताया कि स्पॉट वेरिफिकेशन के लिए आए थे. इधर परियोजना का काम चालू हो गया है. काम चालू होने से बीसीसीएल प्रबंधन और आउटसोर्सिंग प्रबंधन ने राहत की सांस ली है. बताते हैं कि 26 जुलाई 2024 को जयरामपुर के सुशी आउटसोर्सिंग परियोजना कैंप के गेट के समीप जेल गोरा के रहने वाले 29 वर्षीय युवक होल पैक की चपेट में आने से मौत हो गई थी. घटना के बाद भीड़ काफी उग्र हो गई थी.आउटसोर्सिंग के कई वाहनों को जला दिया गया था. कैंप परिसर में रखें भारी वाहनों के नए-नए टायर, मशीनों के पाट्र्स, लैपटॉप, ए सी, शाहित कीमती पाट्र्स लूट ले गए थे.

कोयला ट्रांसपोर्टिंग में नियमों की अनदेखी

खास बातें

- ओवरलोडिंग के लिए ट्रांसपोर्टर और वाहन मालिक दोनों जिम्मेदार

संवाददाता । धनबाद

बीसीसीएल के अधीन चल रहे ट्रांसपोर्टिंग कंपनी में ओवरलोडिंग की समस्या लगातार बनी हुई है. जिसमें अब परिवहन विभाग भी एक बार फिर लगाम लगाने की तैयारी में है.कोयला ट्रांसपोर्टिंग कार्य पूरे जिले में हजारों हाईवा से किया जाता है. जिसमें बीसीसीएल के लगभग हर एरिया से हाईवा से ओवरलोड ट्रांसपोर्टिंग की शिकायत मिलती रहती है. वैसे कोयलांचल में न तो कोयला ढुलाई में लगे हाईवा मालिक न ट्रांसपोर्टर को परिवहन विभाग की नियमों से मतलब है.तभी तो कोयला ओवरलोड के साथ वाहनों को शराब के नशे में सड़कों पर चलाना आम बात हो गई है.

हर क्षेत्र में चलेगा जांच अभियान बढ़ेगा : दिवाकर सी द्विवेदी

धनबाद डीटीओ दिवाकर सी द्विवेदी ने बताया कि जिले के हर क्षेत्र में जांच का दायरा बढ़ेगा.उन्होंने बताया की जहां-जहां से ओवरलोड की शिकायत आएगी, कार्यवाही होना तय है.इसके साथ डीटीओ दिवाकर द्विवेदी ने कहा कि बीसीसीएल के अधीन ट्रांसपोर्टिंग कंपनी प्रबंधन के जिम्मे है. इसलिए कोयला ट्रांसपोर्टिंग में लापरवाही का जिम्मा उनका है. धनबाद के सड़कों पर कोयला लोड हाईवा 24 घंटे दौड़ती है लेकिन सबसे ज्यादा नियमों की लापरवाही क्षेत्रीय स्तर पर देखने को मिलती है.

चूल्हा चौकी, नावाडीह (असर्फी अस्पताल के समीप, धनबाद

हाइवा एसोसिएशन का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

रेल से एमपीएल कोयला ले जाना बंद करने की मांग

संवाददाता । निरसा

रेल से एमपीएल में कोयला ढुलाई बंद करने की मांग को लेकर निरसा हाइवा एसोसिएशन खुशरी मोड़ के समीप रेलवे ओवरब्रिज के सामने अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत मंगलवार से टेंट लगाकर अनिश्चितकालीन धरना पर बैठ गए. धरना का नेतृत्व कर रहे एसोसिएशन के अध्यक्ष उज्जवल तिवारी ने कहा कि एमपीएल में रेल से कोयला पहुंचाने की शुरुआत होने के बाद हमलोगों ने कई बार आंदोलन किए. आंदोलन के बाद हुई बैठक में सहमति बनी कि कुल पचास प्रतिशत कोयला रेल से और पचास प्रतिशत हाइवा से पहुंचाया जाएगा. धीरे-धीरे साजिश के तहत हाइवा से कोयले का पहुंचाना कम किया जा रहा है, जिससे हाइवा मालिकों की आमदनी बंद हो गई है. आमदनी नहीं होने से रोजी-रोटी की समस्या उत्पन्न हो गई है. हाइवा परिचालन से जुड़े सैकड़ों लोग बेरोजगार होने की स्थिति में आ गए हैं. एसोसिएशन की मांग है एमपीएल में रेल से कोयला पहुंचाना बंद किया जाए. हाइवा मालिक संजय सिंह ने कहा कि एमपीएल में हाइवा से कोयला ले जाने पर सहमति नहीं बनी तो उग्र आंदोलन किया जाएगा. हालांकि इस दौरान एमपीएल प्रबंधन ने हाइवा एसोसिएशन के साथ वार्ता की पेशकश की. एसोसिएशन के कई पदाधिकारी एमपीएल प्रबंधन से वार्ता करने गए. फिलहाल रेलवे ट्रैक बाधित है. धरना देने वालों में श्रीकांत पांडे, महेश्वरी यादव, अभिजीत चक्रवती, फिरोज खान, प्रशांत पांडेय, धीरज मिश्रा समेत एसोसिएशन के अन्य सदस्य शामिल हैं.

जदयू ने हल्ला बोल-पोल खोल कार्यक्रम के तहत प्रखंड कार्यालय के समक्ष किया प्रदर्शन

संवाददाता । टुंडी

जदयू एवं यूथ फोर्स ने हल्ला बोल, पोल खोल₹ कार्यक्रम के तहत भ्रष्टाचार और सरकारी योजनाओं में हो रही लूट- खसोट के खिलाफ मंगलवार को प्रखंड कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया. धरना-प्रदर्शन का नेतृत्व जदयू प्रदेश महासचिव सह यूथ फोर्स के प्रधान संयोजक दीप नारायण सिंह और जदयू धनबाद जिलाध्यक्ष पिंटू कुमार सिंह ने किया. धरना-प्रदर्शन से पूर्व कार्यकर्ता कोल्हर मोड़ से जुलूस की शक्ल में नारेबाजी करते हुए टुंडी प्रखंड कार्यालय के लिए निकले. कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए दीप नारायण सिंह ने कहा कि टुंडी धनबाद जिले का पिछड़ा प्रखंड है. यहां के गरीबों, मजदूरों, किसानों और छात्र नौजवानों को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है. प्रखंड और अंचल कार्यालय में भ्रष्टाचार का बोलबाला है. बिना रिश्वत लिए सरकारी अधिकारी और कर्मी काम नहीं करते. अबुआ आवास, दाखिल- खारिज, पेंशन, आय, आवासीय, जाति प्रमाण पत्र बनाने में रिश्वत की मांग की जाती है. जनता परेशान और स्थानीय विधायक मौन हैं. जदयू जिलाध्यक्ष पिंटू कुमार सिंह ने कहा कि अधिकारी और कर्मचारी अपनी कार्यशैली में सुधार करें. प्रखंड कार्यालय से भ्रष्टाचार का खात्मा हो. जदयू कार्यकर्ता गरीबों के अधिकार छिनने वाले भ्रष्ट अधिकारी को बर्दाश्त नहीं करेंगे.

मुसीबत

टेलीकॉम कंपनियों के झूलते तार की चपेट में आ सकते हैं राहगीर

टेलीकॉम कंपनी की लापरवाही बढ़ा रही परेशानी

खास बातें

- बिजली विभाग के पोल में ही जोड़ देते हैं अन्य केबल

रणजीत कुमार सिंह । धनबाद

एक तो बिजली विभाग के तारों का अपना ही मकड़जाल है और अब इस मकड़जाल को टेलीकॉम कंपनियां और भी बढ़ा रही हैं. तार और अन्य केबल के मकड़जाल से राहगीर और दुकानदार काफी परेशान हैं. टेलीकॉम कंपनियों के इस झूलते तार की चपेट में कई बार राहगीर और दुकानदार आ चुके हैं. किस्मत अच्छी थी कि उनके साथ कोई बड़ी घटना नहीं घटी.दुकानदार और स्थानीय लोगों ने इसकी शिकायत बिजली विभाग के अधिकारियों से भी की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई1 आज भी हालात जस के तस हैं.

धनबाद बरटांड़ स्थित श्रंगार स्टोर के संचालक काजल मंडल ने कहा कि बिजली विभाग के खंभों पर किसी अन्य विभाग का केबल नहीं होना चाहिए. इससे कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है. खंभों में तारों का मकड़जाल ऐसा है कि अगर इसमें से कोई तार टूट कर नीचे गिर जाए तो लोगों को यह समझ पाना काफी मुश्किल होगा कि तार बिजली का है या टेलीकॉम विभाग का. इसलिए विभाग को इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है.मंडल ने कहा अगर विभाग किसी टेलीकॉम कंपनियों को इसका परमिशन देता है तो उसे सिस्टम के अनुसार कार्य करना चाहिए. इस तरह शहर के विभिन्न खंभों पर झूलते हुए तार नहीं छोड़ना चाहिए. इससे हमेशा खतरा बना रहता है. कोई भी इसकी चपेट में आ सकता है. खास कर बारिश के सीजन में ये तार और केबल खतरनाक हो जाते हैं.

जामाडोबा के रहने वाले समाजसेवी सतपाल सिंह (बिट्टू) ने कहा कि टेलीकॉम के तार से बिजली के खंभों की हालात भी काफी जर्जर हो चुकी है. कहीं-कहीं तो खंभे गिरने की हालात में है. बिजली विभाग के अधिकारियों को सूचना देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई. ऐसे में अगर बिजली का खंभा गिरता है तो इसकी जवाबदेही विभाग की होगी. क्योंकि टेलीकॉम विभाग के लोग कहते हैं कि वह बिजली विभाग के अधिकारियों के परमिशन मिलने पर ही कार्य कर रहे हैं.

आजसू पार्टी ने डीआरएम को सौंपा ज्ञापन

कतरास। आजसू पार्टी ने निचितपुर स्टेशन की विभिन्न समस्याओं को लेकर धनबाद रेल मंडल के डीआरएम को मंगलवार को ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन सौंपने वालों में पार्टी के केंद्रीय सचिव अमरदीप महतो, जिला उपाध्यक्ष सतीश महतो, संगठन सचिव अरुण महतो समेत अन्य शामिल थे. केंद्रीय सचिव अमरदीप महतो ने कहा कि निचितपुर स्टेशन से लाखों यात्री प्रतिदिन सफर करते हैं, लेकिन स्टेशन में बुनियादी सुविधाओं की कमी है, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. गिरीडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी को भी ज्ञापन दिया जा चुका है. समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं होने पर निचितपुर स्टेशन के समक्ष पार्टी कार्यकर्ता धरना-प्रदर्शन देंगे. मौके पर अमरदीप महतो, सतीश महतो, सुनीता देवी, चंपा देवी समेत पार्टी के दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे.

▼ ब्रीफ खबरें

छिनतई करने वाले दो अपराधी गिरफ्तार

गिरिडीह। खंडोली मोड़ के समीप 22 जुलाई की शाम 06.30 बजे एक महिला की पर्स छिनतई करने वाले दो अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अपराधियों में सुधाकर कुमार (19 वर्ष) पिता प्रभु महतो एवं दाउद अंसारी (23 वर्ष) पिता ऐनुल अंसारी को गिरफ्तार किया है. दबोचे गये दोनों अपराधी बेंगाबाद थाना क्षेत्र के बिझैया गांव के निवासी है. पुलिस ने उनके पास से महिला से छिनतई की गई सामानों को भी बरामद किया है. जिसमें मोबाईल, काला रंग का लेडिज पर्स, दो हजार दो सौ रुपया मात्र एवं लूट कांड में प्रयुक्त काला रंग का पल्सर मोटरसाईकिल जेएच11एक्यू-8095 बरामद किया है.

डीसी ने किया नए भवन का निरीक्षण

साहिबगंज। उपायुक्त हेमंत सती ने जिला समाज कल्याण विभाग, जिला बाल संरक्षण ईकाइ, चाइल्ड हेल्पलाइन कार्यालय को स्थानांतरण किये जा रहे नए भवन का निरीक्षण किया. जिला समाज कल्याण विभाग, जिला बाल संरक्षण ईकाइ, चाइल्ड हेल्पलाइन कार्यालय को पुराने जवाहरलाल नवोदय विद्यालय भवन को नवीनीकरण कर स्थानांतरण 15 अगस्त से पूर्व किया जाएगा. उपायुक्त ने निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये एवं विभाग के परिसर को सफाई व सौंदर्यीकरण करने को कहा गया. इस मौके पर समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ सुमन गुप्ता एवं अन्य उपस्थित थे.

अवैध बालू लदे 9 ट्रैक्टर जब्त

डुमरी (गिरिडीह)। डुमरी अनुमंडल क्षेत्र में अवैध बालू के उत्खनन एवं परिवहन से संबंधित प्राप्त सूचना के आलोक में अवैध बालू उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाने के उद्देश्य से 29 जुलाई की रात्रि केबी रोड एवं गिरिडीह-डुमरी पथ से अवैध बालू का परिवहन कर रहे 9 ट्रैक्टरों को जब्त कर अनुमंडल कार्यालय परिसर ले आया गया. एसडीएम डुमरी शहजाद परवेज़ के नेतृत्व में चलाये गए छापेमारी अभियान में सीओ शशिभूषण वर्मा व राजस्व कर्मी शामिल थे. एक साथ इतनी संख्या में अवैध बालू लदे ट्रैक्टरों के पकड़े जाने के बाद अवैध बालू को कारोबार करने वालों में हड़कंप मचा है.

ओवरब्रिज के नीचे मिला युवक का शव

गिरिडीह। गिरिडीह-देवघर मुख्य पथ पर सिहोडीह रेलवे ओवरब्रिज के नीचे मंगलवार की सुबह एक युवक का शव बरामद किया गया. मुफ्फसिल थाना की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया. युवक की पहचान नहीं हो पाई है. बताया गया कि मंगलवार की सुबह सिहोडीह के कुछ लोग मॉर्निंग वॉक करने रेलवे पुल की ओर गए थे. इसी दौरान उनकी नजर पुल के नीचे रेल पटरी के बगल में पड़ा शव पर पड़ी. शोर मचाने पर वहां लोगों की भीड़ जुट गई. घटना की सूचना पुलिस को दी गई. पुलिस मामले की जांच और शव की शिनाख्त करने में जुटी है.

डीसी से जांच कर कार्रवाई करने की मांग

गावां (गिरिडीह)। गावां प्रखंड अंतर्गत गदर पंचायत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय गदर हरिजन टोला में सरस्वती वाहिनी के खाते से अध्यक्ष द्वारा तीन लाख इक्यावन हजार रुपये निकासी करने को लेकर गिरिडीह उपायुक्त को कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रदेश सचिव मरगूब आलम ने आवेदन देकर करवाई की मांग की है. उन्होंने कहा कि एक माह पूर्व उमवि हरिजन टोला के अध्यक्ष करमनी यादव द्वारा सरस्वती वाहिनी के खाते से तीन लाख इक्यावन हजार रुपये निकासी कर लिया गया. बीईईओ तितुलाल मंडल व बीस सूत्री कार्यान्वयन द्वारा विद्यालय में जांच किया गया था. जिसमें करमनी यादव द्वारा ऑनलाइन फ़ोन पे के माध्यम से निकासी करने का मामला सामने आया था. जिसके बाद भी अभी तक बीईईओ तितुलाल मंडल द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किया गया. मरगूब आलम ने गिरिडीह उपायुक्त को आवेदन देकर टीम गठित कर जांच करने का मांग किया, साथ ही दोषी व्यक्ति पर कानूनी कार्रवाई करने का मांग किया है.

पुलिस ने गम्हरियाटांड़ के माईका गोदाम को किया सील

पुलिस को गोदाम में माईका जमा कर बाहर भेजने की मिली थी सूचना

खास बात

- ट्रक, बाईक समेत कई उपकरण जब्त

संवाददाता। गावां (गिरिडीह)

पुलिस ने अवैध माइका कारोबार के विरुद्ध एक बार फिर कार्रवाई करते हुए सीधे माइका गोदाम में छापेमारी कर उसे सील कर दिया. छापेमारी तिसरी थाना क्षेत्र के गम्हरियाटांड-इंदरचौक स्थित अवैध माइका गोदाम में की गई है. उक्त गोदाम विजय बर्णवाल नामक व्यक्ति का बताया जा रहा है.

मिली जानकारी के अनुसार गिरिडीह पुलिस को तिसरी के इंदरचौक स्थित एक माइका गोदाम में अवैध रूप से माइका स्टोर कर ट्रक से बाहर भेजे जाने की गुप्त सूचना मिली थी. सूचना के सत्यापन के पश्चात खोरीमहुआ एसडीपीओ नीरज कुमार सिंह सोमवार की देर रात अचानक तिसरी आ धमके. हालांकि उनके आने की खबर माइका तस्करों को लग गई और वे लोग वाहन वगैरह को अंदर ही छोड़कर गोदाम में ताला लगाकर भाग निकले. इसके बाद एसडीपीओ और तिसरी थाना प्रभारी संजय नायक ने उक्त गोदाम के मुख्य गेट में ताला जड़ दिया, साथ ही पुलिस की पहरेदारी लगा दी.

मंगलवार की सुबह तिसरी के अंचलाधिकारी अखिलेश्वर प्रसाद, थाना प्रभारी संजय नायक और वन विभाग के मुकेश दास दल बल के साथ उक्त गोदाम पहुंचे, जहां तस्करों द्वारा गोदाम के मुख्य गेट में जड़ा ताला तोड़ा गया. जिसके बाद गोदाम में छापेमारी की गई. छापेमारी में पुलिस ने भारी मात्रा में भंडारण किया गया अवैध माइका, ट्रक, मोटर साइकिल समेत कई उपकरण जब्त किया है. पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है.

7 सूत्री मांगों को लेकर संगठित, असंगठित मजदूर संघर्ष मोर्चा का आह्वान

कोनार खासमहल परियोजना में नाकेबंदी, ट्रांसपोर्टिंग ठप

संवाददाता। कथारा

सीसीएल बीएंडके प्रक्षेत्र के एकीकृत कोनार खासमहल परियोजना के मुख्य द्वार पर पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत 7 सूत्री मांगों को लेकर मंगलवार को नाकेबंदी कर ट्रांसपोर्टिंग ठप कर दिया गया. नाकेबंदी संगठित एवं असंगठित मजदूर संघर्ष मोर्चा के द्वारा किया गया.

आंदोलन का नेतृत्व कर रहे सुबोध सिंह पंवार, बीरेंदर सिंह, टीनू सिंह, अफताबा आलम, बेलाल हाशिमी, शाहनवाज, मोती महतो, सीताराम महतो, बोधराम महतो, कलंदर अंसारी, इस्लाम अंसारी ने संयुक्त रूप से कहा कि कोनार खासमहल परियोजना प्रबंधक को ज्ञापन सौंपा गया था.

ज्ञापन के माध्यम से बताया गया था कि ए.के.के.ओ.सी.पी परियोजना पूरी तरह प्रबंधकीय व्यवस्था की विफलताओं के कारण अराजक तत्वों के गिरफ्त में है.

जिसका बुरा नतीजा यह है कि परियोजना के खदानों से कोयला की चोरी, भारी मशीनों से डीजल की चोरी, लोडिंग प्वाईंट पर कब्जा कर लोडिंग में अवैध वसूली, जिससे कंपनी को भारी नुकसान पहुंचाया जा रहा है.

प्रबंधक के स्थानीय अधिकारियों को मामले की जानकारी देने के बावजूद भी व्यवस्था सुधार में किसी तरह की कारवाई नहीं किया गया. व्यवस्था सुधार में कारवाई होता न देख विवशतापूर्ण अपनी मांगों को लेकर आंदोलन का रास्ता अपनाते हुए नाकेबंदी की गई.

दूसरे दिन भी ढाई हजार लीटर अवैध स्पिरिट बरामद

गोड्डा। जिले का पथरगामा प्रखंड में जिस प्रकार से अवैध शराब का निर्माण करने के काम आनेवाली कच्ची सामग्री प्राप्त हो रही है, उससे प्रतीत होता है कि शराब माफियाओं ने इसे पूरे क्षेत्र को एक बड़ा हब के रूप में बनाने की मुहिम छेड़ रखी है. पिछले दस दिनों में हजारों लीटर निर्मित अवैध शराब के अलावा शराब निर्माण में प्रयुक्त होने वाली स्पिरिट की मात्रा बरामद की गई है. बीते सोमवार की रात्रि प्रखंड अंतर्गत ग्राम लकड़जोरी में पुलिस ने छापेमारी कर पचास लीटर की क्षमता वाले 46 जरकिन स्पिरिट बरामद किया गया है. करीब 2300 लीटर स्पिरिट को गांव के ही कैलाश यादव के घर से बरामद किया गया. अवैध शराब निर्माण करने का धंधा कुटीर उद्योग का रूप लेता जा रहा है. थाना प्रभारी अभिनव आनंद ने कहा कि पूरे थाना क्षेत्र से अवैध शराब के करोबार को चलने नहीं दिया जाएगा, इसे समाप्त करना ही पुलिस का मकसद है. पुलिस द्वारा लगातार इस अभियान में छापेमारी की जा रही है. कहीं से कोई सूचना मिलती है तो उसका सत्यापन करने के बाद कार्रवाई की जानी तय है. बीते रात्रि भी पुलिस निरीक्षक विष्णुदेव चौधरी के साथ थाना प्रभारी की टीम ने पूरे गांव में जांच अभियान चलाया.

मवेशियों से लदा ट्रक पलटने से दस की मौत

संवाददाता। देवघर

जिले के देवीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बलथरवा गांव के समीप सुबह को मवेशियों से लदा ट्रक के पलटने से दस मवेशियों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई. वहीं ट्रक पलटने के बाद चालक व खलासी मौके से फरार हो गया. तस्कर ट्रक में मवेशी को लोड कर तस्करी के लिये ले जा रहे थे. वहीं यह घटना बलथरवा घुमावदार मोड़ के पास घटी. दुर्घटना की सूचना स्थानीय लोगों व राहगीरों ने देवीपुर थाना को दी. सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अशोक कुमार दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे. वहीं इसकी सूचना प्रखंड पशु चिकित्सक को दी. जहां पशु चिकित्सक विजय कुमार ने सभी मृत पशुओं का पोस्टमार्टम किया. पोस्टमार्टम के बाद सभी मृत मवेशियों को जेसीबी की मदद से दफना दिया गया. जानकारी हो कि प्रखंड क्षेत्र के रास्ते पुलिस की आंखों में धूल झोंककर पशुओं की तस्करी की जाती है. तस्कर बगैर जरूरी कागजात के पशु की तस्करी कर अलग -अलग जगह ले जाते हैं. हालांकि आये दिन गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस द्वारा चेकिंग चलाकर पशु तस्कर के खिलाफ कारवाई भी की है. पुलिस ट्रक के मालिक, चालक एवं वाहन पर मामला दर्ज करने की तैयारी कर रही है. साथ ही पुलिस ट्रक को जब्त कर थाना ले आयी. वहीं इस मामले को लेकर पुलिस छानबीन में जुटी हुई है.

बैडमिंटन टूर्नामेंट में संत जेवियर की छात्राओं ने लहराया परचम

संवाददाता। बोकारो

डॉन बॉस्को पब्लिक स्कूल, दीघा पटना द्वारा सीआईएससीई क्षेत्रीय बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन 27 और 28 जुलाई को पटना में किया गया. इसका शुभारंभ डॉन बॉस्को पब्लिक स्कूल की जूलियन गोम्स द्वारा किया गया. इस टूर्नामेंट में कुल 6 क्षेत्र ने भाग लिया.

जिसमें रांची, जमशेदपुर, धनबाद, बोकारो, पटना, भागलपुर, और देवघर की टीम शामिल थी. इस बैडमिंटन मीट में अंदर 14, 17 एवं 19 के विद्यार्थियों ने भाग लिया. इस टूर्नामेंट में संत जेवियर बोकारो के विद्यार्थियों ने भी धनबाद और बोकारो क्षेत्र को प्रतिनिधित्व किया.

जिसमें अंडर-14 कैटेगरी सिंगल्स में अनीशा पत्र ने तीसरा स्थान प्राप्त किया. अंडर-14 डबल्स में अनीशा पत्र और कृतिका कुमारी विजेता रहीं. अंडर-19 कैटेगरी में देवदृता बगची विजेता रही और अंदर-19 डबल्स में देवदृता बगची और अमृत कौर ने विजेता का स्थान प्राप्त किया. अंडर 14 कैटेगरी में ओवरऑल उप विजेता का खिताब संत जेवियर स्कूल के विद्यार्थियों ने अपने नाम किया और अंडर-19 कैटेगरी में ओवरऑल चैंपियन धनबाद और बोकारो जोन रहा.

सेंट जेवियर विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर अरुण मिंज ने विजेता टीम को बधाई देते हुए उनका मनोबल बढ़ाया और उनका यह कहना है कि खेलकूद में किसी के जितने या हारने से ज्यादा उस खेल में आपका हिस्सा लेना महत्व रखता है.

विडंबना जर्जर झोपड़ी, मौत के साए में जीवन बसर कर रहा गरीब परिवार

बरसात में कभी-कभी खाना भी नहीं बना पाते : बबली

- जिम्मेदार अधिकारियों से कई बार लगा चुकी हैं फरियाद

संवाददाता। मोहनपुर

झारखंड में आजकल पीएम आवास से ज्यादा चर्चा अबुआ आवास योजना की चर्चा हो रही है. ऐसा हो भी क्यों न क्योंकि झारखंड सरकार गरीब तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के ऐसे लोग जिनके पास अपना स्वयं का पक्का घर नहीं है या फिर वह बेघर हैं, उनके लिए झारखंड अबुआ आवास योजना के तहत तीन कमरे वाला पक्का आवास उपलब्ध कराया जाएगा. ग्रामीण से बातचीत में यह भी मालूम हुआ कि अबुआ आवास के चर्चा की एक बड़ी वजह यह भी है कि पीएम आवास से वंचित ग्रामीणों की उम्मीद राज्य सरकार की इस योजना से लगी है.

मोहनपुर प्रखंड के बीचगढ़ा पंचायत के महदेवा गांव में दौरा किया तो हमारी नजर एक जर्जर झोंपड़ी पर नजर पड़ी, इसको लेकर हमने आवास योजना पर बात की. जर्जर झोपड़ी से बाहर निकाल कर बबली देवी बताती है कि घर की स्थिति दयनीय है. अब लकड़ी और पॉलिथीन के सहारे बनी झोपड़ी में ही रहती हूं. आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में अबुआ आवास का फॉर्म जमा कर दिए हैं. गांव के लोग कहते हैं कि अबुआ आवास योजना की सूची में नाम है. अबुआ आवास योजना के तहत झोपड़ी को पक्का घर बनते देखना चाहती हूं. बबली देवी की तरह पंचायत में ऐसे कई गरीबों और जरूरतमंदों की निगाहें राज्य सरकार की अबुआ आवास योजना पर उम्मीद है.

बारिश के दिनों में उसके झोपड़ी के ऊपरी छत क्षतिग्रस्त होने और टूट जाने से घर के भीतर पानी तालाब की तरह भर जाता है और गरीब परिवार झोपड़ी के भीतर कीचड़ और पानी के बीच रहकर जीवन यापन करने में मजबूर हो रहे हैं. इस संबंध में बीचगढा पंचायत सचिव से संपर्क करने की कोशिश की, उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया.

देवघर जल चढ़ाने गया कांवरिया लापता

कसमार (बोकारो)। कसमार अंचल अंतर्गत मधुकरपुर निवासी 70 वर्षीय केसर महतो देवघर स्थित बैद्यनाथधाम कांवर लेकर जल चढ़ाने गए थे. जहां से अचानक वे लापता हो गए. केसर महतो के पुत्र रोहित रेड्डी एवं धनेश्वर महतो ने यह जानकारी देते हुए कहा कि उनके पिताजी केसर महतो व उनकी माता रविवार को बोकारो थर्मल स्थित नारायणपुर निवासी अपने समधी घर के अन्य कांवरियों के साथ देवघर बाबा भोलेनाथ को जलाभिषेक के लिए गए थे. सोमवार को उन्होंने सुल्तानगंज से गंगा जल उठाकर कांवर ले चलना प्रारंभ किया. लगभग 25 किलोमीटर का सफर तय करने के बाद तारापुर नामक स्थान से केसर महतो लापता हो गए. केसर महतो की पत्नी उपासी देवी ने फोन पर अपने पुत्रों को सूचना देते हुए बताया कि दोपहर को सभी तारापुर में विश्राम कर रहे थे, तभी केसर महतो सामने के गुमटी में कुछ खरीदने गए, फिर वापस नहीं लौटे. सभी ने खोजना प्रारंभ किया तथा सहायता केंद्रों पर उनके गुमशुदगी की बात बताकर उनकी तलाशी के लिए उनका फोटो भी दिया है. लगातार खोजबीन के बाद भी अबतक उनकी कोई खबर नहीं मिली . सूचना के बाद उनके घरवाले परेशान हैं.

वन विभाग ने छापामारी कर वन्यजीव ट्रॉफी किया बरामद, 6 पर प्राथमिकी दर्ज

बोकारो। वन प्रमण्डल में वाइल्ड लाइफ क्राइम की गुप्त सूचना पर चास तथा पेटरवार क्षेत्र में 5 जगहों पर छापेमारी की. छापेमारी में अवैध रूप से बिक्री हो रही विभिन्न प्रकार के वन्यजीव ट्रॉफी बरामद किया गया. गुप्त सूचना के आधार पर बोकारो वन प्रमण्डल के प्रशिक्षु अधिकारी, संदीप कारभरी शिंदे, भावसे ने अपनी चास टीम को छापेमारी के लिए सूचना दी. चास तथा पेटरवार से करीब 120 हथाजोड़ी (गोह प्राणी का लिंग), हाथी तथा सियार की हड्डियाँ, कस्तुरी, विभिन्न प्राणी की चमड़ी तथा पोर्कुपिन के काँटे जप्त की गई. उक्त छापेमारी में ज्यादात्तर पूजा भंडार शामिल है, जिनके पास से यह सामग्री पाई गई. जो कि काला जादू के लिए उपयोग में आती है. बोकारो वन प्रमण्डल द्वारा इसकी जाँच कर 6 अभियुक्तों पर वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत जिला न्यायालय, बोकारो में मुकदमा दायर किया गया है, जिसमें 3 से 7 साल तक का सजा का प्रावधान है. उक्त वन्यजीव अपराध में लिप्त गिरोह का पर्दाफाश करने में रूद्र प्रताप सिंह, प्रभारी वनपाल, रतन राय, वनरक्षी एवं भगवान दास हेम्ब्रम, वनरक्षी की मुख्य भूमिका रही.

झामुमो ने गृहमंत्री का किया पुतला दहन

गिरिडीह। झामुमो ज़िला समिति ने निशिकांत दुबे के वक्तव्य की कड़ी निंदा की है, जिसमें भाजपा सांसद झारखंड को बांटने की साज़िश कर रहे हैं. भाजपा सांसद दुबे के बयान के विरोध में मंगलवार को गिरिडीह शहरी क्षेत्र के अंटा बंगला से टावर चौक तक विशाल विरोध जुलूस निकाला गया और केंद्रीय मंत्री अमित शाह का पुतला दहन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता ज़िला अध्यक्ष संजय सिंह ने की. टावर चौक पर जुलूस को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि जब झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को अपदस्थ करने का प्रयास विफल हुआ तो निशिकांत दुबे अपना मानसिक संतुलन खो दिये और झारखंड को तोड़ने की बात कहने लगे. निशिकांत दुबे को शायद ज्ञान का अभाव है, उन्हें मालूम होना चाहिए कि झारखंड राज्य किसी भी अंतर्राष्ट्रीय बॉर्डर से नहीं सटता है और अगर फिर भी देश में घुसपैठ हो रहे है और उसका प्रमाण है तो नैतिकता के आधार पर उन्हें गृहमंत्री अमित शाह से इस्तीफ़ा मांगना चाहिए.

झामुमो ने डीसी कार्यालय पर किया प्रदर्शन

बोकारो। झारखंड मुक्ति मोर्चा बोकारो जिला समिति की ओर से जिला अध्यक्ष हीरालाल मांझी, जिला सचिव जय नारायण महतो व नगर अध्यक्ष मंटु यादव के नेतृत्व में उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन किया गया. यह प्रदर्शन भाजपा के सांसद द्वारा बिहार, बंगाल एवं झारखंड राज्य के कुछ जिले को मिलाकर केंद्र शासित प्रदेश बनाने का बयान व झारखंड विरोधी बयान के खिलाफ की गई. जेएमएम ने राष्ट्रपति को उपायुक्त बोकारो के माध्यम से स्मार पत्र दिया गया तथा झारखंड मुक्ति मोर्चा द्वारा मांग किया गया कि झारखंड के संथाल परगना क्षेत्र में बांग्लादेशी घुसपैठ के नाम पर भाजपा राजनीतिक हेमंत सरकार को बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं. अगर बांग्लादेशी घुसपैठ कर रहा है तो केंद्र सरकार जिम्मेवार है क्योंकि केंद्र में भाजपा की सरकार है, इसलिए जाहिर है कि यह सोची समझी भाजपा की चाल है.

बीडीओ ने किया चार पंचायत सचिवालय का निरीक्षण

जमुआ (गिरिडीह)। जमुआ बीडीओ कमलेन्द्र कुमार सिन्हा ने मंगलवार को रेम्बा, पालमो, पांडेयडीह और करिहारी पंचायत सचिवालय का औचक निरीक्षण किया. इस दौरान रेम्बा और पालमो पंचायत सचिवालय बंद पाये गए. आसपास के ग्रामीणों ने कहा कि पंचायत सचिवालय शायद ही कभी खुलता है. लोगों ने कहा कि इस बार पंचायत चुनाव के बाद अक्सर पंचायत सचिवालय बंद ही रहते हैं, कोई देखने और सुनने वाला नहीं है. बीडीओ ने कहा कि पंचायत के मुखिया को पंचायत सचिवालय को नियमित, प्रभावी और सुसज्जित करना है. कहा कि जो पंचायत सचिवालय बंद पाये गए , उनके मुखिया व सभी कर्मी अनुपस्थित मिले. पंचायत सचिवालय में भी ताला बंद था. बीडीओ ने इसे गंभीरता से लेते हुए पंचायत सेवक, रोजगार सेवक, राजस्व कर्मचारी का एक दिन का वेतन स्थगित करते हुए स्पष्टीकरण मांगा है.

अबुआ आवास चयन के लिए आमसभा आयोजित

धनवार (गिरिडीह)। धनवार प्रखंड क्षेत्र के पंचायत भवन सचिवालय बरजो में अबुआ आवास हेतु वंचित एवं गरीब लोगों को आवास चयनित करने के लिए पंचायत बरजो के मुखिया सुभाष यादव की अध्यक्षता में एक बैठक की गई. जिसमें मुख्य रूप से पंचायत सचिव सुनील कुमार, पंचायत समिति सदस्य लालजीत कुमार पाण्डेय, उप मुखिया सहित वार्ड सदस्य उपस्थित हुए. आमसभा में बरजो पंचायत के दूल्हों, बनगडगी, सियारी, झरहा, कोडाडीह के ग्रामीण उपस्थित हुए. सभी ने अपने-अपने वार्ड में गरीब वंचित व्यक्ति जिनके पास पक्का मकान नहीं हो और जो काफी गरीब हैं, उनकी सूची बनाने को कहा गया. एक टीम बनाई गई है, जो घर-घर जाकर वैसे लोगों को चिन्हित करेंगे, जो अबुआ आवास लेने में सक्षम है. उन्हें अबुआ आवास दिया जाएगा.

पिट्स मॉडर्न स्कूल ने मनाया राष्ट्रीय अभिभावक दिवस

बोकारो। पिट्स मॉडर्न स्कूल गोमिया में सोमवार को प्रार्थना सभा में राष्ट्रीय अभिभावक दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम का उद्देश्य माता-पिता द्वारा अपने निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका का सामना करना और स्कूल और परिवार के बीच बंधन को मजबूत करना है. इस अवसर पर कक्षा पंचम् एवं षष्ट्म के छात्र-छात्राओं द्वारा राष्ट्रीय अभिभावक दिवस पर लघु नाटिका प्रस्तुति की गई. साथ ही, छात्र-छात्राओं के द्वारा नृत्य प्रस्तुत की गई और पंचम 'अ' के छात्र अभिषेक हांसदा द्वारा अंग्रेजी में भाषण दिया गया. राष्ट्रीय अभिभावक दिवस पर विद्यालय के प्राचार्य मनोज कुमार उपाध्याय ने कहा कि मातृ-पितृ देवो भव और बच्चे को शुभकामनाएं भी दिए. नव नियुक्त प्राचार्य बृजमोहन लाल दास ने कहा कि राष्ट्रीय अभिभावक दिवस परिवारों को एक सूत्र में बांधने में तथा संबंधों को और गहरा करने में मदद करता है.

थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों के लिए रक्तदान

बोकारो। बोकारो ओल्ड जैवेरीयनस एसोसिएशन की ओर से थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों के लिए एक ब्लड डोनेशन कैम्प का आयोजन किया गया. ये कैंप संत जेवियर्स स्कूल के चैपल हॉल में पूर्व छात्रों द्वारा संत इगनेशियस और संत जेवियर्स स्कूल के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था. इस ब्लड डोनेशन कैम्प में एसोसिएशन के सचिव साजन कपूर, कोषाध्यक्ष नीतेश मिश्रा, रविन्द्र मांड, रोहित तलवार, सुनील यादव, शंकर अग्रवाल, चंदन झा, कंचन झा और कई अन्य लोगों ने स्वेच्छिक रक्तदान किया.

अबुआ आवास चयन को लेकर ग्रामसभा आयोजित

कसमार (बोकारो)। सरकार द्वारा अबुआ आवास योजना में प्राप्त आवंटन को स्थायी प्रतिक्षा सूची में से योग्य लाभुकों का चयन हेतु मंगलवार को दुर्गापुर पंचायत सचिवालय के सभागार में स्थानीय मुखिया अमरेश कुमार महतो की अध्यक्षता में ग्रामसभा का आयोजन किया गया. बैठक में वर्ष 2024-25 हेतु स्थायी प्रतिक्षा सूची से 66 लाभुकों का चयन किया गया. जिसमें ओबीसी वर्ग को 60, अल्पसंख्यक को 5 एवं समान्य वर्ग को 1 आवास चयन किया गया. मौके पर पर्यवेक्षक प्रभारी कल्याण पदाधिकारी योगेश्वर मांझी, पंचायत सचिव इमरोज अहमद, राजस्व कर्मचारी राहत नेहाल, पंसस अंजू देवी, उपमुखिया पंचानन महतो, वार्ड सदस्य विनीता देवी, पवीता देवी आदि मौजूद थे.

पीरटांड़ में थाना दिवस आयोजित, कई मामलों का हुआ निष्पादन

पीरटांड (गिरिडीह)। पीरटांड़ थाना परिसर में मंगलवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया. जहां थाना प्रभारी गौतम कुमार के द्वारा आमजनों की शिकायतों और समस्याओं का निराकरण किया गया. इस दौरान बताया गया कि आमजन को न्याय दिलाने के लिए सरकार लगातार थाना समाधान दिवस का आयोजन करा रही है. आमजन को तुरंत न्याय दिए जाने के लिए समाधान दिवस का आयोजन हो रहा है. समाधान दिवस में आने वाली शिकायतें समय सीमा के भीतर निस्तारित की जाती है. मौके पर उपस्थित थाना प्रभारी ने कहा कि आमजनों की शिकायतों को देखते हुए प्रत्येक थाना में थाना समाधान दिवस का आयोजन कर आमजनों की शिकायतों का निपटारा किया जा रहा है. इस दौरान कई लोगों की शिकायतों का ऑन द स्पॉट निराकरण किया गया.

पुरुलिया में जर्जर बेलडी पुल पर खतरा, हजारों लोग लगाते हैं जान की बाजी

पुरुलिया के आड़षा ब्लॉक में बेलडी पुल का एक हिस्सा टूट जाने के बावजूद, क्षेत्र के हजारों लोग प्रतिदिन जान जोखिम में डालकर उसी जर्जर पुल से आवागमन कर रहे हैं। पुल की हालत इतनी खराब है कि छोटे और बड़े वाहन भी खतरे से आवागमन कर रहे हैं। पुल के टूटने के बाद पुरुलिया जिला परिषद ने जीर्णोद्धार का वादा किया था, लेकिन वर्षों बाद भी पुल का जीर्णोद्धार नहीं हो सका है। क्षेत्र के लोग प्रतिदिन जान जोखिम में डालकर जर्जर बेलडी पुल से आवागमन करने को विवश हैं। बेलडी क्षेत्र के लोगों को काम, शिक्षा या स्वास्थ्य के लिए पुरुलिया शहर आने या विभिन्न कार्यों के लिए आड़षा ब्लॉक जाने के लिए बेलडी पुल कंसावती नदी को पार करने का सबसे आसान तरीका है। लेकिन पुल की जर्जर हालत ने लोगों की जान को खतरे में डाल दिया है।

आवागमन मुश्किल, यात्रियों को कष्टों का सामना

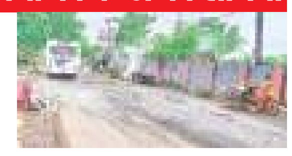

आसनसोल-पुरुलिया मुख्य सड़क पर डिसरगढ़ से नियामतपुर के बीच सड़क की हालत खराब हो गई है। सड़क पर कई जगह छोटे और बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिससे आवागमन मुश्किल हो गया है। यह सड़क काफी व्यस्त है, जिससे कार्यालयों, फैक्ट्रियों, स्कूलों, बाजार आदि जाने वाले यात्रियों, मालवाही वाहनों का आना जाना लगा रहता है। सड़क पर डिसरगढ़ नदी घाट से राधानगर के बीच सुभाष सेतु, स्कूल मोड़, डिसरगढ़, हुसैनिया मोड़, पानक्यारी, शीतलपुर सहित कई स्थानों पर सड़क टूट कर बिखर गई है। इन गड्ढों में वर्षा का जल भर गया है, जिससे आने जाने वालों को कष्टों का सामना करना पड़ रहा है।

सांकतोड़िया में सड़क की खराब हालत, निवासियों ने जताया आक्रोश

सांकतोड़िया के निवासियों ने आसनसोल-पुरुलिया मुख्य सड़क की खराब हालत पर आक्रोश जताया है। पेशे से शिक्षक मो कासिम ने कहा कि सड़कें इतनी जल्दी टूट कर बिखर जा रही हैं, जिससे वाहनों का आवागमन कष्टदायक हो रहा है। उन्होंने कहा कि निर्माण में व्यवहृत पत्थर जैसे प्राकृतिक संसाधनों का नुकसान हो रहा है। पूर्व शिक्षक सहदेव ठाकुर ने कहा कि इस रास्ते से स्थानीय और लंबी दूरी तक के यात्री वाहनों का आना जाना लगा रहता है, लेकिन सड़क की अवस्था जर्जर होने के बावजूद भी अधिकांश वाहन तेजी से गुजरते हैं। शिक्षिका रानी खातून ने कहा कि सड़क की हालत इतनी खराब हो गई है कि दोपहिया पर बैठ कर जाने में डर लगता है। उन्होंने कहा कि सरकार को मजबूत सड़क बनाने पर ध्यान देना चाहिए और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता अच्छी होनी चाहिए।

ब्रीफ खबरें

आदिवासी संगठनों का आंदोलन जारी

रानीगंज । रानीगंज के टीडीबी कॉलेज में संथाली भाषा और आलचीकी लिपि में स्नातक स्तर पर पढ़ाई शुरू करने की मांग को लेकर आदिवासी संगठन दिशम आदिवासी गांवता और फाइट फॉर मदर टंग की तरफ से एक महीने से आंदोलन किया जा रहा है। आंदोलनकारी पूरे जोश और संग्रामी आंदोलन में आंदोलन को जारी रखा है। आंदोलनकारी आदिवासी संग्रामी गीत संगीत से अपने साथियों में जोश बढ़ाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। दिशम आदिवासी गांवता के अध्यक्ष लोबान हसदा ने कहा कि हमारे आंदोलन इसी प्रकार से जारी रहेगी और हम अपना हक लेकर रहेंगे। जिला अध्यक्ष दिलीप सोरेन ने कहा कि हम लोग आज लगभग एक महीने से आंदोलन कर रहे हैं लेकिन जिन लोगों ने हमें हमारे साथ राजनीतिक लाभ उठाया वह भी हम लोगों से दूर भाग रहे हैं। गर्मी बरसात के बावजूद आंदोलनकारी अपने मांगों पर अटल होकर बैठे हैं और मंच पर ही आंदोलनकारी गीत के माध्यम से सभी एकत्रित होकर इस आंदोलन को कर रहे हैं।

कुल्टी विधानसभा में दुर्गा पूजा की तैयारी शुरू

कुल्टी। कुल्टी विधानसभा के वार्ड संख्या 62 आई जी न्यू कॉलोनी सरबोजनीं दुर्गापूजा कमिटी में रविवार की रात दुर्गा पूजा को लेकर बैठक हुई। इसमें दुर्गा पूजा की तैयारी पर चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से कमेटी का गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष बापी घोष, सचिव पलविंदर सिंह, उपसचिव संजय सहनी, कोषाध्यक्ष परदीप शर्मा, सह कोषाध्यक्ष सुकांतो रॉय, बनाए गए। इसके अलावा कार्यकारणी सदस्य में उपेन, माधव, स्वपन दास, भोला, मोन, सोनई, राजपाल सिंह, दिगम्बर, संदीप, राजू को शामिल किया गया। मौके पर अन्य लोग मौजूद थे। बैठक को संबोधित करते हुए पलविंदर सिंह ने कहा कि साथ ही पूजा में होने वाले खर्च का अनुमान लगाया गया।

फोन लौटाने का चला अभियान

पुरुलिया। पुरुलिया जिला पुलिस ने एक अनोखी पहल शुरू की है, जिसका नाम 'प्राप्ति' है। इस पहल के तहत, पुलिस खोए हुए मोबाइल फोन को वापस उनके मालिकों को लौटाने का प्रयास कर रही है। इस अभियान के तहत, पुलिस ने पिछले कुछ महीनों में 701 खोए हुए मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक अभिजीत बनर्जी ने कहा कि यह अभियान नियमित रूप से जारी रहेगा और बरामद फोन स्थानीय पुलिस स्टेशन के माध्यम से संबंधित मालिकों को वापस कर दिए जाएंगे। इस मौके पर, पुलिस अधीक्षक ने 10 खोए हुए मोबाइल फोन संबंधित व्यक्तियों को सौंपे। जिला पुलिस के अन्य अधिकारी भी इस मौके पर मौजूद थे।

वार्ड संख्या 85 में जमीन पर अवैध कब्जे का मामला

जगदीश पर लगा जमीन कब्ज़ा करने का आरोप

खास बातें

- पीड़ित कुशो सिंह ने पुलिस और नगर निगम से न्याय की मांग की

संवाददाता । आसनसोल

गरीब परिवार की गुहार आसनसोल नगर निगम के वार्ड संख्या 85 के हिरापुर थाना क्षेत्र में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। जगदीश प्रशाद सिंह पर गरीब परिवार की जमीन पर कब्जा करने और दीवाल बनाने का आरोप है। पीड़ित कुशो सिंह ने नगर निगम और पुलिस से न्याय की मांग की है।कुशो सिंह ने आरोप लगाया है कि वह गरीब हैं और शब्जी बिक्री से अपना और अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उन्होंने सरकारी जमीन पर झोपड़ी बनाकर रहने के लिए मजबूर हुए थे। जब वह अपने गाँव बिहार के समस्तीपुर गए तो जगदीश प्रशाद सिंह ने उनका घर तोड़ दिया और कब्जा कर लिया।कुशो सिंह ने यह भी कहा कि जगदीश ने उन्हें धमकी दी है कि अगर वे जमीन के बारे में कुछ करते हैं तो उन्हें झूठे केस में फंसा देंगे या जान से मार देंगे। उन्होंने नगर निगम और पुलिस से मांग की है कि जगदीश प्रशाद या तो उनका आशियाना लौटा दें या फिर सरकार अपनी जमीन पर कब्जा कर ले।इस मामले में पुलिस और नगर निगम को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए और गरीब परिवार को न्याय दिलाना चाहिए।

भाजपा नेता पर आरोप, जमीन मापी के नाम पर दर्जनों पेड़ों को काटा गया

बराकर । पश्चिम बंगाल : आसनसोल के सक्तोडिया थाना क्षेत्र के छोटा धेमूवा के बेल डांगा इलाके में मंगलवार को भाजपा नेता काजल पाल पर आरोप लगा है कि उन्होंने जमीन मापी के नाम पर एक दर्जन से अधिक पेड़ों को काट दिया है। पीड़ित किसन साव ने सक्तोडिया पुलिस थाने और वन विभाग में शिकायत दर्ज कराई है। किसन साव का आरोप है कि भाजपा नेता

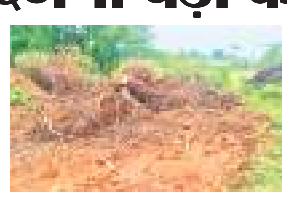

काजल पाल ने बुलडोजर चलाकर पेड़ों को काट दिया है। उन्होंने अपनी शिकायत में यह भी कहा है कि उनकी जान को खतरा है, क्योंकि वे सहरी क्षेत्र से दूर सुनसान जंगलों से होकर अपने घर आते-जाते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता काजल पाल दबंग नेताओं में से एक हैं और वे अपनी ऊंची पहुंच और पैसों के बल पर जानलेवा हमला करवा सकते हैं। इलाके के लोगों ने अपनी जानोमाल की रक्षा की मांग की है और कहा है कि अगर जरूरत पड़ी तो वे पेड़-पौधों को बचाने के लिए जोरदार आंदोलन करने पर भी बाध्य हो जाएंगे।

बच्चा चोरी के शक में मानसिक रूप से विक्षिप्त युवक की पिटाई

पुलिस ने युवक को बचाया, अस्पताल में भर्ती कराया

खास बातें

- अंडाल के उखरा का निवासी

संवाददाता । दुर्गापुर

राज्य के अलग-अलग जिलों में एक लड़के को पकड़ने के शक में सामूहिक पिटाई का सिलसिला जैसे जारी है. इस बार दुर्गापुर के फरीदपुर थाना क्षेत्र के नबघणपुर गांव में बच्चे के अपहरण के शक में जमकर पिटाई की गई. दुर्गापुर के फरीदपुर थाने का नवघनपुर गर्म हो गया. मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद है. युवक को उन्मादी भीड़ से बचाने के प्रयास में पुलिस की उन्मादी भीड़ से झड़प हो गई.मालूम हो कि मंगलवार की दोपहर एक युवक इलाके में घूम रहा था. स्थानीय लोगों को संदेह हुआ कि लड़के को पकड़ लिया गया है. इसलिए उन्होंने सबसे पहले उससे पूछताछ शुरू की. स्थानीय लोगों ने पहले तो युवक को बेतुके ढंग से बोलने पर थप्पड़ मारा, फिर युवक को रस्सी से खंभे में बांध दिया और बांस और डंडे से युवक की जमकर पिटाई शुरू कर दी. इलाके में व्यापक तनाव फैल गया. खबर पाकर दुर्गापुर फरीदपुर पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। पुलिस के सामने भी युवक की जमकर पिटाई होती दिख रही है. पुलिस से झड़प भी हुई. बाद में दुर्गापुर फरीदपुर थाने की बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंची. पुलिस ने जाकर स्थिति को नियंत्रित किया. अंडाल एसीपी पिंटू साहा ने कहा, "हमारा प्रारंभिक अनुमान है कि युवक मानसिक रूप से अस्थिर है। अंडाल के उखरा का रहने वाला है. हमने युवक को स्थानीय लोगों से बचाया और उसे दुर्गापुर उप-जिला अस्पताल में भर्ती कराया। दो को हिरासत में लिया गया है. इस बात की जांच शुरू कर दी गई है कि इस तरह से पिटाई क्यों की गई." "लड़के के बार-बार पकड़े जाने के संदेह पर सामूहिक पिटाई को रोकने के लिए राज्य सरकार और राज्य पुलिस ने भले ही अलग-अलग इलाकों में जागरुकता संदेश दिए हों. लोगों में जागरूकता नहीं लौटी है, इसका पता मंगलवार दोपहर को चला। पुलिस की ओर से बताया गया है कि तस्वीर देखकर दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की जाएगी.

ईसीएल में ऑक्यूपेशनल हेल्थ सर्वे

कोयलाकर्मियों का स्वास्थ्य सर्वेक्षण, लगा जांच शिविर

संवाददाता । जामुड़िया

ईसीएलः एक विशेष अभियान के तहत नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ ऑक्यूपेशनल हेल्थ की ओर से दस वर्षों से अधिक समय तक सक्रिय खनन से जुड़े कोयला कर्मियों का स्वास्थ्य सर्वेक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को कुनुस्तोड़िया क्षेत्रीय अस्पताल में शिविर लगाया गया है, जिसमें अगले दस दिनों में कुनुस्तोड़िया, सतग्राम-श्रीपुर, सोदपुर, सलानपुर, काजोड़ा व मुगमा क्षेत्र के कुल 720 कर्मियों का ऑक्यूपेशनल हेल्थ सर्वे किया जाएगा। सर्वे आरंभ करने के पहले क्षेत्रीय सभागार में क्षेत्रीय महाप्रबंधक श्री एस. सी. मित्रा की प्रमुख उपस्थिति में एक विशिष्ट बैठक कर सर्वे के उद्देश्य और इसकी रूपरेखा पर संवाद साझा किये गये।

थाना से कुल्टी रेलवे स्टेशन तक सड़क की अवस्था जर्जर

खास बातें

- सड़क निगम के 4 से 5 वार्डों को जोड़ती है, जिनमें वार्ड 17, 63, 64, 65, और 70 हैं शामिल

टूटी हुई सड़क के कारण लोगों को कठिनाइयों का करना पड़ता है सामना

संवाददाता । कुल्टी

कुल्टी थाना से कुल्टी रेलवे स्टेशन तक सड़क की जर्जर अवस्था को लेकर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के सदस्य जिशान कुरेशी ने स्टील मंत्री, सैल ग्रोथ वर्क के डायरेक्टर, सीजीएम, एजीएम, और आसनसोल नगर निगम के मेयर को पत्र लिखकर समस्या का समाधान करने का अनुरोध किया है। इस सड़क की मरम्मत की आवश्यकता इसलिए है क्योंकि यह सड़क निगम के 4 से 5 वार्डों को जोड़ती है, जिनमें वार्ड 17, 63, 64, 65, और 70 शामिल हैं। इस सड़क के माध्यम से लोगों का आवागमन होता है, लेकिन टूटी हुई सड़क के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार लोग इसी क्रम में गिर भी चुके हैं। जिशान कुरेशी ने बताया कि यह सड़क इस इलाके के लोगों के लिए लाइफ लाइन का कार्य करती है, जो इस सड़क से होकर हजारों लोगों का आवागमन होता है। इसलिए, इस सड़क की मरम्मत की आवश्यकता है ताकि लोगों को कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

न्यूज अपडेट

स्थानीय लोगों ने प्रदूषण के खिलाफ उठाई आवाज

जामुड़िया। जामुड़िया औद्योगिक क्षेत्र के दामोदरपुर आदिवासी पाडा में स्थानीय लोगों ने प्रदूषण के खिलाफ प्रेस वार्ता का आयोजन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे मौजूद थे। स्थानीय निवासी बापी नोनिया ने बताया कि आसपास के स्पंज आयरन कारखानों से होने वाले प्रदूषण के कारण रहना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण इतना तीव्र है कि घरों में रखा पानी लाल हो जाता है और धूल की परत पानी पर तैरती है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदूषण के कारण लोगों को चर्म रोग हो रहा है और दूषित पानी पीने से विभिन्न तरह के रोग हो रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो वृहद आंदोलन किया जाएगा। इस मामले में जिला शासक सहित तमाम उच्च पदाधिकारियों को चिट्ठी भेजी गई है।

भारत-नेपाल की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

बराकर: कुल्टी के राधानगर में स्थित श्री गणिनाथ आश्रम में आसनसोल मध्यदेशीय वैश्य सभा ट्रस्ट के तत्वावधान में अखिल भारतीय मध्यदेशीय वैश्य सभा भारत-नेपाल द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में भारत और नेपाल के विभिन्न राज्यों से आए पदाधिकारियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मनोज मध्यदेशीय के आगमन पर जोरदार स्वागत किया गया। बैठक में राष्ट्रीय और प्रांतीय संगठनों पर चर्चा की गई। राष्ट्रीय संरक्षक डॉ सी पी गुप्ता ने आश्रम में शिक्षण केंद्र स्कूल बनाने पर बल दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज मध्यदेशीय ने बैठक की व्यवस्था पर सराहना की और अध्यक्ष बिनोद कुमार गुप्ता और संस्था के सदस्यों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर पत्रकारों को भी सम्मानित किया गया और उपाध्यक्ष निर्मल गुप्ता मध्यदेशीय ने कहा कि समाज के निर्माण में पत्रकारों की विशेष भूमिका होती है। बैठक में बड़ी संख्या में महिलाएं भी उपस्थित थीं।

राष्ट्रीय राजमार्ग 60 पर वाहन जांच अभियान

जामुड़िया। जामुड़िया थाना क्षेत्र के केंदा फाड़ी में मंगलवार को पुलिस ने नाका चेकिंग लगाकर वाहनों की सघन जांच की। इस दौरान चार पहिया और दो पहिया वाहनों के कागजात और हेलमेट, ड्राइविंग लाइसेंस की जांच की गई। केंदा पुलिस फाड़ी के सब इंस्पेक्टर असीम दे के नेतृत्व में चलाए गए इस जांच अभियान में बीरभूम और आसनसोल जिलों से आने जाने वाले वाहनों की जांच की गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस के इस मुहिम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी जांच से इलाके में कायदा कानून सुचारू रहेगा। नए प्रभारी सब इंस्पेक्टर लक्ष्मी नारायण दे के नेतृत्व में केंदा फाड़ी पुलिस द्वारा कानून व्यवस्था को और दुरूस्त करने का काम शुरू कर दिया गया है।

विरोध

विधुत विभाग के प्रति असंतोष के कारण आगे प्रदर्शन करने की चेतावनी

कुल्टी ब्लॉक कांग्रेस ने विधुत संबंधित मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा

खास बातें

- घर में मीटर खराब होने पर फौरन मीटर की व्यवस्था करायें

संवाददाता । बराकर

कुल्टी छेत्र के आम जन मानस की विधुत से संबंधित असुविधा को लेकर कुल्टी ब्लॉक कांग्रेस ने सात सूत्री मांगों को लेकर बराकर विधुत अभियंता को ज्ञापन सौंपा। कुल्टी ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष सुकांतो दास के नेतृत्व में कुल्टी ब्लॉक यूवा कांग्रेस सहित सभी यूनिट के सदस्यों ने बराकर बस स्टेंड स्थित इंटक कार्यालय से एक जुलूस निकालकर बराकर विधुत कार्यालय पर प्रदर्शन किया और विद्युत अभियंता विश्वनाथ कर्मकार को ज्ञापन सौंपा। कुल्टी ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष सुकांतो दास ने बताया कि विधुत विभाग द्वारा एक साथ तीन महीने का विधुत बिल की जगह एक महीने का बिल जारी करने की मांग की गई है। इसके अलावा, कुल्टी छेत्र में कोमर्शियल और डोमेस्टिक लाइन में सेलेब बढ़ने के बाद विधुत दर को ठीक करने की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि विधुत विभाग द्वारा कांट्रेक्टर के माध्यम से जो व्यवस्था की गई है, वह पर्याप्त नहीं है और कई बार विधुत मोबाइल वैन उपभोक्ता की अनदेखी करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि बिजली संबंधित किसी प्रकार की असुविधा होने पर बर्दवान टोलफ्री नंबर सहयोग नहीं करता है, जिसके एवज में बराकर विधुत विभाग में इसकी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने घर में किसी प्रकार मीटर खराब होने पर उसकी जगह मनमाना बिल वसूली की जगह फौरन मीटर की व्यवस्था करने की मांग की। उन्होंने कहा कि छेत्र में विगत कई महीनों से बिजली की आंख मिचौनी को ठीक व्यवस्थित करना होगा, नहीं तो आने वाले दिनों में विधुत विभाग को घेरकर प्रदर्शन करने पर पार्टी पीछे नहीं रहेगी।

प्रदेश कांग्रेस ह्यूमन राइट्स का भ्रष्टाचार के खिलाफ हल्ला बोला

बराकर : कुल्टी विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की शिकायतों के बीच प्रदेश कांग्रेस कमिटी के ह्यूमन राइट्स सेल के सचिव राजेश्वर राज के नेतृत्व में कुल्टी के सभी वार्डों में आंदोलन चलाया जा रहा है। वार्ड 18 में पथसभा के माध्यम से राजेश्वर राज ने कहा कि आसनसोल नगर निगम की विगत बोर्ड मीटिंग में प्रत्येक वार्ड को 30 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है, लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि इस राशि के दुरुपयोग को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने

आरोप लगाया कि कई वार्डों में तालाबों की भराई कर बहुमंजिला इमारतों का निर्माण किया गया है, जिसकी शिकायत नगर निगम के मेयर को दी जाएगी। राजेश्वर राज ने कहा कि यदि विकास कार्यों में भ्रष्टाचार किया गया, तो कांग्रेस पार्टी और ह्यूमन राइट्स सेल की ओर से प्रत्येक वार्ड में आंदोलन किया जाएगा।

विधानसभा चुनाव : लोकसभा चुनाव में करारी हार मिलने के बाद भाजपा आलाकमान के निर्णय पर टिकी है अर्जुन मुंडा की नजर

खरसावां विस से अर्जुन मुंडा की पत्नी मीरा मुंडा लड़ सकती हैं चुनाव

प्रवीण कुमार। रांची

झारखंड में विधानसभा चुनाव होने में अब कुछ ही महीने शेष बचे हैं. इसको लेकर राजनीतिक दलों से जुड़े नेताओं की भी गतिविधियां तेज हो गयी हैं. खूंटी लोकसभा चुनाव में पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा की करारी हार के बाद राजनीतिक गलियारों में इस बात के कयास लगने शुरू हो गये हैं कि भाजपा, अर्जुन मुंडा को विस चुनाव में उतार सकती है.

गौरतलब है कि हाल के लोस चुनाव में राज्य की सभी पांच आदिवासी आरक्षित सीटों पर भाजपा को मुंह की खानी पड़ी थी. इससे सबक लेते हुए भाजपा आगामी विस चुनाव में पार्टी के

दिग्गज आदिवासी नेताओं को मैदान में उतारने की रणनीति बना रही है. इसके अनुसार, विस चुनाव में अर्जुन मुंडा के अलावा सुदर्शन भगत, अरुण उरांव और गीता कोड़ा को पार्टी उम्मीदवार बना सकती है. हालांकि, अर्जुन मुंडा अपने गृह विस इलाके में अपने करीबियों को कह चुके हैं कि पार्टी जो जिम्मेवारी देगी, उसे पूरा करेंगे. लेकिन टिकट नहीं मांगेंगे.

अर्जुन आजमा सकते हैं किस्मतः मुंडा को इस बात का भी डर है कि कहीं लोस चुनाव की तरह ही विस चुनाव में भी परिस्थिति अनुकूल नहीं बनी, तो उनके राजनीतिक भविष्य पर बड़ा डेंट लगेगा. ऐसे में मीरा को खरसावां विस से चुनाव लड़वाया जा सकता है. दूसरी ओर अगर अर्जुन विस का चुनाव लड़ेंगे, तो उनकी प्रथामिकता सरायकेसा विस हो सकती है.

कुर्मी वोटरों की नाराजगी बढ़ा सकती हैं मुश्किलें

लोकसभा चुनाव के पूर्व भाजपा के सरायकेला खरसावां जिला अध्यक्ष विजय महतो के हटाये जाने का असर भी लोकसभा चुनाव में पड़ा था. विजय महतो कुर्मी समुदाय से आते हैं. जिले में कुर्मी वोटरों की सख्या 55000 से अधिक है. महतो वोटरों के बिखराव के कारण लोकसभा चुनाव में खरसांवा विधानसभा से भाजपा पिछड़ गयी थी. वहां के दर्जनों कुर्मी बहुल बूथों में भाजपा 100 वोट भी नहीं ला सकी थी. वहीं, चार बूथों में 10 का आकड़ा भी पार नहीं कर सकी थी.

खरसावां से कौन-कौन संभावित उम्मीदवार

खरसावां विस सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने के लिए प्रमुख तौर पर तीन उम्मीदवारों के नाम की चर्चा तेज हैं. इनमें मीरा मुंडा. मीरा, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति में रह चुकी हैं. अर्जुन मुंडा के चुनाव नहीं लड़ने की सूरत में पार्टी मीरा मुंडा को आगे ला सकती है. वहीं दूसरे दावेदारों में भाजपा एसटी मोर्चा के कोषाध्यक्ष गणेश महली हैं. वह खरसावां विस क्षेत्र के प्रमुख और सक्रिय भाजपा नेताओं में गिने जाते है. वहीं, पूर्व विधायक मंगल सिंह सोय भी टिकट के दावेदारों में से एक हैं.

मुंडा ने कहा है-पार्टी का फैसला ही उनका निर्णय

भाजपा जिला अध्यक्ष उदय सिंह देव कहते है अर्जुन मुंडा से उनके चुनाव लड़ने को लेकर कई बार बात की. उन्होंने साफ कहा है कि पार्टी का फैसला ही उनका निर्णय है. वे खुद टिकट की मांग नहीं करेंगे. वहीं, दूसरे दावेदारों के संबंध में कहा की पार्टी जिसे टिकट देगी, उसके लिए पूरा संगठन काम करेगा. पार्टी में कई नेता हैं, जिनमें मीरा मुंडा, जंयती सोय, मंगल सिंह मुंडा, लाल सिंह मुंडा आदि का नाम शामिल है, लेकिन किसी ने भी अब तक टिकट के लिए अपनी दावेदारी पेश नहीं की है.

मुख्यमंत्री मईंयां सम्मान योजना को लेकर उपायुक्त ने की बैठक

लाभुकों के चयन को लेकर तीन से पंचायतों में लगेगा शिविर

संवाददाता। मेदिनीनगर

झारखंड मुख्यमंत्री मईंयां सम्मान योजना के तहत 21 से 50 वर्ष की महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जानी है. प्रत्येक माह की 15 तारीख तक सरकार बहनों के एकल लिंक्ड बैंक खाते में राशि क्रेडिट करेगी. यह सरकार की बेहद ही महत्वाकांक्षी योजना है . पदाधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी लाभुक इस योजना के लाभ से वंचित न रह पाये. यह निर्देश उपायुक्त शशि रंजन ने मंगलवार को समाहरणालय के सभाकक्ष में आयोजित जिला समन्वय समिति की बैठक में सभी पदाधिकारियों को दिया.

उपायुक्त ने कहा कि योजना से लाभुकों को जोड़ने के लिए आगामी 3 से 10 अगस्त तक पंचायत स्तरीय शिविरों का आयोजन होना है. शिविरों के सफल संचालन के लिए सभी जरूरी कार्य समय पर निष्पादित और योजना का व्यापक प्रचार प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है.सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा विक्रम आनंद ने कहा कि योजना के लिए आंगनबाड़ी के माध्यम से निःशुल्क आवेदन पत्र उपलब्ध कराया जाएगा. इसका वितरण, जमा करने एवं स्वीकृति तक की सारी कार्रवाई निःशुल्क होगी. आंगनबाड़ी सहायिका,सेविका अपने-अपने क्षेत्र के घर-घर जाकर 21 से 50 वर्ष की महिलाओं को चिन्हित कर आवेदन उपलब्ध करायेंगी .

लाभुकों को आवेदन जमा करने के लिए पंचायतों में लगने वाले शिविर में आना होगा. आवेदनों को पोर्टल में इंट्री करने के लिए वीएलई रहेंगे. आवेदन की स्वीकृति पदाधिकारी के रूप में अधिकृत बीडीओ/सीओ आवेदनों का सत्यापन तीन दिनों के अंदर करके स्वीकृति प्रदान करेंगे.

लाभुकों के लिए पात्रता को सरल रखा गया है. आवेदिका झारखंड की निवासी हों . उनकी आयु 21 वर्ष से अधिक एवं 50 वर्ष से कम हो. आवेदिका का आधार लिंक्ड सिंगल (एकल) बैंक खाता हो. जिनका बैंक खाता आधार लिंक्ड नहीं है वे भी योजना का लाभ दिसम्बर 2024 तक उठा सकतीं हैं. मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड हो. आवेदिका का परिवार झारखण्ड राज्य के अंत्योदय अन्न योजना (पीला राशन कार्ड), पूर्वविक्ता प्राप्त गृहस्थ कार्ड (गुलाबी राशन कार्ड)/केरोसिन ओइल राशन कार्ड (सफेद राशन कार्ड)/हरा रंग का पृथक राशन कार्डधारी हो.

डीसी गरिमा सिंह ने पांच जागरूकता रथ रवाना किये

कार्यशाला भी आयोजित किया गया

लातेहार। झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का व्यापक प्रचार प्रसार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को समाहरणालय परिसर से पांच रथ रवाना किया गया. उपायुक्त गरिमा सिंह, उप विकास आयुक्त सुरजीत कुमार सिंह, डीआरडीए निदेशक प्रभात रंजन, विशेष कार्य पदाधिकारी गोपनीय शाखा श्रेयांश, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अल्का हेंब्रम ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रथ को रवाना किया. इस जागरूकता रथ के माध्यम से जिला में योजना का प्रचार-प्रसार कर लोगों को जागरूक करने का कार्य किया जाएगा. उपायुक्त ने कहा कि यह सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है. राज्य सरकार द्वारा 21-50 वर्ष की महिलाओं को आर्थिक सहायता के रूप में प्रत्येक माह एक हजार रुपए आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी. आवेदिका झारखंड की निवासी होनी चाहिए और उनकी आयु 21 वर्ष से अधिक एवं 50 वर्ष से कम होनी होनी चाहिए. आवेदिका का आधार लिंक्ड सिंगल (एकल) बैंक खाता होना आवश्यक है. जिनका बैंक खाता आधार लिंक्ड नहीं है वे भी योजना का लाभ दिसंबर तक उठा सकतीं हैं. मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड हो.आवेदिका का परिवार झारखंड राज्य के अंत्योदय अन्न योजना (पीला राशन कार्ड), पूर्वविक्ता प्राप्त गृहस्थ कार्ड (गुलाबी राशन कार्ड)/केरोसिन ओइल राशन कार्ड (सफेद राशन कार्ड)/ हरा रंग का पृथक राशन कार्ड धारी होना चाहिए. इससे पहले समाहरणालय के सभागार में इस योजना को ले कर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया. इसका उदघाटन उपायुक्त ने दीप जला कर किया.

अवैध खनन के कारण कई पहाड़ों का अस्तित्व खतर में

विशेष संवाददाता। रांची

अवैध खनन के कारण राजधानी रांची समेत कई पुराने एवं ऐतिहासिक पहाड़ों का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है. यह सवाल भाजपा विधायक बिरंची नारायण ने सदन में अल्पसूचित प्रश्न में उठाया. उन्होंने मामले को उठाते हुए कहा कि संथाल के साहिबगंज, पाकुड़, दुमका, राजधानी रांची, रामगढ़ और पलामू सहित झारखंड के अधिकत्तर जिलों में साढ़े चार साल से अवैध खनन जारी है. इसके कारण इन पहाड़ों का अस्तित्व खत्म सा हो गया है. इन पहाड़ो की जगह अब बड़े-बड़े गढ्ढे बचे हैं. विधायक ने जानना चाहा कि क्या सरकार व्यापक स्तर पर जनहित में ऐसे पहाड़ों को अवैध खनन और परिवहन कर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले पत्थर माफियाओं और इसमें संलिप्त पदाधिकारियों के विरूद्ध कठोर कारवाई करेगी.

इन पहाड़ों का अस्तित्व हो चुका है खत्म

विधायक ने बताया कि साहिबगंज का नींबू पहाड़, रांची का नामकुम राजाउलातु, उनीडीह, महादेव टोली पहाड़, बजरा पहाड़, ओरमांझी-रामगढ़ रोड स्थित चुटूपालू घाटी के खिराबेड़ा पहाड़, बहरागोड़ा का ज्योति पहाड़ आदि शामिल हैं. यहां से अरबों रूपए के पत्थर-स्टोन चिप्स की सरकारी झारखंड के विभिन्न जिलों सहित पड़ोसी राज्यों में की गयी तथा अब इन पहाड़ों के गायब होने पर पहाड़ों की उक्त खाली जमीन को समतल कर कई लोग अवेध कब्जा कर घर और कॉलोनियां बना रहे हैं. सरकार की ओर जवाब दिया गया कि राज्य में पत्थर सहित सभी खनिजों के अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम के लिए जिला स्तर पर खनन टॉस्क फोर्स गठित है.

दबंगों की ग्रामीणों ने की पिटाई रास्ता रोके जाने से बढ़ा विवाद

संवाददाता। चंदवा (लातेहार)

थाना क्षेत्र के माल्हन पंचायत में मध्य विद्यालय, गनियारी के रास्ते को गांव के ही कुछ दबंगों ने मिलकर गड्ढा खोदकर बंद करने का प्रयास किया. इस घटना से गांव के लोगों में आक्रोशित हो गये. ग्रामीण विद्यालय स्थल पर जमा होने लगे. ग्रामीणों का कहना है कि यह जमीन गैर मजरूआ भूमि है. इसे हम लोग विद्यालय के बच्चों के लिए खेल का मैदान बनाना चाहते हैं. जबकि गांव के दबंग किस्म के लोग जमीन को अपने निजी उपयोग में लेना चाहते हैं. इसी मुद्दे पर सोमवार की देर शाम विवाद बढ़ा. इसके बाद ग्रामीणों ने कुछ दबंगों की पीटायी कर दी. मंगलवार को गांव के ग्रामीण विद्यालय परिसर में बैठक कर उपयुक्त लातेहार के नाम एक ज्ञापन देने का निर्णय लिया. विद्यालय प्रबंधन समिति को भी इस घटना का लिखित शिकायत की गयी है ताकि विभाग के अधिकारियों को सूचित किया जा सके.

सरकार के संरक्षण में मतांतरण का खेल है जारी है : बाबूलाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य की झामुमो कांग्रेस सरकार के संरक्षण में मतांतरण का खेल बड़े पैमाने पर जारी है. सरकार चुप है, प्रशासन मौन धारण किए हुए है, जनता परेशान है और झारखंड में मतांतरण को रोकने का नहीं कोई समाधान है. जेएमएम और कांग्रेस की गठबंधन सरकार में मतांतरण के मामले आए दिन सामने आ रहे हैं. झारखंड में जबरन धर्म परिवर्तन कराना एक प्रथा बन गई है. वोटबैंक की राजनीति करने के लिए एक खास समुदाय को हेमंत सरकार ने हिम्मत दे रखी है, डराने की, धमकाने की और जान लेने की.

घर में घुसकर महिला से की जा रही छेड़छाड़ : मरांडी ने कहा कि धनवार प्रखंड के गुआखंडहर ग्राम से ऐसा ही मामला सामने आया है, जहां विकास रविदास और उनकी पत्नी को जबरन धर्म परिवर्तन के लिए विवश किया जा रहा है. मना करने पर राज्य सरकार के संरक्षण में पल रहे गुंडों द्वारा घर में घुसकर महिला से छेड़छाड़ की जा रही है,जातिसूचक गलियां दी जा रही है तथा धमकी दी जा रही है कि तुमलोग इस्लाम कुबूल नहीं करोगे तो जान से मारकर, तुम्हारे बच्चों को इस्लाम कुबूल करवाएंगे. पहले आदिवासी परिवार की महिलाओं से जबरन शादी और फिर धर्म परिवर्तन कराया गया, मना करने पर हत्या कर टुकड़े टुकड़े करके फेंका गया, अब दलित परिवारों के साथ भी यही हो रहा है। वोटबैंक की राजनीति करने वाली इस सरकार में प्रदेश का कोई भी आदिवासी, कोई भी हिन्दू सुरक्षित नहीं है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष गुरु मंगल के साथ चंद्रमा उच्च के हैं. अप्रत्याशित लाभ हो सकता है. किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी. भाग्य का साथ मिलेगा. पुराना रोग उभर सकता है. विवाद से क्लेश संभव है. मंदिर में घी का दीपक दिखावें.

वृषभ बाहरी लोगों से पूछ परख बढेगी. पर रोग पर या गलत जगह खर्च होगा. नेत्र संबंधी रोग से बचें. दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी. कार्य में विलंब होगा. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. पारिवारिक चिंता बनी रहेगी.

मिथुन खर्च अधिक होगा पर आय के लिए दिन उत्तम है. दिखावा में ज्यादा खर्च हो सकता है. विदेश से शुभ समाचार मिलेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. भाग्य का साथ रहेगा. व्यापार में वृद्धि के योग हैं. निवेश शुभ रहेगा. आय होगी.

कर्क किसी पुराने मित्र से मुलाकात से मन प्रसन्न होगा. आय के लिए किया गया प्रयास सफल होगा. नई योजना बनेगी. कारोबार में वृद्धि होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. नए व्यापारिक अनुबंध होंगे. धनार्जन होगा. लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी.

सिंह पिता से लाभ का योग है. नए कार्य से लाभ होगा. उनकी आज्ञा से कार्य करें. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा. आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे. कारोबार अच्छा चलेगा. नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्नता रहेंगे.

कन्या धर्म में मन लगेगा. पर वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे. आय में निश्चितता होगी. ऐश्वर्य पर व्यय होगा. मेहंदी का दान करें.

तुला मानसिक तनाव होगा. आपके कार्यों के कारण कोई अज्ञात भय सताएगा. पुराना रोग उभर सकता है. भागदौड़ रहेगी. विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा.

वृश्चिक व्यापारिक मित्र या पार्टनर से कोई मतभेद हो सकता है. कोई अच्छा समाचार मिल सकता है. किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है. व्यर्थ भागदौड़ होगी. कार्य में विलंब होगा. चिंता तथा तनाव रहेंगे. हनुमानजी का ध्यान पूजन करें.

धनु समय सामान्य है. नेत्र रोग या रक्त संबंधित बाधा से बचे. विरोधी सक्रिय रहेंगे. मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में चैन रहेगा. आय में वृद्धि होगी. मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा.

मकर संतान की देखभाल करें. भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी. कोई बड़ा लाभ हो सकता है. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें. चोट व रोग से बचें. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी.

कुंभ कोई बड़ा कार्य या बोलने से पहले विचार आवश्यक है. किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा. कारोबार में वृद्धि होगी. नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा. चोट व रोग से बचें. काला वस्तु का दान करें.

मीन भाई बहन से मतभेद हो सकता है. जुबान पर कन्ट्रोल रखना आवश्यक है. पराक्रम का गलत तरीके से प्रयोग नहीं करे. कारोबार में वृद्धि होगी. निवेशादि शुभ रहेंगे. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे. स्त्री पक्ष से लाभ होगा. अज्ञात भय रहेगा.

ग्रामीणों को दी योजनाओं की जानकारी

लातेहार। जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय के तत्वाधान में लातेहार प्रखंड के तरवाडीह ग्राम में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई. कार्यक्रम में स्वर संगम म्यूजिकल ग्रुप, लातेहार के कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक एवं गीत संगीत के माध्यम से ग्रामीणों को सामाजिक कुरीतियों एवं अंधविश्वास से दूर रहने का अपील की. संस्था के कलाकारों ने नाटक के माध्यम से बताया कि सरकार के द्वारा समाज के तबके के लोगों के लिए कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है. मुख्यमंत्री मइंया सम्मान योजना की जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के तहत 21 से 50 वर्ष से कम आयु की महिलाओं को प्रति वर्ष 12 हजार रूपये दी जायेगी.उन्होंने बताया कि सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत छात्रों को छात्रवृत्ति दी जाती है. आगे बताया कि सरकार ने हड़िया एवं दारू बेचने वाले महिलाओं के लिए फूलों झानो आशीर्वाद योजना लाई है. इसके अलावा उन्होंने पशुधन योजना, मुख्यमंत्री रोजगार योजना, मुख्यमंत्री हरित योजना आदि की जानकारी.

सुल्लतानगंज में कांवरिया की मौत

सगमा (गढ़वा)। धुरकी थाना क्षेत्र के शारदा गांव निवासी 55 वर्षीय बच्चन पासवान अपने गांव से तीन दिन पूर्व ग्यारह सदस्यों के साथ बाबा धाम के लिए निकला था. इस क्रम में बीते सोमवार की अहले सुबह जल भरने के पूर्व सीढ़ी पर अपने सहयोगियों के साथ स्नान कर रहा था कि अचानक गिर गया. जिससे उसके सर में गंभीर चोट आयी. स्थानीय प्रशासन तथा सहयोगियों की मदद से रेफरल अस्पताल सुल्तानगंज में भर्ती कराया. जहां चिकित्सकों ने बच्चन पासवान को मृत घोषित कर दिया. मौत की खबर दूरभाष के माध्यम से इनके स्वजन को दिया गया. इस घटना के बाद साथ में निकले बाबा धाम जाने वालो साथियों ने बीच रास्ते से ही मृतक का शव लेकर निवास स्थान शारदा गांव मंगलवार लौट गए और मृतक का शव स्वजनों को सुपुर्द कर दिया. शव के देखते ही पूरे घर में कोहराम मच गया. सूचना मिलते ही मृतक के घर सांत्वना देने पहुंची पंचायत के मुखिया कलावती देवी ने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि मृतक मेहनत मजदूरी कर पूरे घर का भरण पोषण करता था. मुझे इसके लिए भारी दुख है.

डीसी ने जनता दरबार में सुनी शिकायतें

लातेहार । समाहरणालय में आयोजित मंगलवारीय जनता दरबार में उपायुक्त गरिमा सिंह ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आये ग्रामीणों की समस्याओं को सुना एवं उसके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया. जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से आये ग्रामीणों ने अपनी-अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा. उपायुक्त ने क्रमवार तरीके से सभी की शिकायतों को सुना और शीघ्र निष्पादन का आश्वासन दिया. जनता दरबार में कुल 19 आवेदन प्राप्त हुए. इनमें मुआवजा, नियोजन, जमीन रसीद, वृद्ध पेंशन, अबुआ आवास, ग्रीन कार्ड और पीला कार्ड आदि से संबंधित आवेदन शामिल थे. उपायुक्त ने आवेदनों को संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को अग्रसारित कर शीघ्र निष्पादित करने का निर्देश दिया. उन्होने कहा कि जनता दरबार में आये मामलों को अधिकारी गंभीरता से ले और प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं का निष्पादन करें.

रेल जीएम ने पत्रकारों को किया संबोधित, बोले-

घटना में आठ लोग घायल हो गए हैं रेलवे अस्पताल में 23 लोग इलाजरत

संवाददाता। चक्रधरपुर

चक्रधरपुर रेल मंडल के राजखरसावां व बड़ाबाम्बो रेलवे स्टेशन के समीप पोटोबेड़ा गांव के समीप मंगलवार सुबह लगभग 3.45 बजे 12810 हावड़ा-मुंबई मेल ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त हो गई. इसके बाद दोपहर लगभग 12.30 बजे दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा ने पत्रकारों को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि घटना में दो लोग मारे गये हैं, जबकि आठ लोगों को हल्की चोटें आयी हैं, लेकिन स्थिति कुछ और थी. इस घटना के बाद चक्रधरपुर रेलवे अस्पताल में ही 23 घायलों को इलाज के लिए भर्ती कराया गया. इसमें अधिकांश यात्री हावड़ा से मुंबई के लिए यात्रा कर रहे थे. रेल जीएम के पत्रकारों को दिया गया बयान चर्चा का विषय बना रहा.

रेलवे अस्पताल में इलाजरत घायलों की सूची : ट्रेन दुर्घटना के बाद घायल यात्रियों को इलाज के लिए चक्रधरपुर रेलवे अस्पताल में भर्ती कराया गया है. सभी घायलों को एम्बुलेंस व रिलिफ ट्रेन से चक्रधरपुर लाया गया था. इसमें चक्रधरपुर रेलवे अस्पताल में

इलाजरत घायलों में 52 वर्षीय निमाय प्रमाणिक, 40 वर्षीय राजू शेख, 66 वर्षीय बादल कुमार दास, 47 वर्षीय रश्मि बन्सोल, 36 वर्षीय प्रदीप अग्रवाल, 67 वर्षीय आशा कराकर, 23 वर्षीय सुमन देवनाथ, 34 वर्षीय साहेब आलम, 36 वर्षीय सुजय दास, 29 वर्षीय हारुल शेख, 50 वर्षीय नसीमउद्दीन हक, 57 वर्षीय सबिता दास, 55 वर्षीय एके अनिल, 41 वर्षीय कमलेश साव, 40 वर्षीय आफताब अंसारी, 34 वर्षीय कमल किशोर होरो, 35 वर्षीय अंशु राज पासवान, 49 वर्षीय सरस्वती मंडल, 54 वर्षीय सुभाशीष मंडल, 48 वर्षीय मुकनंता पांडेय, 32 वर्षीय प्रसन्नजीत दत्ता, 43 वर्षीय विश्वनाथ मैती शामिल हैं. सभी घायलों के सिर व शरीर के अन्य हिस्से में चोटें पहुंची हैं.

ज्योति आईटीआई में टाटा मोटर्स ने किया अप्रेंटशिप का आयोजन

मेदिनीनगर । कांदू मोहल्ला स्थित ज्योति आईटीआई में देश की प्रमुख कंपनी टाटा मोटर्स जमशेदपुर ने अप्रेंटिसशिप का आयोजन किया. साक्षात्कार में आईटीआई उत्तीर्ण पलामू प्रमंडल व निकटवर्ती कई जिलों के लगभग 400 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया, जिसमें से 120 प्रशिक्षणार्थियों का टाटा मोटर्स जमशेदपुर में अप्रेंटिसशिप के लिए चयन किया गया. कंपनी के साक्षात्कार अधिकारियों ने ज्योति आईटीआई के प्रशिक्षणार्थियों और संस्थान के अनुदेशक गण की सराहना करते हुए कहा कि यहां के अनुशासन, कार्य व्यवस्था और पूरे संस्थान का मैनेजमेंट बहुत ही सराहनीय है. यहां के प्रशिक्षणार्थियों की जानकारी और गुणवत्ता इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग के लिए अति उत्तम है. मौके पर संस्थान के सचिव ज्योति पांडे ने बताया कि अप्रेंटिसशिप बच्चों को जीवन की वास्तविक दुनिया का अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है.

पेज एक का शेष...

जिनकी जाति का पता नहीं...

जिस पार्टी ने अपने अध्यक्ष को धोती खींच कर बाहर निकाल दिया हो, जो एक पिछड़े समाज से आते थे, उनके शहजादे हमें ज्ञान बांट रहे हैं. उन्होंने कहा, जिनकी जाति का पता नहीं, वो जाति जनगणना की बात करते हैं. अनुराग के इस बयान से विपक्षी सांसद बेहद नाराज होकर हंगामा करने लगे. हालांकि अनुराग ठाकुर ने अपने बचाव में कहा कि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया. अनुराग ने कहा कि एक नेता ने यहां खड़े होकर कमल पर कटाक्ष किया. न जाने कमल से उनको क्या विरोध है? कमल का पर्यायवाची राजीव है. कमल को बुरा दिखाने का प्रयास किया गया. चूंकि कमल से जुड़ा हुआ नाम राजीव भी है और आप सब जानते हैं कि राजीव किसका नाम है. अनुराग ने सीधे-सीधे राहुल गांधी के पिता और पूर्व पीएम राजीव गांधी की ओर इशारा किया. आप सिर्फ रील का नेता मत बनिए, मीम्स आपके खूब बनते हैं. रीयल नेता बनने के लिए सच बोलना पड़ता है. उन्होंने आगे राहुल को उनका नाम लिए बिना एक्सिडेंटल हिंदू भी कहा. कुछ लोग एक्सिडेंटल हिंदू हैं और महाभारत का ज्ञान भी एक्सिडेंटल है.

आप मुझे गाली दें...

राहुल गांधी ने महाभारत का जिक्र करते हुए कहा कि, स्पीकर सर, जो भी दलितों की बात उठाता, उसे गाली खानी ही पड़ती है. मैं ये सब गालियां खुशी से खाऊंगा. महाभारत की बात हुई, तो अर्जुन को सिर्फ मक्खी की आंख दिख रही थी, तो हमें जातीय जनगणना चाहिए, वह हम करा के रहेंगे. इसके पीछे चाहे मुझे कितनी भी गाली दी जाए. राहुल गांधी ने कहा कि अनुराग ठाकुर जी ने मुझे गाली दी है, लेकिन मुझे उनसे कोई माफी नहीं चाहिए.

वारदात

हुसैनाबाद थाना के दरुआ गांव के नोनिया बिगहा टोला में भूमि विवाद में चली गोली

पिता-पुत्र पर रिश्तेदारों ने चलाई गोली, पिता को लगी गोली, पुत्र घायल

संवाददाता। पलामू

जिले के हुसैनाबाद थाना के दरुआ गांव के नोनिया बिगहा टोला में भूमि विवाद को लेकर गोली चल गई, जिसमें पिता के हाथ में गोली लग गई. पुत्र भी जख्मी है. दोनों पर उनके रिश्तेदारों द्वारा हमला किया गया. शुरुआती मारपीट में गोली मारने की पुष्टि नहीं हुई थी, लेकिन बाद में इसकी जानकारी हुई. इसके बाद एफआईआर भी बदल गया. बताया जाता है कि दरुआ गांव निवासी संतोष कुमार सिंह अपने खेत में काम कर रहे थे, उसी क्रम उनके चाचा और चचेरे भाई वहां पहुंचे और उन पर लोहे के पाइप से हमला कर दिया. इस हमले में संतोष कुमार सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए. गोली भी चली. गोली हाथ में लगी. खबर मिलने पर संतोष कुमार सिंह के पुत्र आयुष्मान सिंह ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन हमलावरों ने उन पर भी लोहे के पाइप और रामी से हमला कर दिया. इस बीच, गांव के अन्य लोग मौके पर पहुंचे और झगड़ा शांत कराया. ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए संतोष कुमार सिंह और आयुष्मान सिंह को घायल अवस्था में अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद में भर्ती कराया. सूचना मिलने पर हुसैनाबाद पुलिस अस्पताल पहुंची और दोनों घायलों का बयान दर्ज किया. आयुष्मान सिंह ने थाने में आवेदन देकर गांव के अंजनी सिंह, विजय सिंह, प्रिंस सिंह, और उपेंद्र सिंह पर सामूहिक रूप से पिटाई करने एवं गोली मार देने का आरोप लगाया है. पुलिस ने आवेदन के आधार पर चारों आरोपियों के खिलाफ मंगलवार को मामला दर्ज कर लिया है. संतोष कुमार सिंह और उनके पुत्र आयुष्मान सिंह को बेहतर इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया. यहां संतोष कुमार सिंह की गंभीर हालत को देखकर रांची रिम्स रेफर किया गया. घटना के पीछे भूमि विवाद बताया जा रहा है. पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और जल्द ही दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.

पलामू में नाबालिग को भगा ले जाने के आरोपी को भेजा जेल

पलामू। जिले के तरहसी थाना क्षेत्र के पाठक पगार पंचायत क्षेत्र की 14 वर्ष की नाबालिग लड़की को प्रेम प्रसंग में शादी की नियत से भगा ले जाने के आरोप में चैनपुर के झरिवा का युवक महफूज अंसारी को गिरफ्तार कर मंगलवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. गत 27 जुलाई की रात में महफूज पाठक पगार की 14 वर्षीया किशोरी को उसके घर से भगा ले गया था.

परिजनों की खोजबीन के क्रम में पता चला कि महफूज अंसारी नाबालिग को भगा ले गया है और इस घटना की जानकारी आरोपित के पिता, मां, बहनोई को भी है. किशोरी का भाई गांव के कुछ लोगों के साथ खोजबीन के क्रम में चैनपुर से झरिवा पहुंचा और आसपास खोजबीन की तो रानीताल डैम के समीप से किशोरी को महफूज के साथ एक ऑटो में पकड़ा और उन्हें लेकर वापस लौट गया. थाने को सुर्पुद कर दिया. किशोरी के पिता ने थाने में महफूज के अलावा अन्य लोगों पर मामला दर्ज कराया था.

कब थमेगा हादसों का सिलसिला ?

रेल हादसों का सिलसिला आखिर कब थमेगा? बारबार हो रहे रेल हादसों ने लोको पाइलटों के उन सवालों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत पर बल दिया है, जिसे राहुल गांधी से दो मुलाकातों में उठाया गया है. रेल हादसे केवल मानवीय भूल नहीं हैं. इसलिए जरूरी है कि इसकी उच्च स्तरीय जिम्मेदारी भी तय की जाए. रेल मंत्रालय को अपनी खामियों को भी गंभीरता से स्वीकार करने की जरूरत है और रेल यात्रियों में भरोसा पैदा करने की भी. देश में लगातार हो रहे रेल हादसों को लेकर विपक्ष ने केंद्र सरकार को घेरना शुरू कर दिया है. ममता बनर्जी ने एक्स पर पोस्ट किया कि आखिर भारत सरकार की संवेदनहीनता का अंत कब होगा? वहीं सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार रेल हादसों का रिकॉर्ड बना रही है. झामुमो और शिवसेना ने भी सरकार पर हमला किया. हर हफ्ते घटनाएं हो रही हैं. विपक्ष का सवाल है कि क्या यही शासन है? हावड़ा-मुंबई मेल झारखंड के चक्रधरपुर डिवीजन में पटरी से उतर गई. कई मौतें और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं. यह बेहद दुखद है. विपक्ष सवाल पूछ रहा है कि रेलवे ट्रैक पर मौत और यात्रियों के घायल होने का यह सिलसिला कब तक चलेगा? सुरक्षा और संरक्षा का इतना बड़ा बजट होने के बाद भी इतने रेल हादसे क्यों हो रहे हैं? आम लोगों को सुविधाएं नहीं मिल रही हैं. आगे ऐसे हादसे न हों, उसके पुख्ता इंतजाम करने की जरूरत है. झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में मंगलवार तड़के ट्रेन नंबर 12810 मुंबई-हावड़ा मेल के 18 डिब्बे पटरी से उतर गए. घटना में दो लोगों की मौत की खबर है. वहीं, 20 यात्री घायल हो गए. कुल घायलों में पांच लोगों को हल्की चोटें आई हैं और उनका घटनास्थल पर ही इलाज कर दिया गया. 2014 से ले कर अब तक 643 रेल हादसे हो चुके हैं. आंकड़े गवाही दे रहे हैं कि रेल संरक्षा में कुछ गंभीर कमियां हैं. इसके साथ ही लोको पाइलटों के काम के घंटे और उनकी सुविधाओं की कमी का सवाल भी है. रेल संचालन को हादसा मुक्त बनाने के लिए जरूरी है कि रेल मंत्रालय दुर्घटनाओं पर एक श्वेत पत्र जारी करे और देश को विश्वास में ले. रेलवे को न केवल अधुनातन बनाने की चुनौती है, बल्कि उसे दुर्घटना मुक्त बनाने का तंत्र भी विकसित करना है. 2 जून 2023 को बालासोर, ओडिशा में हुआ भयावह हादसा देश के हाल के इतिहास में सबसे बड़ा है. यहां तीन ट्रेनों की भीषण टक्कर में 300 से ज़्यादा लोगों की मौत हो गई थी और 1000 से ज़्यादा लोग घायल हुए थे. 29 अक्टूबर 2023 को आंध्र प्रदेश के अलमांडा-कंथकपल्ली में दो पैसेंजर ट्रेनों की टक्कर में 14 यात्रियों की मौत हो गई और कई घायल हुए. हादसे का कारण एक ट्रेन का दूसरी ट्रेन को पीछे से टक्कर मारना बताया गया था. इन बड़ी रेल दुर्घटनाओं से भी सबक नहीं सीखा जा सका है. आमतौर पर हादसों के लिए ड्राइवरों की गलती, रेलवे ट्रैक पर तोड़फोड़, सिग्नलमैन की लापरवाही और मशीनी खराबी बता कर मंत्रालय अपना बचाव कर लेता है. मूल् सवाल पीछे रह जाते हैं.

> रेल संचालन को हादसा मुक्त बनाने के लिए जरूरी है कि रेल मंत्रालय दुर्घटनाओं पर एक श्वेत पत्र जारी करे और देश को विश्वास में ले. रेलवे को न केवल अधुनातन बनाने की चुनौती है, बल्कि उसे दुर्घटना मुक्त बनाने का तंत्र भी विकसित करना है.

सुभाषित

माता मित्रं पिता चेति स्वभावात् त्रितयं हितम्।
कार्यकारणश्चान्ये भवन्ति हितबुद्धयः॥

माता, पिता और मित्र तीनों ही स्वभावतः ही हमारे हित के लिए सोचते हैं, वे हमारे हित करने के बदले में किसी प्रकार की अपेक्षा नहीं रखते. इन तीनों के सिवाय अन्य लोग यदि हमारे हित की सोचते हैं तो वे उसके बदले में हमसे कुछ न कुछ अपेक्षा भी रखते हैं.

दमदार है राहुल का नया अवतार

भाजपा ने जिस शिद्दत के साथ राहुल गांधी को पप्पू की छवि में कैद कर रखा था, राहुल ने उसे फाड़ कर रख दिया है. नये अवतार वाले राहुल गांधी को देखना सुखद है. वह मोदी के सामने ही कहते हैं कि मोदी जी जन्म हुआ ही नहीं, उनका अवतार हुआ है, उनका संबंध सीधे भगवान से है. वह बायोलॉजिकल नहीं हैं. इस अवतार में दम दिखता है.

• देश-काल

आनंद सिंह

आज से दो साल पहले जब मैंने कहीं लिखा था कि राहुल गांधी बदल रहे हैं तो लोगों को मेरी समझ पर शक होने लगा था. एक ने तो यहां तक कहा था कि थोड़ा गांधी खानदान को दोबारा पढ़ लें. अब यह देख कर सुकून हो रहा है कि सावरकर की विचारधारा को मानने का दावा करने वाले वह शख्स राहुल गांधी के वीडियोज को बड़े ध्यान से देख रहे हैं, लेकिन उसमें कहां नुक्स निकालें, ये उनकी खोपड़ी में आ ही नहीं रहा. शायद आइंदा वह गांधी खानदान के योगदान को फिर से पढ़ने का प्रयास करेंगे. तो, राहुल गांधी की इमेज बदल रही है. यह मैं ही नहीं कह रहा. दृष्टि आईएएस कोचिंग के कर्ताधर्ता विकास दिव्यकृति भी कह रहे हैं. विकास दिव्यकृति न तो कांग्रेसी हैं, न भाजपाई और न ही सितारा-हंसिया-धान छाप वाले. वह शुद्ध रूप से शिक्षक हैं, मोटिवेटर हैं. विकास दिव्यकृति ने राहुल गांधी को देखा है, पढ़ा है, जाना है, समझा है. राहुल ही नहीं, उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी, योगी आदित्यनाथ आदि को भी गंभीरता से देखा, पढ़ा, समझा और सुना है. तो, सिर्फ विकास दिव्यकृति ही नहीं, दुनिया भर के टिप्पणीकारों का यह मानना है कि राहुल गांधी की जो पप्पू वाली छवि मोदी सरकार के चंद मंत्रियों-कारपोरेट ने करोड़ों रुपये खर्चने के बाद बनाई थी, वह भारत जोड़ो यात्रा पार्ट वन में बुरी तरह धराशायी हो गई और भारत जोड़ो यात्रा पार्ट टू अथवा न्याय यात्रा में राहुल एक नई छवि के साथ भारत के नौजवानों को लुभा रहे हैं. यह याद रखने वाला तथ्य है कि आइएसडीएस के सर्वे में यूपी में लोकसभा चुनावों के दौरान किये गए सर्वे में उन्हें देश के प्रधानमंत्री के रूप में सबसे ज्यादा वोट मिले थे. वह प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता से भी आगे निकल चुके थे. इससे यह पता चलता है कि उनकी पहले वाली इमेज टूट-फूट कर कबकी बिखर चुकी है और अब एक नई, बहुत ही अग्रेसिव छवि के साथ वह कांग्रेस पार्टी को अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ चला रहे हैं. दरअसल, राहुल कभी पप्पू थे ही नहीं. भाजपा ने उन्हें पप्पू के चोले में कैद किया था. अन्यथा, लोगों को मालूम है कि इधर से आलू डालो और उधर से सोना निकलेगा, किसने कहा था और उसके आगे-पीछे को कैसे कट-पेस्ट करके राहुल गांधी पर चिपकाया गया था. जिन्हें नहीं पता उन्हें अब तो पता हो ही जाना चाहिए कि वह अपने माननीय प्रधानमंत्री का ही स्टेटमेंट था. प्रधानमंत्री पहले भी नाले के गैस से चाय बना कर गुजरातियों को पिलाते रहे हैं, इस तथ्य से शायद ही आप नावाकिफ हों. तो, इस नए राहुल गांधी के अंदर डर नाम की कोई चीज नहीं है. कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत हों या फिर उत्तर प्रदेश प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष विश्वविजय सिंह, इनके डीपी को देखें तो वहां साफ लिखा है-डरो मत. यानी, डरना नहीं है. इसी लोकसभा सत्र में, जब राहुल गांधी को नेता विपक्ष चुना गया तो उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का संबंध सीधे भगवान से है... वह बायोलॉजिकल नहीं हैं... उनका जन्म हुआ ही नहीं...उनका तो अवतरण हुआ है. लोकसभाध्यक्ष ने जब उन्हें टोका तो राहुल गांधी ने उन्हें भी टका सा जवाब दिया कि आप मुझे टोकिये मत. मैं तो वही कह रहा हूं, जो मोदी जी ने अपने श्रीमुख से कहा है. वह यहीं नहीं रुके. उन्होंने लोकसभाध्यक्ष को भी लपेटे में लिया और कहा कि आप डबल स्टैंडर्ड करते हैं. आप मोदी जी के सामने झुकते हैं और मेरे सामने सीना तान कर खड़े हो जाते हैं. प्रधानमंत्री के सामने किसी लोकसभाध्यक्ष को 45 डिग्री तक झुकते देखना बेहद दुखद है. नेता विपक्ष के सामने आप जिस तरीके से सीना तान कर, खड़े होकर हाथ मिलाते हैं, आई टू आई कनेक्ट करते हैं, वैसा ही आपको मोदी जी के साथ भी करना चाहिए. इससे लोकसभाध्यक्ष तिलमिला कर रह गए. हालांकि उन्होंने जवाब भी दिया कि वह बड़ों की इज्जत करते हैं और छोटों से समानता का व्यवहार. ये दो वाकये सिर्फ इसलिए आपको बता रहा हूं, ताकि आप समझ सकें कि राहुल गांधी किसी नशे की हालत में नहीं, अपितु होशो-हवाश में और पूरी जिम्मेदारी के साथ, बिना डरे बोल रहे थे. सत्ता पक्ष की तरफ से थोड़ा विरोध जरूर हुआ, लेकिन बाकी का काम राहुल गांधी के माइक ने किया-सत्ता पक्ष को ठोक कर जवाब दिया गया.

महज 240 सीटें लाने वाली भाजपा का आत्मविश्वास पहले से ही जमीन टेक गया था. उस पर राहुल गांधी ने जिस बेहद तीखे अंदाज में सरकार पर, मोदी पर, अमित शाह पर हमला किया, वह सत्ता पक्ष के पांव उखाड़ने के लिए पर्याप्त था. जो कसर बची, उसे सांसद मनीष तिवारी ने पूरा कर दिया. 10 साल में पहली बार गृहमंत्री अमित शाह को लोकसभाध्यक्ष के सामने घिघियाते हुए देखा गया. उनके बोल अक्षरशः इस प्रकार थेः अध्यक्ष महोदय, मैं इस तरह से नहीं बोल सकता. मुझे इनसे (मनीष तिवारी से) संरक्षण चाहिए. महोदय मुझे व्यवस्था बना करके दीजिए ताकि मैं जवाब दे सकूं. मैं ऐसे इनका जवाब नहीं दे सकता. आपको बता दें कि कांग्रेस के मनीष तिवारी संसद में लगातार बोले जा रहे थे और लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला उन्हें चुप कराकर केंद्रीय गृहमंत्री की ओर बोलने का इशारा कर रहे थे, लेकिन मनीष तिवारी पर इसका कोई असर नहीं हुआ. इसका मतलब क्या हुआ? इसका मतलब यह हुआ कि सरकार में नंबर दो यानी अमित शाह से भी लोकसभा में राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेसी सांसद दो-दो हाथ करने को तैयार थे. अब लगभग पूरी कांग्रेस राहुल के रंग में रंगती जा रही है. यह जरूरी भी है. तो, यह सब हुआ कैसे? यह सब राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, जयराम रमेश, सुप्रिया श्रीनेत और उनकी कोर टीम के प्रयासों का प्रतिफल है. पुराने, डरपोक, दकियानूस विचारों वाले कांग्रेसी नेताओं से राहुल एंड कंपनी ने निजात पा ली है. यह तय हुआ है कि कांग्रेसी आईटी सेल दिन-रात हाई अलर्ट मोड पर रहेगी. रेफरेंस सेक्शन को बेहद मजबूत किया गया है. बाजार के वे लोग, जो कांग्रेस की विचारधारा से रत्ती भर भी जुड़े हुए हैं और आईटी को समझते हैं, उन्हें इस दस्ते में शामिल किया गया है. पहले यह होता था कि भाजपा के आईटी सेल वाले कांग्रेस पर बमबारी करते थे, फिर कांग्रेस वाले जवाब देते थे. अब सीन उल्टा हो गया है. अब कांग्रेस बमबारी करती है और सामने वाला कभी जवाब देता है, कभी नहीं. इसी टीम ने राहुल का मेकओवर किया है, उनकी छवि को सुधारकर रख दिया है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

समाज सुधार और सदाचार

उपदेश मत दो, स्वयं का सुधार कर लो दुनिया स्वतः सुधर जाएगी. हमें जब किसी उपदेशक को टोकना होता है तो प्रायः ऐसे कुटिल मुहावरों का प्रयोग करते है. इस वाक्य का भाव कुछ ऐसा निकलता है जैसे यदि सुधरना हो तो आप सुधर लें, हमें तो जो है वैसा ही रहने दें. उपदेश ऐसे प्रतीत होते है जैसे उपदेशक हमें सुधार कर, सदाचारी बनाकर हमारी सदाशयता का फायदा उठा लेना चाहता है. यदि कोई व्यक्ति अभी पूर्ण सदाचारी न बन पाया हो, फिर भी नैतिकताओ को श्रेष्ठ व आचरणीय मानता हुआ, लोगो को शिष्टाचार आदि के लिए प्रेरित क्यों नहीं कर सकता? ₹पहले स्वयं सुधरो, फिर दुनिया को सुधारना₹ एवं ₹क्या करें दुनिया ही ऐसी है₹. वस्तुतः यह दोनों कथन विरोधाभासी है. या यह कहें कि ये दोनो कथन मायावी बहाने मात्र है. स्वयं से सुधार इसलिए नहीं हो सकता कि दुनिया में अनाचार फैला है, स्वयं के सदाचारी बनने से कार्य सिद्ध नहीं होते और दुनिया इसलिए सदाचारी नहीं बन पा रही कि लोग व्यक्तिगत रूप से सदाचारी नहीं है. व्यक्ति और समाज दोनों परस्पर सापेक्ष है. व्यक्ति के बिना समाज नहीं बन सकता और समाज के बिना व्यक्ति का चरित्र उभर नहीं सकता. ऐसी स्थिति में व्यक्तिगत सुधार के लिए सुधरे हुए समाज की अपेक्षा रहती है और समाज सुधार के लिए व्यक्ति का सुधार एक अपरिहार्य आवश्यकता है. ऐसी परिस्थिति में सुधार की हालत यह है कि 'न नौ मन तैल होगा, न राधा नाचेगी'. तो फिर क्या हो? निस्संदेह सदाचारी के कथनों का अनुकरणीय प्रभाव पडता है. लेकिन यदि कोई मनोबल की विवशता के कारण पूर्णरूपेण सदाचरण हासिल न कर पाए, उसके उपरांत भी वह सदाचार को जगत के लिए अनुकरणीय ग्रहणीय मानता हो. दुनिया में नैतिकताओं की आवश्यकता पर उसकी दृढ आस्था हो, विवशता से पालन न कर पाने का खेदज्ञ हो, नीतिमत्ता के लिए संघर्षरत हो और दृढता आते ही अपनाने की मनोकामना रखता हो, निश्चित ही उसे सदाचरण पर उपदेश देने का अधिकार है. क्योंकि ऐसे प्रयासों से नैतिकताओं का औचित्य स्थापित होते रहता है. वस्तुतः कर्तव्यनिष्ठा और नैतिक मूल्यों के प्रति आदर, आस्था और आशा का बचे रहना नितांत ही आवश्यक है. आज भले एक साथ समग्रता से पालन में या व्यवहार में न आ जाय, यदि औचित्य बना रहा तो उसके व्यवहार में आने की सम्भावना प्रबल बनी रहेगी. समाज से आदर्शों का विलुप्त होना, सदाचारों का खण्डित होना या नष्ट हो जाना व्यक्तिगत जीवन मूल्यों का भी विनाश है.

रोजगार सृजन और बैंकों का फीलगुड

• आर्थिकी

टी.देवीदास

रोजगार सृजन और मध्यम व छोटे उद्योगों (एमएसएमई) को रोजगारों का प्रमुख प्रदाता बनाने के उद्देश्य से केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट भाषण में कहा गया कि 'पीएसयू बैंक बाहरी मूल्यांकन पर निर्भर रहने के बजाय एमएसएमई को ऋण देने के लिए अपनी क्षमता का निर्माण करेंगे.' यह स्पष्ट है कि बैंकों पर एमएसएमई को ऋण देने में वृद्धि करने का दबाव होगा; उन्हें नए ऋण मूल्यांकन मॉडल बनाने के लिए कहा गया है, जैसा कि वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में उल्लेख किया है. इसके अलावा सरकार चाहती है कि बैंक बढ़ी हुई सीमा के साथ मुद्रा ऋण दें. हालांकि इस योजना ने खुद कई सवाल खड़े किए हैं और इसके परिणामों को संदिग्ध माना जाता है.यह हमें उस लंबी कहानी की ओर ले जाता है कि सरकार को बैंकिंग प्रणाली, विशेष रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की किस प्रकार आवश्यकता है और वह उनका किस प्रकार उपयोग करती है तथा उसने इन बैंकों के साथ क्या किया है. बैंकों को मुनाफा कमाना चाहिए, लेकिन मुनाफा ही बैंकिंग का एकमात्र उद्देश्य नहीं हो सकता. हमें सामाजिक लाभ को मापना भी सीखना होगा. अभी भारत में सार्वजनिक क्षेत्र की बैंकिंग 'फील गुड' के दौर से गुजर रही है. 2024 में पीएसयू बैंकों ने 2019 में 0.82 लाख करोड़ रुपये के घाटे के मुकाबले 1.47 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया. प्रतिशत के लिहाज से सकल एनपीए 2019 में 12.03 प्रतिशत से घटकर 2024 तक 3.49 फीसदी हो गया है, जबकि शुद्ध एनपीए 4.95 प्रतिशत से घटकर 0.75 फीसद हो गया है. पिछले वर्ष की तुलना में 2020 में कारोबार में वृद्धि 5.46 प्रतिशत थी, जबकि 2024 में यह 2023 के मुकाबले 12.06 प्रश है. एकमात्र चिंता बाजार हिस्सेदारी है, जो 2019 में 71.1 प्रतिशत थी और 2024 में घटकर 64.40 फीसदी हो गई है.इसका मतलब है कि निजी क्षेत्र के बैंकों की बाजार हिस्सेदारी 28.90 फीसदी से बढ़कर 35.60 प्रतिशत हो गई है और इसके भीतर नई पीढ़ी के निजी क्षेत्र के बैंकों की बाजार हिस्सेदारी 2019 में 23.78 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 31.02 फीसद हो गई है. इस अवधि के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की बाजार हिस्सेदारी 6.70 प्रतिशत कम हो गई है, जो बैंक ऑफ बड़ौदा की बाजार हिस्सेदारी से अधिक है- 6.49 प्रतिशत. इस प्रकार स्पष्ट है कि किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक का निजीकरण किए बिना बैंक ऑफ बड़ौदा के आकार के बराबर बैंकिंग व्यवसाय का निजीकरण हो गया है. 2020 में भारतीय स्टेट बैंक को नई पीढ़ी के निजी क्षेत्र के यस बैंक को संकटग्रस्त बैंक में 11,760 करोड़ रुपए यानी 49 प्रतिशत हिस्सेदारी डालकर उसे बचाने के लिए कहा गया था. 2017-18 में, इसने 6,547 रुपए करोड़ का घाटा और 2018-19 में 862.23 करोड़ रुपए का मामूली लाभ दर्ज किया था. 2020 में यस बैंक में 11,760 करोड़ रुपए का निवेश करने के बावजूद, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया 14,487 करोड़ रुपए का प्रभावशाली लाभ दर्ज करने में सक्षम था. सरकार ने, जो निजीकरण की वकालत कर रही थी और बाजार अर्थशास्त्र की भाषा बोल रही थी, स्वयं स्टेट बैंक को बीमार यस बैंक को बचाने के लिए मजबूर किया लेकिन स्टेट बैंक को 51 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए थोड़ा और निवेश करने की अनुमति नहीं दी. सरकार के विचार में यह कदम अनुत्पादक तथा आत्मघाती साबित होता क्योंकि सरकार तथाकथित सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है. बैंक सीधे उधार देने के बजाय सह-उधार या अप्रत्यक्ष उधार का सहारा लेने के लिए प्रेरित होते हैं. उत्पादों और सेवाओं में नवाचार के नाम पर, एसबीआइ ने ऋण का असाइनमेंट पोर्टफोलियो की बिक्री-खरीद आदि जैसे विभिन्न उपकरण पेश किए हैं ताकि बैंक ओवरहेड लागतों को बचाने के लिए प्रत्यक्ष उधार से बच सकें. यह सब लागत को कम करने में मदद करता है लेकिन अंततः ग्राहक ही भुगतान करता है. सेवा शुल्क में भी बेतहाशा वृद्धि हुई है, साथ ही उन सेवाओं पर भी शुल्क लगाया गया है जो पारंपरिक रूप से मुफ़्त थीं. यह सब लागत को कम करने में मदद करता है, लेकिन अंततः ग्राहक ही भुगतान करता है. सेवा शुल्क में भी बेतहाशा वृद्धि हुई है, साथ ही उन सेवाओं पर भी शुल्क लगाया गया है जो पारंपरिक रूप से मुफ़्त थीं. इस प्रकार अब कम निवल मूल्य वाले ग्राहक जिन्हें जन धन के कार्यान्वयन के साथ बैंकिंग के दायरे में लाया गया था, उन्हें सेवाओं के लिए लागत का भुगतान करना पड़ रहा है और परिणामस्वरूप अब वे इसे छोड़ रहे हैं. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> 2024 में पीएसयू बैंकों ने 2019 में 0.82 लाख करोड़ रुपये के घाटे के मुकाबले 1.47 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया. प्रतिशत के लिहाज से सकल एनपीए 2019 में 12.03 प्रतिशत से घटकर 2024 तक 3.49 फीसदी हो गया है, जबकि शुद्ध एनपीए 4.95 प्रतिशत से घटकर 0.75 फीसद हो गया है.

विविधता ही है भारत की मूल चेतना

• विमर्श

विश्वनाथ सचदेव

शेक्सपियर तो लिख गये कि क्या रखा है नाम में, पर उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में शुरू हुआ नाम का विवाद थमने का नाम ही नहीं ले रहा. उत्तर प्रदेश की सरकार ने आदेश निकाला था कि कांवरियों की यात्रा के मार्ग में पड़ने वाली खाने-पीने के समान की सभी दुकानों, रेहड़ी वालों, ठेले वालों को अपनी दुकान के बाहर मालिक का, और वहां काम करने वाले सभी लोगों का, नाम लिखकर लगाना होगा, ताकि उन दुकानों आदि से सामान खरीदने वालों को यह पता रहे कि वह किस धर्म को मानने वाले से सामान खरीद रहे हैं! तर्क यह दिया जा रहा है कि सवाल कांवरियों की आस्था की शुचिता का है !लेकिन सवाल यह उठ रहा है कि यह वार्षिक यात्रा, या देशभर में इस तरह की धार्मिक यात्राएं तो न जाने कब से चल रही हैं, आज तक तो किसी की धार्मिक आस्था को चोट नहीं पहुंची, फिर अचानक कांवरियों को लेकर यह विवाद क्यों? प्रशासन की तरफ से कहा यह जा रहा है कि यह सब 18 साल पहले के एक कानून के अनुसार किया जा रहा है. तत्कालीन सरकार ने इस आशय का कानून पारित किया था, जो अब लागू किया जा रहा है, इसलिए इसे लेकर विवाद नहीं होना चाहिए. लेकिन विवाद हो रहा है, सड़क से लेकर संसद तक, और उच्चतम न्यायालय में भी विवाद की गूंज पहुंची है. ऐसा नहीं है कि हमारे देश में धर्म के नाम पर विवाद नहीं छिड़े. इस संदर्भ में बहुत कुछ अप्रिय हुआ है देश में, हिंदू और मुसलमान को लेकर अक्सर सवाल उठाये जाते रहे हैं. कभी पूजा स्थल को लेकर, कभी पूजा-अर्चना की पद्धति को लेकर और कभी कथित धार्मिक पहनावे के नाम पर अलग-अलग उद्देश्यों की पूर्ति के लिए देश में सांप्रदायिकता की आग भड़कायी गयी है. सवाल नाम से पहचान का भी नहीं है, सवाल उस मानसिकता का है जो धर्म के नाम पर समाज को बांटने में विश्वास करती है. उस घटिया राजनीति का है जो धर्म के नाम पर वोट मांगने में किसी प्रकार की लज्जा अनुभव नहीं करती. अभी हाल में बंगाल में भाजपा के नेता शुभेंदु अधिकारी ने यह घोषणा करने में तनिक हिचकिचाहट नहीं दिखाई कि हमें (अब) 'सबका साथ, सबका विकास' की कोई आवश्यकता नहीं है. उन्होंने बंगाल की एक सभा में यह कहना ज़रूरी समझा कि जो हमारे साथ हैं हम उनके साथ हैं. उन्होंने यह भी स्पष्ट करना ज़रूरी समझा कि भाजपा को अपना अल्पसंख्यक मोर्चा बंद कर देना चाहिए. यह बात दूसरी है कि इस 'गर्जना' के कुछ ही घंटे बाद उन्हें शायद भाजपा आलाकमान के आदेश पर यह स्पष्टीकरण देना पड़ा कि उनके कहने का गलत अर्थ लगाया गया है.प्रधानमंत्री को तब विरोध करना चाहिए था जब सबका साथ, सबका विकास के उनके नारे को नकारा गया. बंगाल के उस भाजपाई नेता के कथन पर भाजपा का कोई बड़ा नेता कुछ नहीं बोला, यह बात रेखांकित होनी चाहिए. यह भी रेखांकित होना चाहिए कि कांवरियों की आस्था की पवित्रता के नाम पर देश में अनावश्यक विवाद खड़ा किया जा रहा है. न्यायालय ने अपने विवेक से इस बारे में उचित निर्णय लिया. लेकिन एक निर्णय इस देश की जनता को भी लेना है— उन सारी ताकतों को असफल बनाने का निर्णय जो हमारी सामाजिक समरसता को बिगाड़ने पर तुली हैं. हमारी गंगा-जमुनी सभ्यता ने हमें एक ऐसे समाज के रूप में विकसित होने का अवसर दिया है जहां मनुष्य को उसकी धार्मिक आस्था के आधार पर चिह्नित किए जाने का कोई स्थान नहीं है. यही हमारा वह संविधान भी कहता है, जिसकी शपथ हमारे निर्वाचित प्रतिनिधि लेते नहीं थकते. शपथ लेना ही पर्याप्त नहीं है, शपथ के विश्वास को प्रमाणित करना भी ज़रूरी है. यह काम कथनी और करनी की एकरूपता से ही हो सकता है. संविधान को माथे से छुआने से नहीं, उसके अनुरूप आचरण करने से संविधान के प्रति निष्ठा प्रमाणित होती है. धार्मिक त्योहारों को मिल-जुलकर मनाने की हमारी लंबी परंपरा रही है. हम ईद और दिवाली मिलकर मनाने में विश्वास करते हैं. एक-दूसरे की आस्था-परंपरा का सम्मान करना इसी विश्वास का एक हिस्सा है. रहा सवाल सामिष और निरामिष भोजन का तो यह काम खाने-पीने की जगह पर स्पष्ट सूचित करने से हो सकता है. 'हिंदू पानी और मुस्लिम पानी' जैसी कोई व्यवस्था रिश्तों को बिगड़ने का काम ही करेगी. जरूरत देश की जनता के बीच रिश्तों को मज़बूत बनाने की है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> ऐसा नहीं है कि हमारे देश में धर्म के नाम पर विवाद नहीं छिड़े. इस संदर्भ में बहुत कुछ अप्रिय हुआ है देश में, हिंदू और मुसलमान को लेकर अक्सर सवाल उठाये जाते रहे हैं. कभी पूजा स्थल को लेकर, कभी पूजा-अर्चना की पद्धति को लेकर और कभी कथित धार्मिक पहनावे के नाम पर अलग-अलग उद्देश्यों की पूर्ति के लिए देश में सांप्रदायिकता की आग भड़कायी गयी है.

मीडिया में अन्यत्र

शांति के लिए तरस रहा है पश्चिमी एशिया

गोलान की पहाड़ियों में स्थित मजदल शम्स के एक फुटबॉल मैदान पर एक रॉकेट हमले में 12 युवा मारे गए. इस हमले ने पश्चिम एशिया को एक व्यापक युद्ध के कगार पर पहुंचा दिया है. इजराइल और संयुक्त राज्य अमेरिका ने इस हमले के लिए ईरान समर्थित लेबनान के शक्तिशाली शिया मिलिशिया हिजबुल्लाह को दोषी ठहराया है. हिजबुल्लाह, जिसने शुरू में निकट के माउंट हर्मन में एक इजराइली सैन्य चौकी पर रॉकेटों से हमला करने का दावा किया था, ने बाद में इस घटना में किसी भी भूमिका से इनकार किया. लेकिन इजराइल ने हिजबुल्लाह के दावों को स्वीकार नहीं किया है और वह जवाबी हमले की तैयारी कर रहा है. दिनांक 7 अक्टूबर, 2023 से, जिस दिन हमास ने इजराइल में सीमा पार से हमला किया था और जिसमें अनुमानित रूप से 1,200 लोग मारे गए थे, हिजबुल्लाह के साथ इजराइल की उत्तरी सीमा पर धीमी गति से एक युद्ध चल रहा है. जब हमास के हमले के बाद इजराइल ने गाजा युद्ध शुरू किया, तो हिजबुल्लाह ने अपने गढ़ दक्षिणी लेबनान से रॉकेट हमले शुरू कर दिए और इन हमलों में ज्यादातर इजराइल के कब्जे वाले शेबा फार्म्स या उत्तरी इजराइल के ऊपरी गलीली क्षेत्र में इजराइल की सैन्य चौकियों को निशाना बनाया गया. हिजबुल्लाह के हमलों ने लगभग 60,000 इजरायलियों को ऊपरी गलीली इलाके से भागने के लिए मजबूर किया. जवाबी कार्रवाई में, इजरायली बलों ने लेबनान के अंदर हवाई हमले किए. हिजबुल्लाह ने दावा किया कि वह फिलिस्तीनियों के साथ "एकजुटता में" इज़राइल से लड़ रहा है, जबकि इजराइल के नेतृत्व ने कहा कि हिजबुल्लाह के किसी भी हमले को बख्शा नहीं जाएगा. हालांकि, दोनों पक्ष, हाल तक, इस बात को लेकर सतर्क थे कि संघर्ष को पूर्ण युद्ध में तब्दील न होने दिया जाए. लेकिन ऐसा लगता है कि मजदल शम्स के हमले ने युद्ध के उन अलिखित नियमों को तोड़ दिया है.हिजबुल्लाह का यह दावा कि वह उक्त हमले में शामिल नहीं था, को हल्के में नहीं लिया जा सकता. यह संभव है कि इस समूह ने 1967 से इजराइल के अवैध कब्जे वाले गोलान की पहाड़ियों में स्थित आईडीएफ की चौकियों को निशाना बनाया हो और रॉकेट फुटबॉल मैदान पर गिरा हो, लेकिन फिर भी जिम्मेदारी मिलिशिया की है. इजराइल के हाथ भी पाक-साफ नहीं हैं. आईडीएफ, जिसके गाजा अभियान में हजारों फिलिस्तीनी नागरिक मारे गए हैं, ने लेबनान के नागरिक इलाकों में भी हमले किए हैं. हिजबुल्लाह और इजराइल ने आखिरी बार 2006 में एक पूर्ण युद्ध लड़ा था और इसका अंजाम यहूदी राष्ट्र के लिए अच्छा नहीं रहा था. हिजबुल्लाह 18 साल के कब्जे के बाद इजराइल को दक्षिणी लेबनान से हटने के लिए मजबूर करने का श्रेय भी लेता है. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

निसार/निस्सार/निस्तार

फिल्म दुश्मन का यह गाना आपने जरूर सुना होगा-सच्चाई छुप नहीं सकती बनावट के उसूलों से, के खुशबू आ नहीं सकती कभी कागज के फूलों से, मैं इंतजार करूं ये दिल निसार करूं....इस गाने में एक शब्द को छोड़कर कोई ऐसा शब्द नहीं है, जिसका मतलब आपको समझ में नहीं आया होगा. वह शब्द है निसार. संकोचवश यह कहने में दिक्कत हो रही है कि मैं भी लंबे समय तक इसका मतलब समझ नहीं पाया था. तब इतना ही जानता था कि मुस्लिम समाज में लड़कों का नाम निसार रखा जाता है. गांवों से लेकर शहरों तक सैकड़ों की संख्या में निसार भाई मिल जाते हैं. उनमें जन साधारण से लेकर ऊंचे पदों पर राज करने वाले निसार भाई भी हैं. तो मैंने जब कोशिश की तो शब्दकोशों से पता चला कि निसार हिंदी भाषा का भी शब्द है और अरबी का भी. दोनों स्थितियों में निसार संज्ञा पुल्लिंग ही है. हिंदी वाले निसार का मतलब समुदाय या समूह होता है, जबकि अरबी भाषा मूल के निसार का मतलब है बलि, कुर्बानी, सदका, न्योछावर, मुग्ध, मुगलकालीन एक सिक्का जो रुपये के चौथे हिस्से के बराबर होता था. संस्कृत भाषा से हिंदी में आया एक शब्द है निस्सार. यह दो शब्दों के संयोग से बना है-निः+सार. इसमें निः उपसर्ग है. यह उपसर्ग जिस शब्द के साथ जुड़ता है, उसका अर्थ नकारात्मक हो जाता है.निस्सार शब्द का मतलब है, वह जिसका कोई सार न हो. यानी बेकार हो, जो किसी काम का नहीं हो. हिंदी में संस्कृत से आया एक ऐसा ही शब्द है निस्तार. यह संज्ञा पुल्लिंग शब्द है और इसका मतलब है तैर कर पार होने की क्रिया या भाव, बंधन या संकट से बचकर निकलने की क्रिया, छुटकारा, उद्धार, मुक्ति, काम पूरा करके उससे छुट्टी पाना, अभीष्ट की प्राप्ति या सिद्धि, शौच आदि के लिए जाना, उपाय, ऋण आदि से छुटकारा. बंधनों से छुटकारा दिलानेवाले को निस्तारक कहते हैं.

एक बेचारे लेखक का सम्मान

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

जितने लोग भी संसार में चतुर हैं, उन सबको पता है कि आजकल सम्मान का मतलब अस्सी रुपए का शॉल और चालीस रुपए का सम्मान-पत्र होता है. किसी के भी ऊपर एक सौ बीस रुपए खर्च करके आप उसका सम्मान कर सकते हैं. आयोजक बजट के हिसाब से दो, चार या कई बार दस-बीस लोगों को भी सम्मानित कर देते हैं. जिसको सम्मानित किया जाता है वह क्योंकि लेखक होता है, अतः संवेदनशील प्राणी होता है. जब उससे कहा जाता है कि हम आपको सम्मानित करना चाहते हैं, तब उसका ध्यान मात्र एक सौ बीस रुपए के खर्च की तरफ नहीं जाता. वह स्वयं को सम्मानित होते हुए देखना अपने जीवन की एक अमूल्य निधि समझता है. वह इसे अनमोल वस्तु मानता है. उसकी समझ में ही नहीं आता कि आयोजक उसे चार घंटे बिठाकर सिर्फ एक सौ बीस रुपया खर्च करना चाहते हैं. दिहाड़ी का मजदूर भी एक सौ बीस रुपए में चार घंटे बैठने के लिए नहीं मिलेगा. लेकिन लेखक की नजर में क्योंकि सम्मान ग्रहण करना जीवन की अनमोल वस्तु होती है; वह अत्यंत भावुक भाव-मुद्रा में चार घंटे बैठा रहता है. सम्मान प्रदान करने में चार घंटे नहीं लगते, लेकिन आयोजक सम्मानित लेखक को समय से दस मिनट पहले बुलाते हैं. कहते हैं -"आपको मंच पर बैठाना है. आपका सम्मान होना है . अतः आपको समय पर आना ही पड़ेगा." जैसा कि आमतौर पर होता है, आयोजन के ठीक समय पर बैनर लगना शुरू होता है. अगर कुर्सियां आ गई हैं तो उनकी धूल साफ करके बिछाने का कार्य होता है . कई बार कुर्सियां आयोजन के ठीक समय पर टेलीफोन से तकादा करके टेंटवाले से मंगवाई जाती है. अनेक बार माइक की समस्या आती है. कार्यक्रम रुका रहता है. कई बार जब तक सारे सम्मानित व्यक्ति एक साथ इकट्ठा न हो जाएं, तब तक कार्यक्रम रुका रहता है. सबसे ज्यादा कार्यक्रम इस कारण से देर होता है कि समारोह के अध्यक्ष महोदय देर से पधारते हैं. उनका इंतजार करना आयोजकों की विवशता होती है. अनेक बार आयोजन का सारा खर्चा अध्यक्ष जी के भारी भरकम व्यक्तित्व से ही व्यय होता है. कई बार अध्यक्ष जी स्वयं में इतना भारी-भरकम व्यक्तित्व होते हैं कि उनके बगैर आयोजन एक कदम आगे नहीं बढ़ सकता. कारण कुछ भी हो, आयोजन एक घंटे विलम्ब से पहले शुरू नहीं होता. दो घंटे विलंब से शुरू होना भी कोई असामान्य बात नहीं होती. शुरू होने के बाद भी आधे घंटे तक अध्यक्ष और मुख्य अतिथि आदि को माल्यार्पण चलता रहता है. जिस व्यक्ति के कर-कमल से फूलमाला अध्यक्ष जी को पहनाई जाती है, उसके कर-कमल भी धन्य हो जाते हैं. घंटों इंतजार के बाद जब कार्यक्रम समाप्ति की ओर होता है और मुश्किल से जितने लोग मंच पर बैठे होते हैं उससे भी कम लोग सामने श्रोताओं के रूप में उपस्थित रह जाते हैं; तब जाकर लेखन का सम्मान किया जाता है अर्थात उनके गले में अस्सी रुपए का शॉल और चालीस रुपए का सम्मान-पत्र थमा दिया जाता है.

प्रासंगिक प्रेमचंद

प्रेमचंद जयंती (31 जुलाई) पर विशेष

कहानियों से कितनी अलग है प्रेमचंद की लमही

जिस मिट्टी ने दुनिया के महान कथाकार को गढ़ा, वहां की आबोहवा में साहित्य की खुशबू फ़ैल पाती तो आज लमही एक तीर्थ से कम न होता. सरकारी प्रयास सिर्फ सड़क, भवन और स्वागत द्वार बनाने तक सिमित न होकर नई पीढ़ी में साहित्य के प्रति जिज्ञासा और रुचि पैदा करने तक जाते तो लमही अपने वास्तविक अर्थ को हासिल कर पाती. सरकारी प्रयासों के साथ-साथ देश के साहित्य जगत की भी जिम्मेवारी है कि लमही को साहित्य का तीर्थ कैसे बनाया जाए, इस दिशा में मंथन एवं सार्थक प्रयास हो. कम से कम लमही तो एक ऐसा गांव जरूर बन सकता है, जहां हर घर में किताबों की अलमारियां हों, हवाओं में साहित्य का रस घुला हो और जहां की मिट्टी से कलम के नवांकुर फूटते हुए दृष्टिगोचर हों.

लमही से लौटकर सुशील स्वतंत्र की खास रिपोर्ट...

सुशील स्वतंत्र
रामगढ़

आज अगर आप प्रेमचंद के गांव लमही जाते हैं तो गांव में प्रवेश करने से पहले ही प्रेमचंद स्मृति स्वागत द्वार पर आपको उनकी कहानियों के चर्चित पत्रों घीसू, होरी, माधो और धनिया की प्रतिमाएं अपने किरदार वाली मुद्राओं में आपका स्वागत करते हुए मिल जाएंगीं. लमही गांव कितना बदला है, या गांव की हकीकत प्रेमचंद की कहानियों के गांव से कितनी जुदा है, यह सब आपको लमही में घूमने से पता चल जाएगा. गांव में आज भी एक तरफ प्रेमचंद की कहानियों की सामाजिक विषमता की झलक देखने को मिल जाएगी तो दूसरी तरफ आधुनिकता की बयार भी आपको छूते हुए गुजर जायेगी. उत्तर प्रदेश सरकार ने लमही को बनारस जिले का पहला ई-विलेज घोषित किया था. सरकार का दावा था कि लमही में हर परिवार का पूरा विवरण डाटा बैंक में होगा. आय, जाति, निवास प्रमाणपत्र हो या खसरा-खतौनी जैसे अन्य सरकारी दस्तावेज के लिए किसी बुधिया, होरी, धनिया, घीसू, माधो को तहसील और कलेक्ट्रेट का चक्कर नहीं काटना पड़ेगा. सारी सुविधाएं ग्राम पंचायत भवन से ही उनको मिल जाएंगीं. इसके लिए वहां जाकर सिर्फ अपना नाम बताना होगा और तुरंत सारा विवरण प्रिंट करके और हस्ताक्षर करके तत्काल उपलब्ध करा दिया जाएगा. सरकारी दावों पर यकीन करें तो लगता है कि अब लमही के दिन भी फिरने वाले हैं.

प्रेमचंद स्मारक और पुस्तकालय

गांव में घुमने पर आपको आज आधुनिक घर भी देखने को मिलेगें और फूस की झोंपड़ी भी, जिसे स्थानीय लोग मड़ई कहते हैं. कुछ खपरैल मकान अब भी यहां दिख जाते हैं. गांव में प्रवेश करते ही रोज सुबह लगने वाली स्थानीय सब्जी मंडी दिखेगी और कुछ दूर चलते ही आएगा मुंशी जी का पोखरा यानी तालाब. इसी पोखरे के पास दिखाई देगा मुंशी प्रेमचंद का पैतृक आवास, जहां से उन्होंने न जाने कितनी कालजयी कृतियों की रचना की. आज इस स्थान पर मुंशी प्रेमचंद स्मारक और पुस्तकालय का परिसर बना है, जिसमें कुछ पुस्तकें रखी गई हैं और प्रेमचंद की एक पाषाण प्रतिमा लगाई गई है. लंबी प्रतीक्षा के बाद गांव में मुंशी प्रेमचंद शोध एवं अध्ययन केंद्र की इमारत भी बनकर तैयार हो गया है. आमतौर पर साल भर यहां सन्नाटे जैसा माहौल रहता है. इस पूरे परिसर की देखभाल और रखरखाव एक समर्पित प्रेमचंद प्रेमी सुरेश चन्द्र दुबे नाम के सज्जन करते हैं. अगर वे न हों, तो प्रेमचंद स्मारक में कोई आने-जाने वाला भी न बचे. प्रेमचंद स्मारक की गतिविधियों को लेकर सुरेश चन्द्र दुबे का साक्षात्कार अनेक चैनलों, अखबारों और वेब पोर्टल्स पर प्रकाशित हो चुका है.

एक दिन का मेला, शेष दिन साहित्यिक सन्नाटा

पूरे लमही में आमतौर पर कायम रहने वाला साहित्यिक सन्नाटा साल में एक दिन उत्सव में बदल जाता है. वह विशेष दिवस होता है 31 जुलाई, मुंशी प्रेमचंद जी की जयंती. इस दिन लमही में मेला लगता है. इस भव्य मेले में देश-दुनिया से साहित्यकार, रंगकर्मी, गायक, कवि, पत्रकार, चित्रकार, बुद्धिजीवी और शोधकर्ताओं की भारी भीड़ जुटती है. इस दिन लमही में महानुष्ठान जैसा माहौल होता है. प्रेमचंद जयंती पर लमही में रंगकर्मियों का भी विशेष मज़मा लगता है. कलाकार और साहित्यकार अपने प्रिय कथाकार को याद करने के लिए नाटक, गोष्ठी और परिचर्चाएं आयोजित करते हैं.

जयंती से चार दिन पहले कट गई थी उनके घर की बिजली

उस एक दिन के बाद फिर लमही को पूरे साल उसी के हाल पर हाल पर छोड़ दिया जाता है. यह एक रवायत की तरह पिछले कई वर्षों से चला आ रहा है. यह कहा जा सकता है कि तमाम घोषणाओं के बावजूद मुंशी प्रेमचंद का घर और गांव आज भी उपेक्षा का शिकार है. मुंशी जी की जयंती पर उनके पात्र होरी, माधो, धनिया, घीसू की गहरी संवेदना से जुड़े कलाकार नाटक के जरिए उन्हें याद कर करते हैं और सरकारी महकमों द्वारा फ़र्ज़ अदायगी के लिए टेंट भी लगा दिया जाता है लेकिन जयंती के बाद लमही के लोगों की सुध लेने कोई नहीं पहुंचता है. एक बार तो प्रेमचंद जयंती के चार दिन पहले ही प्रेमचंद जी के घर की बिजली इसलिए काट दी गई क्योंकि चौदह साल से बिल का भुगतान नहीं हुआ था. जब यह खबर मीडिया में आई तो आनन-फानन में बिजली जुड़वा दी गई. कोई विभाग इसकी जिम्मेदारी नहीं ले रहा था. पहले यह मकान और प्रेमचंद जी का स्मारक नागरी प्रचारिणी सभा के पास था. फिर उसने नगर निगम को दे दिया. नगर निगम ने भी बाद में यह भवन वाराणसी विकास प्राधिकरण को देकर अपना पल्ला झाड़ लिया. अब जब यह विवाद सामने आया है तो इसे जिलाधिकारी ने इस परिसर को संस्कृति विभाग को सौंप दिया. अब इस गांव को गोद लेकर इसे देश के बड़े फलक पर लाने की योजना बनाई जा रही है.

यहां की नई पीढ़ी में नहीं दिखते प्रेमचंद के संस्कार

मड़ई (फूस की झोपड़ी) और पोखर (तालाब) वाली लमही में दो-तीन मंजिला मकानों और दुकानों ने भी अपनी जगह बना ली है. घरों में मार्बल और टाईल्स के फर्श बनने लगे हैं. पांडेपुर से लमही तक की सड़क पर नज़र डालें तो बाज़ारवाद के पसराव (फैलाव) का आभास हो जाता है. गांव में लिट्टी-चोखा और गोलगप्पे के साथ-साथ चाउमीन, मोमोज और एगरोल के फ़ूड स्टाल भी खूब फल-फूल रहे हैं. एक महान साहित्यकार की जमीन से साहित्य की कोई कलकल धारा आज फूट रही हो, ऐसा लमही में घूमने से महसूस नहीं होता है. वहां के निवासियों के बीच साहित्य बातचीत और विमर्श का केन्द्रीय बिंदु नहीं है और न ही नई पीढ़ी में कोई लिखने-पढ़ने वाला साहित्यकार लमही की उर्वरक जमीन से अंकुरित हो पाया है. वहां बच्चों को प्रेमचंद के बारे में बहुत ही सतही जानकारी है और बहुत कम बच्चों ने प्रेमचंद के समृद्ध साहित्य को पढ़ा है. लमही के आस-पास अंग्रेजी माध्यम के विद्यालय खुल गए हैं. लमही नाम से ही हिंदी की एक साहित्यिक पत्रिका का प्रकाशन होता है लेकिन इसका प्रकाशन, मुद्रण और सम्पादकीय कार्य लमही से नहीं होता है.

साहित्यिक हलचल से बेखबर

लेखन-पठन के क्षेत्र में अब लमही में कोई क्रांतिकारी या आशान्वित करती ही तस्वीर नज़र नहीं आती है. नया लमही बाजारवाद और चमकदार भौतिकतावाद के गहरे प्रभाव से ग्रसित दिखता है. युवाओं में साहित्य को लेकर सामान्यतः अरुचि ही देखने को मिलती है. बहुत ढूंढने पर एक असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रीता गौतम के बारे में पता चला, जो लमही गांव की ही निवासी हैं. वे 'बेड़ियाँ तोड़ती औरतें' शीर्षक से एक पुस्तक का लेखन कर रही हैं, जिसमें साधारण महिलाओं की असाधारण उपलब्धियों की कहानियों को संकलित किया जा रहा है. उन्होंने बातचीत के दौरान कहा - "वर्तमान में लमही में कोई साहित्यिक समूह सक्रिय नहीं है. एक प्रेमचंद जी के आवास से संचालित पुस्तकालय है जो नियमित तौर पर खुलता है, बस, इसके अलावा कहीं कोई विशेष साहित्यिक हलचल गांव में देखने को नहीं मिलती है."

उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की मृत्यु के करीब नौ दशक गुजरने वाले हैं. पर उनकी कालजयी रचनाएं आज भी चर्चा में हैं और प्रासंगिक भी. हिंदी साहित्य पढ़ने की शुरुआत करने वाली नई पीढ़ी आज भी ज्यादातर प्रेमचंद के उपन्यासों को ही अपनी पहली सूची में शामिल करती हैं. वक्त के साथ तमाम बदलाव के बावजूद इस पसंद और प्रासंगिकता का रहस्य कहानी के कथ्य, शैली, भाषा आदि के साथ उसके चरित्रों के चित्रण में भी है जो हमारे मन-मस्तिष्क को झकझोरते हैं, उद्वेलित करते हैं और किताब के पन्नों को बंद कर देने के बाद भी अरसे तक दिल के कोने में अपनी जगह बनाए रखते हैं. आज हमने कुछ साहित्यकारों से प्रेमचंद्र के ऐसे ही चरित्र पर की चर्चा.

" मेरे अधिकांश पात्र यर्थाथ जीवन से लिए गए हैं. जब किसी पात्र का यथार्थ में अस्तित्व नहीं होता, तब वह छाया मात्र, अनिश्चित व अविश्वसनीय हो जाता है. "

- प्रेमचंद

" मैं अपने उपन्यास को मानव चरित्र का चित्र मात्र समझता हूं. मानव चरित्र पर प्रकाश डालना और उनके रहस्यों को खोलना ही उपन्यास का मूल तत्व है. "

- प्रेमचंद

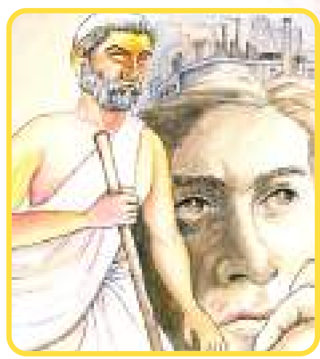

कालजयी हैं प्रेमचंद के सूरदास होरी, हामिद, मंजुला, हीरा, मोती

मुंशी प्रेमचंद के उपन्यास 'रंगभूमी' का अमर पात्र "सूरदास"

डॉ संगीता नाथ
धनबाद

चरित्र निर्माण के संबंध में प्रेमचंद की कला प्रायः यथार्थवादी रही है. ग्रामीण पात्रों का सजीव उद्घाटन और उनका सृजन प्रेमचंद की कला का विशिष्ट गुण है. विशेषकर उनके ' होरी' और सूरदास आदि पात्र साहित्य जगत के वो यादगार पात्र हैं जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता.

प्रेमचंद कृत 'रंगभूमि ' उपन्यास का पात्र सूरदास एक ऐसा अद्वितीय अविस्मरणीय पात्र है जो औदात्य मानवीय गुणों से परिपूर्ण है. वह एक खिलाड़ी है, जो निर्भीक, अपनी धुन का पक्का, सत्यनिष्ठ, न्यायप्रिय, निःप्रिय, शान्त, सेवात्याग-परोपकार आदि स्वभाविक मानवीय गुणों का स्वामी है. यद्यपि वह दृष्टिहीन है पर उसकी अंतःदृष्टि पूर्ण रूपेण जागृत थी. वह शारीरिक दुर्बलता के बावजूद अनुराग पूर्ण हृदय रखता है. वह सच्चे अर्थों में बैरागी है. सत्य अहिंसा, अस्तेय और अपरिग्रह का साक्षात रूप है. वह अशरण-शरण, दीन दुखियों की सहायता करने वाला शत्रु मित्र सभी को एक दृष्टि से देखने वाला है. वह एक फरिश्ता के समान है. वह भगवान कृष्ण के गीता के निष्काम कर्म और प्रज्ञा का व्यवहारिक रूप है. इसीलिए शत्रु हो या मित्र सभी उसकी साधुता और दार्शनिकता को पसंद करते हैं. उसमें प्रतिशोध या वैमनस्य की भावना बिल्कुल नहीं है. वह खेलने आया था और सच्चे एवं पवित्र मन से खेल कर चला जाता है. सूरदास गरीब था, भौतिक साधनों से दूर था पर गुणों से अमीर था. उसकी मृत्यु भी अलौकिक और यादगार बन जाती है. वास्तव में सूरदास की गरीबी में आत्मिक विजय का गौरव था. सूरदास का चरित्र उन मानवीय गुणों का अथाह सागर है जिसकी गहराई की माप कदाचित संभव नहीं है.

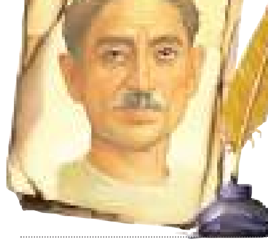

(संदर्भ- हिंदी साहित्य कोश भाग-2, वृहत साहित्यिक निबंध)

समाज के ठेकेदारों के मुंह पर एक करारा जवाब है मंजुला

डॉ. कल्याणी कबीर
जमशेदपुर

प्रेमचंद की रचनाओं में स्त्री पात्र की अगर बात करें तो इन्होंने हमेशा स्त्रियों के अस्तित्व और संघर्ष को समय से आगे जाकर समझा है और लिखा भी है. इनकी स्त्री पात्र अपने समय की संकुचित सोच और परिधि से बाहर जाकर अपनी भूमिका को विस्तार देती दिखाई देती हैं. प्रेमचंद रचित हर कहानी और उपन्यास ने इस सत्य को मजबूती प्रदान की है कि समाज में स्त्रियों का स्वतंत्र अस्तित्व है. गंभीर और ईमानदार दृष्टि से इन्होंने स्त्रियों के जीवन संघर्ष को देखा है.

हम बात अगर उनकी लिखी कहानी ₹रहस्य₹ की स्त्री पात्र मंजुला की करें तो मंजुला एक बिंदु पर तो काफी उलझी हुई, शांत और समझदार महिला है पर इसके साथ ही पूरी कहानी में गाहे बगाहे विद्रोह के स्वर भी उसके व्यवहार में नजर आते हैं.

अपने पति मिस्टर मेहरा के साथ रहते हुए विचारों में बेमेल होने के कारण जीवन से उसका मन विरक्त होता जा रहा था और जिस संबंध में मन न हो वहां उत्साह और उल्लास भी नहीं दिखाई देता. इस दिखावे को ढोने के बजाय वह अपने पति से अलग होकर जीवन यापन का लक्ष्य तलाशने लगती है. अपने अंदर उपज रहे मानसिक विद्रोह को दबाकर मंजुला अपने अंदर की ऊर्जा और उद्देश्य को ढूंढने के क्रम में सेवाश्रम से जुड़ती है जहां महिलाओं की देखभाल की जाती है. वहीं उसकी मुलाकात विमल से होती है. दोनों सेवाश्रम के लिये साथ काम करते हुए एक दूसरे को सम्मान भी देते हैं और एक दूसरे की चिंता भी करते हैं.

पर मंजुला और विमल के संबंध में भी आत्म स्वाभिमान और अन्य विषयों को लेकर उतार-चढ़ाव का सिलसिला चलता रहता है. एक मोड़ ऐसा आता है जब मंजुला सेवाश्रम का भी त्याग कर देती है और फिर एक नई दिशा की ओर निकल पड़ती है. दरअसल मंजुला को किसी पुरुष के साथ की तलाश नहीं रहती बल्कि वह एक शांत और संतुष्ट जीवन जीना चाहती है.

मंजुला का सशक्त व्यक्तित्व निश्चित रूप से परंपरा या पितृसत्ता के हाथों अपने अस्तित्व को मिटाने के लिए तैयार नहीं है. कदाचित इसलिए वह कहीं भी गलत समझौते के लिए तैयार नहीं होती और अपनी दिशा मोड़ कर अपनी राह चल पड़ती है. स्त्रियों के धैर्य, त्याग, सहनशीलता, क्षमा, दया इत्यादि गुणों को स्त्रियों के खिलाफ ही ट्रंप कार्ड बनाकर खेलने वाले समाज के ठेकेदारों के मुंह पर एक करारा जवाब है मंजुला.

मनुष्य की भावनाओं को उद्वेलित करते हैं हीरा और मोती

डॉ कविता विकास
धनबाद

कथा सम्राट प्रेमचंद द्वारा रचित कहानियों और उपन्यासों की एक बृहद श्रृंखला है और हर कहानी के कोई न कोई पात्र दिल के इतने करीब होते हैं कि आदमी चाह कर भी नही भूल सकता है. ' दो बैलों की कथा ' कहानी में हीरा और मोती दो बैल पशु रूप में भी मनुष्य की भावनाओं को उद्वेलित करते हैं और अपने मालिक के प्रति निष्ठा, साहस और अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठाने की प्रेरणा देते हैं. ये दोनो मेरे प्रिय पात्र हैं. मुझे इनमें से मोती अपने उग्र और विद्रोही स्वभाव के कारण ज्यादा प्रिय है क्योंकि वह यातनाओं को सहने के बदले प्रतिकार के माध्यम से एक बदलाव लाने की चेष्टा करता है. इसी कहानी में एक पात्र है गया, जो झुरी का साला है. इसके घर उन्हें खाने को रुखा - सुखा मिलता है और कभी - कभी तो खाना भी नही मिलता, तब गया की छोटी लड़की जिसकी मां सौतेली होती है वह रात को चुपके से इन्हें रोटी खिला देती है और एक रात उनकी रस्सी खोल देती है ताकि और अत्याचार उनपर न हो सके. पशु होकर भी इस लड़की के प्रति उन्हें सहानुभूति होती है और वहां से भागने के बाद इस लड़की पर क्या गुजरी होगी, सोचकर वे चिंतित हो जाते हैं. यही तो प्रेमचंद की कहानियों की विशेषता है. मानवीय संवेदनाओं को उकेरना, भावनात्मक जुड़ाव, सहज - सरल आत्मीय वर्णन और कथ्य की आकर्षक शैली प्रेमचंद की कहानियों की विशेषताएं हैं और उनके पात्र अपनी अमिट छाप छोड़ देते हैं.

भोलेपन और परिपक्वता का अद्भुत समन्वय है हामिद के चरित्र में

हिमकर श्याम
रांची

प्रेमचंद अपने पात्रों का चरित्र चित्रण बड़े मनोवैज्ञानिक ढंग से करते हैं. प्रेमचंद के पात्र सहज ही पाठक से जुड़ जाते हैं. यही कारण है कि गोदान का होरी, नमक का दारोगा का वंशीधर, गबन का रमानाथ, पूस की रात का हल्कू, कफन का घीसू, ईदगाह का हामिद, सेवासदन की सुमन, निर्मला की निर्मला आदि पात्र काल्पनिक नहीं वास्तविक लगते हैं. इनमें हामिद का पात्र मुझे विशेष रूप से पसंद है. प्रेमचंद्र ने हामिद के जरिए बड़ी कुशलता के साथ बाल्यावस्था की निर्मल, सहज भावनाओं को उकेरा है. हामिद के चरित्र में भोलेपन और परिपक्वता का अद्भुत समन्वय है. हामिद पाठकों की चेतना को झकझोड़ता है और पाठक सहज ही उसके साथ भाव यात्रा करने लगते हैं.

हिंदी में बाल मनोविज्ञान से संबंधित बहुत कम लिखी गई हैं. 'ईदगाह' प्रेमचंद्र की बाल मनोविज्ञान संबंधित उत्कृष्ट रचना है. हामिद इस कथा का नायक है. अन्य बालकों की तरह भोला और सरल तो है, पर उसकी बुद्धि की परिपक्वता विलक्षण है. ईद के मेले में अपने दोस्तों की तरह खिलौना या मिठाई खरीदने की बजाय, दादी के लिए चिमटा खरीदता है जिससे उसकी दादी अमीना रोटी बना सके और उसका हाथ न जले.

चरित्र-चित्रण की दृष्टि से ईदगाह एक श्रेष्ठ कहानी है. यह हामिद और दादी अमीना के भावनात्मक लगाव एवं सरोकार की कहानी है. इसमें हामिद के मनोभावों और परिस्थितियों का सूक्ष्म चित्रण किया गया है. हामिद की सोच, उसकी भावनाएं उसे विशिष्ट बनाती हैं. एक छोटा सा बालक विषम परिस्थितियों में समय से पहले परिपक्व हो जाता है. हामिद का अपनी दादी के प्रति सम्मान है, फिक्र है. वह ईद की खुशी अपनी दादी के साथ बांटना चाहता है और मेले में वह अपनी इच्छा पर संयम रखने में विजयी होता है. हामिद का कार्य कहानी को विशिष्ट कहानी बनाता है और एक आदर्श रचता है. उसके चरित्र में दया, करुणा, सेवा भाव, संवेदनशीलता और परिपक्वता का समावेश है. हामिद का चरित्र कहीं से भी बनावटी या काल्पनिक नहीं लगता. हर बच्चे में हामिद की तरह ही विवेक होना चाहिए ताकि वे हर एक काम के गुण-दोष को देख सकें.

बाजारवाद के खिलाफ खड़ा है प्रेमचंद का हामिद

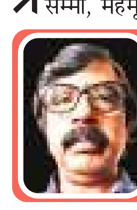

अनुराग अन्वेषी
रांची

प्रेमचंद की कहानी ईदगाह में खूब सजे हुए बाजार हैं. मोहसिन, नूरे, सम्मी, महमूद जैसे बाल चरित्रों को यह बाजार लुभा रहा है, हर बच्चा उत्साहित है. ये बच्चे सारा कुछ खरीद लेना चाहते हैं. तो प्रेमचंद ने अपनी कहानी में जो बाजार रचा, आज के दौर में उस बाजार का रूप बहुत विकराल नजर आ रहा है. खाने-पीने से लेकर टेक्नोलॉजी तक, खेल से लेकर एजुकेशन तक के बाजार बन चुके हैं. और ये सारा कुछ बस एक क्लिक में आपके घर पहुंचने को तैयार है. संभव है प्रेमचंद ने बाजारवाद के इस विकराल रूप को अपने दौर में ही ताड़ लिया हो. इसलिए उन्होंने हामिद जैसे करेक्टर को रचा. हामिद मेरे लिए बहुत महत्त्वपूर्ण चरित्र है. यह बच्चा हर तरह से संवेदनशील है, चीजों की समझ है, उसमें रिश्तों की ऊष्मा है. और सबसे बड़ी बात कि वह बाजार के झांसे से दूर है.

मेरे लिए प्रेमचंद की ईदगाह का हामिद इस बाजारवाद के खिलाफ खड़ा चरित्र है. उसे बाजार की मिठाइयां नहीं लुभातीं, उसे खिलौनों से प्रेम तो है पर वह उसे इस हद तक परेशान नहीं कर पाते कि वह उन्हें खरीदने के लिए उतावला हो जाए. बल्कि वह थीर मन से घर की जरूरतों के बारे में सोचता है और अंततः खरीदता है लोहे का एक चिमटा. इतना ही नहीं वह बहस में अपने साथियों को उनके खिलौने और मिठाइयों की क्षणभंगुरता समझाता है और चिमटे के दीर्घकालिक इस्तेमाल से परास्त करता है. काश कि आज के बच्चे हामिद का और रिफाइंड रूप होते.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

पेरिस ओलंपिक 2024 पदक तालिका

देश	गोल्ड	सिल्वर	कांस्य	कुल
1. चीन	6	5	2	13
2. जापान	6	2	4	12
3. द. कोरिया	5	3	2	10
4. ऑस्ट्रेलिया	5	4	0	9
23. भारत	0	0	2	2

ब्रीफ खबरें

अमित पंघाल को मिली पहले मैच में हार

पेरिस। भारत के अनुभवी मुक्केबाज अमित पंघाल मंगलवार को यहां पेरिस ओलंपिक मुक्केबाजी स्पर्धा में 51 किग्रा वर्ग के राउंड 16 में अफ्रीकी खेलों के चैंपियन जाम्बिया के पैट्रिक चिन्येम्बा से 1-4 से हारकर बाहर गये. अमित पंघाल पुरुषों के 51 किग्रा राउंड ऑफ 16 बाउट में जाम्बिया के पैट्रिक चिनयेम्बा से 1-4 से हार गए. उनको अपने पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा। अमित पंघाल अच्छी शुरुआत नहीं कर पाए थे. उनको पहले राउंड में ही हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद वह कमबैक नहीं कर पाए.

मोहसिन एसीसी के अध्यक्ष बनने को तैयार

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के निवर्तमान अध्यक्ष मोहसिन नकवी एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की 'रोटेशन' नीति के अंतर्गत इस साल के अंत में इसके अगले अध्यक्ष बनने को तैयार हैं. हाल में एसीसी की बैठक में अध्यक्ष पद के मामले पर चर्चा की गई थी जिसमें नकवी अगले प्रमुख बनने की दौड़ में हैं. एक सूत्र ने कहा, 'जब एसीसी इस साल के अंत में बैठक करेगी तो यह पुष्टि करेगी कि नकवी दो साल के कार्यकाल के लिए अगले अध्यक्ष होंगे. ' भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह निवर्तमान एसीसी अध्यक्ष हैं और एक साल का विस्तार मिला था.

पुरुष ओलंपिक ट्रायथलॉन स्थगित

पेरिस। सीन नदी में पानी की गुणवत्ता की चिताओं के कारण मंगलवार को होने वाली पुरुष ओलंपिक ट्रायथलॉन को स्थगित कर दिया गया है. सीन नदी पर इस खेल की तैराकी स्पर्धा का आयोजन किया जाना है. आयोजकों ने कहा कि वे पुरुषों की ट्रायथलॉन को बुधवार को आयोजित करने का प्रयास करेंगे. महिलाओं की प्रतियोगिता भी बुधवार को निर्धारित है, लेकिन इन दोनों का आयोजन पानी की गुणवत्ता पर निर्भर करेगा.मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार, बुधवार और गुरुवार की शाम को तूफान आ सकता है जिससे स्थिति और बिगड़ सकती है.

ओलंपिक में सात माह की गर्भवती ले रही हिस्सा

पेरिस। मिस्र की तलवारबाज नदा हाफेज ने पेरिस ओलंपिक की तलवारबाजी स्पर्धा में हिस्सा लेने के बाद खुलासा किया कि वह सात महीने गर्भवती हैं.सोमवार को महिलाओं की सेबर स्पर्धा में राउंड 16 में पहुंचने के कुछ घंटो बाद हाफेज ने अपने 'इंस्टाग्राम' पर पोस्ट किया कि 'उनके गर्भ में एक लिटिल ओलंपियन' पल रहा है.कैरो की 26 साल की तलवारबाज ने अमेरिका की एलिजाबेथ टार्टाकोवस्की को हराकर उलटफेर किया लेकिन इसके बाद कोरिया की जियोन हेयंग से हार गईं. हाफेज ने लिखा, 'मेरे बच्चे और मैंने अपनी चुनौतियों का सामना किया, भले ही ये शारीरिक और भावनात्मक हों.

एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली बनी पहली भारतीय

मनु भाकर ने रचा इतिहास

एजेंसी।शेटराउ

आत्मविश्वास से भरी मनु भाकर ने स्वतंत्रता के बाद एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रच दिया जिन्होंने सरबजोत सिंह के साथ पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम वर्ग में दक्षिण कोरिया को हराकर कांस्य पदक जीता .

भारतीय जोड़ी ने कोरिया के ली वोन्हो और ओ ये जिन को 16 . 10 से हराकर देश को इस ओलंपिक में दूसरा पदक दिलाया . इससे पहले मनु ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य जीता था . तोक्यो ओलंपिक में मनु पिस्टल में खराबी आने के कारण फाइनल के लिये क्वालीफाई नहीं कर सकी थी लेकिन यहां दो पदक जीतकर उन्होंने हर जख्म पर मरहम लगा दिया . ब्रिटिश मूल के भारतीय खिलाड़ी नॉर्मन प्रिचार्ड ने 1900 ओलंपिक में 200 मीटर फर्राटा और 200 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीते थे लेकिन वह उपलब्धि आजादी से पहले की थी . मनु को अभी 25 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भी उतरना है और उनके पास तीसरा पदक जीतने का भी मौका है. सरबजोत 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत वर्ग में क्वालीफिकेशन में 577 के स्कोर के साथ नौवें स्थान पर रहे थे और फाइनल में जगह नहीं बना सके थे .मनु और सरबजोत ने क्वालीफिकेशन दौर में 580 स्कोर करके कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बनाई थी . मनु ने जीत के बाद कहा ,' मैं बहुत ही गर्व महसूस कर रही हूं . सभी को शुभकामनाओं के लिये धन्यवाद .' उन्होंने कहा ,' हम विरोधी टीम के प्रदर्शन पर नियंत्रण नहीं कर सकते लेकिन अपना प्रदर्शन तो अपने साथ में है . मैने और मेरे जोड़ीदार ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके अंत तक जुझारूपन नहीं छोड़ा .' तोक्यो में मनु और सौरभ चौधरी इस स्पर्धा के फाइनल में क्वालीफाई नहीं कर सके थे और सातवें स्थान पर रहे थे .

अंबाला के निशानेबाज सरबजोत पर व्यक्तिगत वर्ग में नाकाम रहने के बाद अच्छे प्रदर्शन का काफी दबाव था . उन्होंने कहा ,' मुझे अच्छा लग रहा है. मुकाबला काफी कठिन था और काफी दबाव था .' भारत की शुरूआत खराब रही जब सरबजोत का पहला शॉट 8 . 6 रहा लेकिन मनु ने 10 . 2 बनाया . कोरियाई जोड़ी ने कुल 20 . 5 स्कोर करके 2 . 0 की बढत बना ली . मिश्रित टीम वर्ग में पहले 16 अंक तक पहुंचने वाली टीम विजयी रहती है . पहला सेट हारने के बाद मनु ने लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए सिर्फ तीन बार 10 से कम स्कोर किया . इसके बाद से कोरियाई टीम के लिये वापसी करना मुश्किल हो गया था . मनु अब दो अगस्त को 25 मीटर महिला पिस्टल क्वालीफिकेशन के लिय उतरेंगी . उन्होंने 2023 विश्व चैम्पियनशिप और 2022 हांगझोउ एशियाई खेलों में इस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था .बाईस वर्ष की मनु नौ विश्व कप स्वर्ण पदक भी जीत चुकी है. वहीं सरबजोत भी विश्व चैम्पियनशिप, विश्व कप और एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक विजेता है .

- सरबजोत के साथ भारत को दिलाया दूसरा कांस्य
- 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम वर्ग में दक्षिण कोरिया को हराया

टेबल टेनिसः मनिका राउंड 16 में पहुंची, रचा इतिहास

पेरिस। मनिका बत्रा का पेरिस ओलंपिक में दमदार प्रदर्शन जारी है. भारतीय खिलाड़ी ने फ्रांस की प्रीथिका पावड़े को लगातार चार गेमों में हराकर महिला एकल के राउंड 16 में अपनी जगह पक्की कर ली. बत्रा ने 11-9, 11-6, 11-9, 11-7 से राउंड 32 में पावड़े को हराया. अपनी इस जीत के साथ मनिका ओलंपिक में राउंड 16 के दौर में पहुंचने वाली भारत की पहली महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी बन गई हैं.टूर्नामेंट में 18वीं वरीयता प्राप्त और विश्व में 28वें स्थान पर काबिज 2018 राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन मनिका ने इससे पहले पेरिस ओलंपिक में विश्व की 103वें नंबर की खिलाड़ी ग्रेट ब्रिटेन की अन्ना हर्सी पर 11-8, 12-10, 11-9, 9-11, 11-5 अपनी पहली जीत हासिल की थी.मनिका को पहले गेम में बायें हाथ की खिलाड़ी के खिलाफ सामंजस्य बिठाने में परेशानी हुई और यह काफी करीबी मुकाबला रहा. मनिका ने अखिरी तीन अंक अपने नाम कर इसे 11-9 से जीता. दूसरे गेम की शुरुआत में भी मुकाबला काफी करीबी था, लेकिन 6-6 की बराबरी के बाद मनिका ने प्रीथिका को कोई मौका नहीं दिया और 11-6 से वह जीत गई.

भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे गेम की लय तीसरे गेम में जारी रखते हुए पांच अंक की बढ़त बनाई, लेकिन प्रीथिका ने लगातार चार अंक हासिल कर स्कोर को 9-10 कर दिया. प्रीथिका दबाव में गेंद को नेट पर खेल गई और मनिका ने 11-9 से इस गेम को जीत लिया. मनिका ने चौके गेम में 6-2 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत को 10-4 में बदल कर छह मैच प्वाइंट हासिल किए.

▪ मनिका ने फ्रांस की प्रीथिका को 4-0 से हराया

नौकायन खिलाड़ी बलराज फाइनल में पांचवें स्थान पर

एजेंसी।पेरिस

पेरिस ओलंपिक में नौकायन में भारत के एकमात्र प्रतिनिधि बलराज पंवार पुरूषों की एकल स्कल में अपनी हीट रेस में पांचवें स्थान पर रहे और अब 13वें से 24वें स्थान के लिये खेलेंगे . 25 वर्ष के पंवार ने क्वार्टर फाइनल में चौथी हीट में सात मिनट और 5 . 10 सेकंड का समय निकाला . वह सेमीफाइनल सी . डी में खिसक गए जिसके मायने हैं कि ये खिलाड़ी 13वें से 24वें स्थान के लिये उतरेंगे . पंवार रेपेचेज दौर की रेस में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे . वह शनिवार को पहले दौर की हीट रेस में चौथे स्थान पर रहकर रेपेचेज में पहुंचे थे . चार क्वार्टर फाइनल हीट में शीर्ष तीन पर रहने वाले खिलाड़ी सेमीफाइनल ए . बी में पहुंचे जो पदक के लिये मुकाबला करेंगे .

ऑलेक्ज़ेंडर उसिक यूक्रेनी खिलाड़ियों का समर्थन करने के लिए पेरिस पहुंचे

एजेंसी।पेरिस

विश्व हैवीवेट मुक्केबाजी चैंपियन ऑलेक्ज़ेंडर उसिक युद्ध की विभीषिका झेल रहे यूक्रेन के खिलाड़ियों का समर्थन करने के लिए पेरिस आए हैं. उसिक ने सोमवार को पेरिस में यूक्रेनी हाउस का दौरा किया और वहां से उन्होंने तलवारबाजी प्रतियोगिता देखी जिसमें यूक्रेन की ओल्गा खारलान ने महिलाओं की व्यक्तिगत साबर में कांस्य पदक जीता, जो वर्तमान ओलंपिक खेलों में यूक्रेन का पहला पदक है. यूक्रेन की तलवारबाज के पदक जीतने के बाद उसिक ने एसोसिएटेड प्रेस से कहा, 'मेरी व्यक्तिगत इच्छा थी और शायद मैं जानता था कि ओल्गा उन उन खिलाड़ियों में शामिल है जो यूक्रेन के लिए पदक जीत सकती है.' उसिक ने उम्मीद जताई कि इन खेलों के आगे बढ़ने के साथ यूक्रेन के खिलाड़ी अधिक पदक जीतेंगे. उन्होंने इसके साथ ही कहा कि युद्ध की मार झेल रहे यूक्रेन की ओलंपिक में उपस्थिति बेहद महत्वपूर्ण है. उन्होंने कहा, 'हमारा देश युद्ध की मार झेल रहा है लेकिन इसके बावजूद हमारे खिलाड़ी यहां पहुंचे. वे कई मोर्चों पर एक साथ लड़ रहे हैं. हम अपने उन सभी खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं जो यहां हमारे देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं.'

जोकोविच ने मॉन्ट्रियल ओपन से नाम वापस लिया

मॉन्ट्रियल । नोवाक जोकोविच ने पेरिस ओलंपिक में राफेल नडाल पर जीत के बाद अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में खेले जाने वाले मॉन्ट्रियल ओपन टेनिस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया. जोकोविच ने ओलंपिक पुरुष एकल के दूसरे दौर में सोमवार को यहां नडाल को सीधे सेटों में हराया. जोकोविच की छह अगस्त से शुरू होने वाले नेशनल बैंक ओपन एटीपी मास्टर्स 1000 प्रतियोगिता में भाग लेने की योजना थी लेकिन आयोजकों ने बताया कि उन्होंने टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है. सर्बिया के इस टेनिस खिलाड़ी ने रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं लेकिन वह अभी तक ओलंपिक स्वर्ण पदक नहीं जीत पाए हैं.मॉन्ट्रियल ओपन में उनके स्थान पर रोमन सैफुलिन को मुख्य ड्रॉ में जगह दी गई है.

सात्विक और चिराग की जोड़ी ग्रुप सी में शीर्ष पर

ओलंपिक बैडमिंटन

एजेंसी।पेरिस

एशियाई खेलों की चैंपियन और पदक की दावेदार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी ने मंगलवार को यहां पेरिस ओलंपिक की बैडमिंटन पुरुष युगल स्पर्धा में मुहम्मद रियान अर्दिआंतो और फजर अल्फियान की इंडोनेशिया की जोड़ी को सीधे गेम में हराकर ग्रुप सी में शीर्ष स्थान हासिल किया.दुनिया की पांचवें नंबर की सात्विक और चिराग की भारतीय जोड़ी ने अर्दियांतो और अल्फियान की दुनिया की सातवें नंबर की जोड़ी को 40 मिनट में 21-13, 21-13 से हराया. ये दोनों जोड़ियां पहले ही अंतिम आठ में जगह बना चुकीं थी और इस मुकाबले से ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली टीम का फैसला हुआ. भारतीय जोड़ी ने ग्रुप में अपने सभी मैच जीते. अर्दियांतो और अल्फियान के खिलाफ छह मैचों में सात्विक और चिराग की यह चौथी जीत है. सात्विक और चिराग की जोड़ी ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल टीम है. खेल की वैश्विक संचालन संस्थान बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने कहा है कि पुरुष युगल के नॉकआउट दौर के लिए ड्रॉ बुधवार को होगा. भारत और इंडोनेशिया की जोड़ी के बीच शुरुआत से ही प्रत्येक अंक के लिए कड़ी टक्कर देखने को मिली लेकिन सात्विक और चिराग की जोड़ी पूरे मुकाबले के दौरान एक बार भी नहीं पिछड़ी. दोनों जोड़ियों ने तेज खेल दिखाया जिससे शुरुआत में अधिक रैली नहीं दिखीं.

भारत ने आयरलैंड को 2-0 से हराया

एजेंसी।पेरिस

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक खेलों के पूल बी मुकाबले में आयरलैंड को 2-0 से हराया. भारत ने इस तरह पेरिस खेलों में अजेय अभियान जारी रखा है. भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दो गोल दागे और टीम को बढ़त दिलाई जो अंत तक बरकरार रही. हरमनप्रीत ने सबसे पहले 11वें मिनट में पेनाल्टी स्ट्रोक पर गोल किया. फिर दूसरे क्वार्टर में 19वें मिनट में मैदानी गोल दागकर टीम की बढ़त दोगुनी कर दी. भारत ने इससे पहले न्यूजीलैंड को हराया था, जबकि रियो ओलंपिक चैंपियन अर्जेंटीना के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला था.

भारत ने तीसरा क्वार्टर समाप्त होने के बाद आयरलैंड पर 2-0 की बढ़त बनाए रखी है. अब अंतिम 15 मिनट का खेल शेष है. भारत की नजरें जहां इस बढ़त को बनाए रखने की होगी, जबकि आयरलैंड की टीम वापसी करना चाहेगी.भारतीय टीम ने दूसरा क्वार्टर समाप्त होने के बाद आयरलैंड पर 2-0 की बढ़त बनाए हुई है. भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दोनों गोल किए. स्ट्रोक को गोल में बदला, जबकि दूसरे क्वार्टर में मैदानी गोल के जरिए भारत की बढ़त दोगुना कर दी. कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए मैदानी गोल के जरिए गोल दागा. भारत ने इस तरह दूसरे क्वार्टर में हरमनप्रीत ने 19वें मिनट में गोल कर भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया है. पहला क्वार्टर खत्म होने के बाद भारतीय हॉकी टीम ने आयरलैंड के खिलाफ बढ़त बना ली है. कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पहले क्वार्टर में पेनाल्टी स्ट्रोक पर गोल दाग टीम को हरमनप्रीत सिंह ने पहले ही क्वार्टर में गोल कर भारत को आयरलैंड के खिलाफ शुरुआत बढ़त दिला दी है. हरमनप्रीत ने पेनाल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलने में कोई भूल नहीं की. कप्तान के इस प्रयास से भारतीय टीम ने 1-0 की बढ़त बना ली है.

हरमनप्रीत सिंह ने दागे दो गोल

ओलंपिक तीरंदाजी

भजन अंतिम 32 में पहुंची

पेरिस । भारतीय तीरंदाज भजन कौर ने ओलंपिक के महिला एकल वर्ग में मंगलवार को यहां इंडोनेशिया की साइफा नूरफीफा कमाल को 7-3 से शिकस्त दी जबकि अंकिता भकत को पोलैंड की वियोलेटा मैसजोर से 4-6 हार का सामना करना पड़ा. भजन ने शुरुआती सेट में साइफा के साथ अंक साझा किये जबकि इंडोनेशिया की तीरंदाज ने दूसरे सेट को जीतकर भारतीय खिलाड़ी पर दबाव बना दिया. क्वालीफिकेशन में 22वें स्थान पर रहने वाली भजन ने इसके बाद दबाव में शानदार खेल दिखाया.उन्होंने तीसरे सेट में अच्छी वापसी करते हुए 10-10 के दो निशाने के साथ 29 का स्कोर किया.भजन ने चौथे सेट में साइफा के 25 के मुकाबले 27 अंक जुटाकर 5-3 की बढ़त बनायी और फिर आखिरी सेट में 25 के मुकाबले 28 अंक बनाकर जीत पक्की कर ली.इससे पहले अंकिता पोलैंड की खिलाड़ी के खिलाफ बढ़त लेने बाद लय गंवा बैठी. पहला सेट गंवाने के बाद अंकिता ने दूसरे और तीसरे सेट को जीत कर अच्छी वापसी की थी लेकिन पोलैंड की निशानेबाज ने आखिरी दो सेट में शानदार एकाग्रता दिखाते हुए जीत दर्ज की.

सफलता | रोलां गैरां में दर्शक का राफा राफा का शोर, चेयर अंपायर ने शांत कराया

पेरिस ओलंपिक में दिख रही है दर्शकों की भारी उपस्थिति

एजेंसी।पेरिस

रफेल नडाल ने सोमवार को जैसे ही नोवाक जोकोविच के खिलाफ मैच खेलने के लिए रोलां गैरां में प्रवेश किया दर्शक राफा राफा चिल्लाने लगे. शोर इतना ज्यादा था कि चेयर अंपायर को दर्शकों को खेल के दौरान शांत रहने के लिए कहना पड़ा. पेरिस ओलंपिक और पिछले दो ओलंपिक खेलों में जो सबसे बड़ा अंतर है वह है दर्शकों की उपस्थिति और उनका शोर. जूडो से लेकर तरणताल तक और जिमनास्टिक से लेकर सर्फिंग तक हर जगह है दर्शक अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं. उनके शोर ने मानो ओलंपिक खेलों में नई जान भर दी है.कोविड-19 महामारी के कारण तोक्यो ओलंपिक खेलों को एक वर्ष के लिए स्थगित कर दिया गया था और 2021 में उनका आयोजन दर्शकों के बिना किया गया. इसके बाद बीजिंग में 2022 में खेले गए शीतकालीन ओलंपिक खेलों में भी यही स्थिति थी.

इस तरह से पेरिस ओलंपिक महामारी के बाद पहले ऐसे ओलंपिक खेल हैं जिनमें दर्शकों को आने की अनुमति मिली है. अपनी 14 वर्षीय बेटी एली को तैराकी करते हुए देखने के लिए ऑस्ट्रेलिया से 23 घंटे की उड़ान और दक्षिण कोरिया में एक रात बिताने के बाद यहां पहुंचे जोडी लिन्से ने कहा,''यह हमारे जीवन की सबसे महत्वपूर्ण यात्रा है.' पिछले ओलंपिक खेलों में खिलाड़ियों के परिजनों को आने की अनुमति नहीं थी. इन खेलों में खिलाड़ियों को भी दर्शकों की भारी कमी महसूस हुई थी.

ब्रिटेन की किम्बरली वुड्स ने पेरिस में महिलाओं की कयाक एकल स्लैम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने के बाद कहा,''मैं ऐसी खिलाड़ी हूं जिसे दर्शकों के शोर के बीच अच्छा प्रदर्शन करने की आदत है. तोक्यो में इसकी बड़ी कमी खली और तब मुझे संघर्ष करना पड़ा था. यहां दर्शकों ने वास्तव में मुझे प्रेरित किया.

'जोकोविच और नडाल के बीच सोमवार को खेले गए मैच को देखने के लिए दर्शक काफी पहले से कतार लगाए हुए खड़े थे. भीड़ इतनी बढ़ गई थी कि मीडिया के लिए आरक्षित जगह में भी दर्शक घुस गए थे. नडाल इस मैच में हार गए थे लेकिन उन्होंने बाद में कहा कि दर्शकों ने उन्हें अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया यहां फ्रेंच ओपन में रिकॉर्ड 14 बार के चैंपियन नडाल ने कहा,''जब भी मैं यहां खेलता हूं तो मुझे लगता है मैं घर में खेल रहा हूं. यह स्थान मेरे लिए बेहद खास है. मैं दर्शकों के समर्थन का पूरा आनंद लेता हूं.

खास बातें

- रफेल नडाल के प्रवेश करते ही दर्शकों के शोर से गूंजा
- जूडो से लेकर जिमनास्टिक व तैराकी तक दर्शकों की भीड़

पेरिस ओलंपिक पर बारिश के बाद अब लू का खतरा

एजेंसी।पेरिस

पेरिस ओलंपिक की शुरुआत उद्घाटन समारोह में बारिश के साथ हुई थी जिसने दर्शकों के साथ खिलाड़ियों को भी तर कर दिया था, लेकिन अब यहां लू का खतरा मंडराने लगा है. मंगलवार को यहां तेज गर्मी महसूस की गई और राष्ट्रीय मौसम एजेंसी ने कहा कि फ्रांस के अधिकांश हिस्से में लू की चेतावनी जारी की गई है तथा पेरिस और आसपास के इलाकों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस या इससे अधिक तक पहुंचने की संभावना है.फ्रांस के दक्षिणी हिस्से में गर्मी अधिक कहर बरपा सकती है. इसमें भूमध्य सागर का तटीय शहर मार्सिले भी शामिल है, जो फुटबॉल और नौकायन जैसी ओलंपिक प्रतियोगिताओं की मेजबानी कर रहा है. सोमवार को दक्षिणी फ्रांस के कुछ हिस्सों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक था. मंगलवार को इसमें और बढ़ोतरी होने की संभावना है .बारिश के कारण खेलों की खराब शुरुआत के बाद आयोजक अब खिलाड़ियों और दर्शकों को गर्मी से बचने के लिए आगाह कर रहे हैं. मौसम विभाग में इसके साथ ही अगले दो दिनों में यहां शाम को तूफान आने की भविष्यवाणी भी की है.

ब्रीफ खबरें

बच्चों के बीच विवाद में बुजुर्ग को मारी गोली

नालंदा । नालंदा में 10 दिन पूर्व बच्चों के बीच हुए विवाद में बदमाशों ने मंगलवार की सुबह घर के बुजुर्ग को गोली मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया. मामला चंडी थानाक्षेत्र के घोराहरी गांव का है. घायल की पहचान रमेश पासवान के रूप में हुई है. घायल रमेश ने बताया कि गांव के ही पासवान के बच्चों से उनके बच्चों का विवाद हुआ था. जख्मी हालत में उन्हें इलाज के लिए चण्डी रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया. जहां से बेहतर इलाज के लिए उन्हें बिहार शरीफ सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया.

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

वैशाली । वैशाली में हाजीपुर रेलवे स्टेशन के पास पैजेंसर ट्रेन से गिरकर एक रेल यात्री ट्रेन की चपेट में आ जाने के कट गया. जहां उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई. हालांकि घटना की सूचना मिलते ही हाजीपुर रेल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी. क्षत विक्षत शव के पास पड़ा मोबाइल भी पूरी तरह से टूट चुका था. टूटे मोबाइल से निकले सिम कार्ड को रेल पुलिस ने दूसरे फोन में लगाकर घटना की सूचना उसके परिजनों को दी. जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान सिवैसी गांव निवासी आफताब आलम के 20 वर्षीय पुत्र के तौर पर हुई है.

डकैतों ने व्यवसायी के घर में की लूटपाट

पूर्वी चंपारण । जिले के सुगौली थाना क्षेत्र में सोमवार की रात डकैतों ने एक कपड़ा व्यवसायी के घर में जमकर उत्पात मचाया. करीब 10 की संख्या में आये डकैतों ने घर में घुसकर लूटपाट की. साथ ही तीन लोगों पर चाकू से वार कर घायल कर दिया. हालांकि, एक डकैत को घर वालों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है. घटना सुगौली के सरगम सिनेमा रोड में रेडीमेड कपड़ा व्यवसायी ओमप्रकाश बरनवाल के घर पर हुई है. पीड़ित व्यवसायी के परिजनों ने बताया कि रात में दो बजे के करीब 10 की संख्या में डकैत बांस के सहारे घर में घुसे.

आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने मंगलवार को पटना में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की रिहाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया.

बिहार में भी अब हिंदी में होगी एमबीबीएस की पढ़ाई

संवाददाता ।पटना

मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में हिन्दी में बैचलर ऑफ मेडिसीन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी (एमबीबीएस) की पढ़ाई होती है. इसी तर्ज पर अब बिहार सरकार ने भी राज्य में हिन्दी माध्यम से एमबीबीएस की पढ़ाई कराने का फैसला लिया है. सरकार के इस फैसले से उन छात्रों को ज्यादा फायदा होगा, जिनकी मातृभाषा हिन्दी है. भागलपुर के जेएलएनएमसीएच समेत राज्य के मेडिकल कॉलेजों में इसकी तैयारी चल रही है.

पटना स्थित आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय से मेडिकल कॉलेज को पाठ्यक्रम और किताबें भेजी जाएंगी और छात्रों को हिंदी माध्यम से पढ़ाने के लिए शिक्षकों का भी चयन किया जाएगा. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एमबीबीएस की पढ़ाई हिंदी में कराने का फैसला लिया है. इसके लिए सिलेबस और किताबें आर्यभट्ट नॉलेज यूनिवर्सिटी द्वारा तैयार किया जाएगा.

एमबीबीएस की पढ़ाई में इस बड़े बदलाव से उन छात्रों को पढ़ाई में सुविधा होगी, जिन्होंने हिन्दी माध्यम से स्कूली शिक्षा हासिल की है. क्योंकि, ऐसे छात्रों को अंग्रेजी में पढ़ाई करने में भारी परेशानी झेलनी पड़ती है. एमबीबीएस की पढ़ाई हिन्दी माध्यम से होने पर वो मेडिकल की पढ़ाई अच्छी तरह कर पाएंगे और ज्यादा अच्छे तरीके से किताबों को भी समझ पाएंगे. हिंदी में एमबीबीएस की किताबें खरीदने के लिए अधिकारिक रूप से निविदा भी जारी कर दिया गया है.

बेगूसराय का मामला : परिजनों में छाया मातम

गंगा स्नान के वक्त डूबे चार छात्र एक छात्र की डूबने से हुई मौत

- घटना साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के शालीग्राम छपरापट्टी मुंगेर गंगा घाट की है.
- मृतक छात्र की पहचान मदन मोहन कुमार शर्मा के रूप में हुई है
- चार दोस्तों के साथ मुंगेर गंगा घाट पर गंगा स्नान करने के लिए गया था

संवाददाता ।बेगूसराय

छात्र को खोजते एनडीआरएफ की टीम

बेगूसराय में गंगा स्नान करने के दौरान चार छात्र डूब गए, जिनमें से तीन छात्रों को स्थानीय गोताखोर द्वारा किसी तरह बाहर निकाल कर जान बचा ली गई. जबकि एक छात्र को नहीं बचाया जा सका. मौत की खबर लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया. घटना साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के शालीग्राम छपरापट्टी मुंगेर गंगा घाट की है. मृतक छात्र की पहचान बलिया थाना क्षेत्र के छोटी बलिया ऊपर टोला निवासी उपेंद्र शर्मा के बेटे मदन मोहन कुमार शर्मा (18) के रूप में की गई है. जानकारी के मुताबिक, मदन मोहन कुमार शर्मा अपने चार दोस्तों के साथ मुंगेर गंगा घाट पर गंगा स्नान करने के लिए गया था. स्नान करने के दौरान गंगा नदी में चारों दोस्त डूबने लगे. इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने चारों दोस्तों को डूबते देखा. आनन-फानन में गोताखोर ने पानी में कूद कर तीन छात्रों को किसी तरह गंगा नदी के पानी से निकलकर जान बचा ली. लेकिन एक छात्र मदन मोहन कुमार शर्मा को नहीं बचा सके, जिससे उसकी डूबने से मौत हो गई. हालांकि इस घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने साहेबपुर कमाल थाना पुलिस को दी. सूचना पर मौके पर पहुंचकर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया. फिर आगे की कार्रवाई में जुट गई. जानकारी के अनुसार, मृतक मदन मोहन कुमार शर्मा दसवीं का छात्र था. इस संबंध में साहेबपुर कमाल थाना अध्यक्ष ने बताया कि गंगा स्नान करने के दौरान एक छात्र की डूब कर मौत हो गई है.

मां ने तालाब में लगाई छलांग, बचाने के लिए कूदे दो बेटे, तीनों की मौत

बांका । बांका थाना क्षेत्र के जनकपुर गांव के तालाब से मंगलवार को दो नाबालिग के साथ एक महिला का शव बरामद किया गया है. तालाब से तीन के शव मिलने की सूचना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है. मृतकों की पहचान जनकपुर निवासी संजय यादव की पत्नी मीना देवी (29 वर्ष) समेत उनके दो पुत्र अजीत कुमार (14 वर्ष) और बिट्टू कुमार (11 वर्ष) के रूप में हुई है. वहीं, पुलिस के अनुसार बच्चों ने मां को उसके प्रेमी के संग देख लिया था, जिसके बाद यह घटना हुई है. वहीं, इस मामले की उसके पति सहित अन्य परिवार वालों को कोई जानकारी नहीं है. बताया जा रहा है कि संजय यादव कोलकाता में रहकर कुछ काम करता है.

मुंबई से चोरी 10 लाख की घड़ियां बरामद

लुटेरों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर रही पुलिस

- मुंबई पुलिस ने शटर कटवा गिरोह के सक्रिय सदस्य मोबिन देवान को मुंबई में ही छापेमारी कर गिरफ्तार कर लिया था

संवाददाता ।मोतिहारी

मुंबई में शटर तोड़कर हुई 25 लाख की घड़ी चोरी मामले में मुंबई पुलिस ने मोतिहारी पुलिस की मदद से मोतिहारी के घोड़ासहन में छापामारी कर करीब 10 लाख की घड़ी बरामद की हैं. स्थानीय पुलिस के सहयोग से घोड़ासहन के हसन नगर में स्थित मोबिन देवान के घर में छापामारी कर उक्त चोरी की घड़ियां बरामद की गई हैं. उसके बाद मुंबई पुलिस बरामद हुई घड़ियों को अपने साथ ले गई. जानकारी के अनुसार, बीती 19 जुलाई की सुबह शटर कटवा गिरोह के बदमाशों ने एक घड़ी शोरूम का शटर तोड़ कर 25 लाख की महंगी घड़ियां चुरा ली थीं. उसके बाद मुंबई पुलिस ने शटर कटवा गिरोह के सक्रिय सदस्य मोबिन देवान को मुंबई में ही छापामारी कर गिरफ्तार कर लिया था. अब उसकी निशानदेही पर उसके घर में ही छापामारी कर उक्त घड़ियां बरामद की गई हैं. मुंबई पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामारी कर रही है.

गौरतलब है कि मोतिहारी के घोड़ासहन का शटर कटवा गिरोह पूरे देश में कुख्यात है. लगभग देश के कोने-कोने की पुलिस लगातार घोड़ासहन में किसी न किसी मामले को लेकर छापामारी करती रहती है. बता दें कि पिछले दो दिन पहले ही महाराष्ट्र पुलिस 53 लाख के आईफोन चोरी मामले में घोड़ासहन से एक शटर कटवा गिरोह के सक्रिय सदस्य को मोतिहारी पुलिस की मदद से गिरफ्तार कर अपने साथ मुंबई ले गई थी.

काजल हत्याकांड
अभियुक्त को आजीवन कारावास की सजा

भागलपुर । जिले के बबरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत मोगलपुरा में तीन साल पूर्व हुई बहुचर्चित गर्भवती काजल हत्याकांड मामले में न्यायालय ने मोगलपुरा की लेडी डॉन जेवा खान और उसके देवर इंतसार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है. बीते 25 जुलाई को एडीजे-5 सुदेश कुमार श्रीवास्तव की अदालत में दोनों को दोषी करार दिया था.

शिक्षक अभ्यर्थियों को अब तीन की जगह पांच मौके मिलेंगे

पटना । बिहार लोक सेवा आयोग की ओर से ली जाने वाली चौथे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा में बैठने के अवसर तीन की जगह अब पांच होंगे. दरअसल बीते 15 मार्च को शिक्षा विभाग की ओर से बिहार राज्य विद्यालय अध्यापक नियमावली 2023 में संशोधन कर अवसरों की संख्या पांच कर दी गई थी, लेकिन तीसरी बार ही शिक्षक नियुक्ति परीक्षा लेने के कारण किसी अभ्यर्थी को बढ़े हुए अवसर की जरूरत नहीं थी. ऐसे में अब चौथे चरण में होने वाली बहाली में यह नियम लागू होगा. वहीं सरकार ने 1.60 लाख शिक्षकों की नियुक्ति करने का निर्णय लिया है. जानकारी के अनुसार वर्तमान में करीब तीन लाख अभ्यर्थी ऐसे हैं जिन्होंने टीआरई-1, टीआरई-2 और टीआरई-3 में अपने तीनों अवसर का इस्तेमाल कर लिया है.

कारोबार

बंधन बैंक के शेयर में 13% से अधिक की तेजी

नयी दिल्ली । निजी क्षेत्र के बंधन बैंक के शेयर में 13 प्रतिशत से अधिक तेजी आई. कंपनी के अप्रैल-जून तिमाही में शुद्ध लाभ में 47 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करने की जानकारी देने के बाद उसके शेयर में तेजी आई. बीएसई पर शेयर 11.97% बढ़ कर 215.50 रुपये पर पहुंच गया. एनएसई पर यह 13.35 प्रतिशत चढ़कर 218.20 रुपये पर रहा. बंधन बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी का अप्रैल-जून तिमाही का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 47% बढ़कर 1,063 करोड़ रुपये हो गया.

एनबीसीसी को 411.45 करोड़ का मिला ठेका

नयी दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की एनबीसीसी की शाखा को महाराष्ट्र में एक नए मेडिकल कॉलेज और 430 बिस्तरों वाले अस्पताल के निर्माण के लिए 411.45 करोड़ रुपये का ठेका मिला है. एनबीसीसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि एचएससीसी (इंडिया) लिमिटेड को हाल ही में बुलढाणा में 100 छात्र क्षमता वाले नए सरकारी मेडिकल कॉलेज और 430 बिस्तरों वाले अस्पताल के निर्माण का ठेका दिया गया है. यह ठेका उसे महाराष्ट्र सरकार के चिकित्सा शिक्षा और आयुष ने दिया है.

एलएंडटी की शाखा ने किया समझौता

नयी दिल्ली । इंजीनियरिंग एवं निर्माण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) की पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई ने मुंबई में एक रियल एस्टेट परियोजना के विकास के लिए वैलोर एस्टेट लिमिटेड के साथ समझौता किया है. एलएंडटी परेल प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड रियल एस्टेट विकास व्यवसाय में है. एलएंडटी ने बीएसई को दी सूचना में कहा, एलएंडटी परेल प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड ने मुंबई में रियल एस्टेट परियोजना विकसित करने के लिए वैलोर एस्टेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं. लार्सन एंड टुब्रो 27 अरब अमेरिकी डॉलर की भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनी है.

देश में सोने का कुल आयात आठ फीसदी बढ़कर 196.9 टन रहा

भारत में सोने की मांग अप्रैल-जून तिमाही में 5% घटी : डब्ल्यूजीसी

- दूसरी तिमाही के दौरान 17 फीसदी बढ़कर 93,850 करोड़ रुपये हो गई

एजेंसी ।नई दिल्ली

भारत में सोने की मांग में गिरावट आई है. सोने की मांग में यह गिरावट कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि के कारण दर्ज हुई है. अप्रैल-जून तिमाही में सोने की मांग पांच फीसदी घटकर 149.7 टन रह गई है. हालांकि, इस दौरान देश में सोने का कुल आयात आठ फीसदी बढ़कर 196.9 टन रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 182.3 टन था. विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की ओर से मंगलवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल-जून 2024 तिमाही में सोने की मांग घटकर 149.7 टन रह गई, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 158.1 टन थी. हालांकि, मूल्य के संदर्भ में सोने की मांग दूसरी तिमाही के दौरान 17 फीसदी बढ़कर 93,850 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 82,530 करोड़ रुपये रही थी.

रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल-जून तिमाही में सोने की कीमतें आसमान छू गईं, जिससे 24 कैरेट सोने के दाम रिकॉर्ड प्रति 10 ग्राम 74,000 रुपये को पार कर गई. अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में अप्रैल-जून तिमाही में सोने की औसत कीमत 2,338.2 अमेरिकी डॉलर रही, जबकि 2023 की इसी अवधि में यह 1,975.9 अमेरिकी डॉलर थी. वहीं, रुपये के संदर्भ में दूसरी तिमाही में सोने की औसत कीमत 62,700.5 रुपये रही, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 52,191.6 रुपये (आयात शुल्क और जीएसटी को छोड़कर) रही थी. दूसरी तिमाही 2024 सोना मांग रुझान' रिपोर्ट के मुताबिक सोने की वैश्विक मांग में वृद्धि दर्ज हुई है. अप्रैल-जून तिमाही में मांग 4.16 फीसदी बढ़कर 1,258.2 टन हो गई. रिपोर्ट के अनुसार 2023 की दूसरी तिमाही में सोना की कुल वैश्विक मांग 1,207.9 टन थी, जो 2024 में बढ़कर 1,258.2 टन हो गई.

डब्ल्यूजीसी के सीईओ सचिन जैन ने जारी बयान में कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में भारत की सोने की मांग में एक साल पहले की तुलना में 5 फीसदी की गिरावट आई है लेकिन आयात करों में कटौती के बाद स्थानीय कीमत में सुधार के कारण 2024 की दूसरी छमाही में खपत में सुधार होने की उम्मीद है.

अब टाटा मोटर्स है देश की सबसे बड़ी ऑटो कंपनी, मारुति सुजुकी को दी पटखनी

एजेंसी। नयी दिल्ली

टाटा मोटर्स ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए देश की दिग्गज कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी को पछाड़ दिया है. टाटा मोटर्स का मार्केट कैप 48 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है. उधर, मारुति सुजुकी का मार्केट कैप फिलहाल 47.6 अरब डॉलर ही है. इसके साथ ही टाटा मोटर्स मार्केट कैप के हिसाब से देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी बन गई है. इसके साथ ही टाटा ग्रुप की कार निर्माता

कंपनी अब दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनियों की लिस्ट में 388वें नंबर पर आ गई है.

टेस्ला इंक: एलन मस्क के नेतृत्व वाली अमेरिकन कंपनी टेस्ला 704 अरब डॉलर का मार्केट कैप हासिल कर चुकी है. इस इलेक्ट्रिक वेहिकल निर्माता कंपनी का मार्केट कैप दूसरे नंबर पर मौजूद कंपनी से दोगुने से भी ज्यादा है.

टोयोटा मोटर कॉर्पोरेशन : जापान की टोयोटा का मार्केट कैप 299 अरब डॉलर आंका जाता है. इस साल कंपनी के शेयर लगभग 13 फीसदी ऊपर जा चुके हैं. कंपनी की कारें सारी दुनिया में पसंद की जाती हैं.

400 अरब डॉलर वाला पहला कारोबारी ग्रुप बना टाटा

इससे पहले शुक्रवार को टाटा ग्रुप ने अंबानी और अडानी को पीछे छोड़ते हुए 400 अरब डॉलर के पहले भारतीय कारोबारी ग्रुप बनने का गौरव हासिल किया था. मुकेश अंबानी का रिलायंस ग्रुप 277 अरब डॉलर के मार्केट कैप के साथ दूसरे स्थान पर और गौतम अडाणी के नेतृत्व वाला अडाणी ग्रुप 206 अरब डॉलर के मार्केट कैप के साथ तीसरे स्थान पर मौजूद है. हालांकि, अगर हम दुनिया की 10 सबसे बड़ी कार कंपनियों पर नजर डालें तो उनमें भारत की कोई भी कंपनी शामिल नहीं है. सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, टाटा मोटर्स का इस लिस्ट में 12वां स्थान है.

कोलगेट-पामोलिव को 248.74 करोड़ का टैक्स नोटिस

एजेंसी। नयी दिल्ली

आय कर विभाग ने कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) लिमिटेड को ट्रांसफर प्राइसिंग से जुड़े मामले में 248.74 करोड़ रुपये का टैक्स डिमांड नोटिस मिला है. एफएमसीजी कंपनी कोलगेट-पामोलिव इंडिया लिमिटेड (सीपीआईएल) के प्रमुख ने कहा कि अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष आदेश को चुनौती देंगे. यह कंपनी दांतों की देखभाल के क्षेत्र में काम करती है. वित्त वर्ष 2023-24 में सीपीआईएल की शुद्ध बिक्री 5,644 करोड़ रुपये थी. कंपनी की ओर से एक नियामक फाइलिंग के अनुसार, नोटिस 26 जुलाई को मिला. ट्रांसफर प्राइसिंग से संबंधित मुद्दों के लिए आयकर की मांग 31 मार्च, 2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए है. सीपीआईएल ने कहा कि मांग राशि में 79.63 करोड़ रुपये की ब्याज राशि शामिल है. सीपीआईएल ने कहा कि इस आदेश के कारण कंपनी के वित्तीय संचालन या अन्य गतिविधियों पर प्रभाव नहीं पड़ेगा. यह मांग मुख्य रूप से स्थानांतरण मूल्य-संबंधी मुद्दों के कारण की गई है.

फर्जी दावे करना दंडनीय अपराध : आयकर विभाग ने कहा कि आयकर रिटर्न दाखिल करने वाले खर्चों के लिए फर्जी दावे न करें और न ही आय को कम बताएं या कटौतियों को बढ़ा-चढ़ाकर न बताएं क्योंकि ऐसा करना दंडनीय अपराध है.

पेट्रोल-डीजल स्थिर, कच्चा तेल 82 डॉलर के करीब

नयी दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है. ब्रेंट क्रूड 82 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब है. सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (पीएसयू) ने सोमवार को पेट्रोल-डीजल के मूल्य में कोई बदलाव नहीं किया है. इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये है.

आरबीआई रिपोर्ट | दुनियाभर में पिछले साल डेटा चोरी की औसतन लागत 4.45 मिलियन डॉलर रही

साल 2023 में डेटा चोरी के मामलों में बढ़ोतरी हुई

एजेंसी। नयी दिल्ली

एक तरफ सरकार साइबर सुरक्षा बढ़ाने में लगी है तो दूसरी ओर ठग हर हथकंडे अपनाकर ठगी को अंजाम देने में लगे हैं. कहीं पैसे तो कहीं डेटा ही चोरी कर रहे हैं. इस वजह से देश में डेटा चोरी के मामले बढ़ गए हैं. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की हालिया रिपोर्ट में यह बात सामने आयी है. आरबीआई के मुताबिक साल 2023 में डेटा चोरी के मामलों में काफी बढ़ोतरी हुई है. रिपोर्ट में बताया गया है देश में फिशिंग के मामले काफी आम हैं. देश में पिछले साल करीब 22 फीसदी फिशिंग के मामले सामने आए हैं. वहीं इसके बाद चोरी या समझौते वाले मामले सामने आए हैं. यह करीब 16 फीसदी हैं. इस रिपोर्ट का नाम ''साल 2023-24 के लिए करेंसी और फाइनेंस'' है.

इस रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल डेटा चोरी की औसतन लागत साल 2020 के मुकाबले साल 2023 में 28% बढ़ गई है. यह लागत साल 2023 में औसतन 2.18 मिलियन डॉलर (करीब 18.25 करोड़ रुपये) थी. हालांकि रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया है कि लागत में क्या शामिल है या इसे कौन वहन करता है. रिपोर्ट में कहा गया है कि कई इंडस्ट्री ऐसी हैं जिन पर साइबर अटैक का हमला ज्यादा हो सकता है यानी वे साइबर हमलों से निपटने के लिए असुरक्षित हैं. इसमें ऑटोमोटिव इंडस्ट्री ऐसी घटनाओं के लिए सबसे अधिक असुरक्षित है. वहीं रिपोर्ट के मुताबिक बैंकिंग और फाइनेंस सेक्टर साइबर हमलों से निपटने में ज्यादा सुरक्षित हैं. रिपोर्ट के मुताबिक साइबर हमलों में तेजी ऐसे समय हुई है जब भारत ने डिजिटल अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है. यह वर्तमान में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 10 फीसदी है. इसके साल 2026 तक दोगुना होने की उम्मीद है. वहीं रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत इस समय रियल टाइम पेमेंट में सबसे आगे है. यह वैश्विक बाजार का 48.5% है.

रिपोर्ट में डेटा चोरी पर विस्तार से बताया गया है. आरबीआई के अनुसार दुनियाभर में पिछले साल डेटा चोरी की औसतन लागत 4.45 मिलियन डॉलर रही. यह पिछले 3 साल में 15 फीसदी ज्यादा है. रिजर्व बैंक का मानना है कि दुनियाभर में साइबर क्राइम साल 2028 तक 13.82 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा का हो जाएगा. रिजर्व बैंक साइबर सिक्योरिटी को बढ़ावा देने के लिए काफी रकम खर्च कर रहा है. साथ ही नई-नई तकनीकों का भी इस्तेमाल कर रहा है. रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकांश केंद्रीय बैंकों ने साइबर सिक्योरिटी में अपना बजट 5 फीसदी तक बढ़ाया है. कुछ समय पहले रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बैंकों को साइबर सुरक्षा बढ़ाने पर ध्यान देने को कहा था.

नवी फिनसर्व ने जेपी मॉर्गन के साथ सौदा पूरा कर लिया

- नवी फिनसर्व, सचिन बंसल द्वारा संचालित एक गैर-बैंक वित्तीय संस्थान (एनबीएफसी) है

एजेंसी ।नयी दिल्ली

नवी फिनसर्व ने जे पी मॉर्गन के साथ 3.8 करोड़ अमरीकी डॉलर (करीब 315 करोड़ रुपये) का व्यक्तिगत ऋण प्रतिभूतिकरण सौदा पूरा कर लिया है. सचिन बंसल द्वारा संचालित एनबीएफसी कंपनी ने एक बयान में कहा, 'पास-थ्रू सर्टिफिकेट' (पीटीसी) के रूप में संरचित लेनदेन को असुरक्षित व्यक्तिगत ऋणों के एक समूह द्वारा समर्थित किया जाएगा, जिसकी शुरुआत तथा सेवा नवी फिनसर्व द्वारा की जाएगी. नवी फिनसर्व, सचिन बंसल द्वारा संचालित एक गैर-बैंक वित्तीय संस्थान (एनबीएफसी) है. पास थ्रू सर्टिफिकेट' एक ऐसा सर्टिफिकेट है जो निवेशक को कुछ निश्चित बंधक-समर्थित प्रतिभूतियों के बदले दिया जाता है जो जारीकर्ता के पास होती हैं. बयान में कहा गया, यह भारत में फिनटेक क्षेत्र में जे पी मॉर्गन का पहला 'पास-थ्रू सर्टिफिकेट' लेनदेन है. साथ ही यह भारत में पहला असुरक्षित व्यक्तिगत ऋण समर्थित पीटीसी लेनदेन है. नवी फिनसर्व ने कहा कि कंपनी इस धन का इस्तेमाल अपने डिजिटल व्यक्तिगत ऋण कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए करेगा. भारत में डिजिटल ऋण देने में तेजी आ रही है और यह समग्र भारतीय फिनटेक बाजार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है.

वायनाड भूस्खलन : सेना, नौसेना व एनडीआरएफ की टीमों ने मलबे में फंसे सैकड़ों लोगों को बचाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाया

बाल-बाल बचे पीड़ितों ने सुनाई अपनी दर्दभरी दास्तान

एजेंसी। वायनाड

केरल के वायनाड जिले में आए विनाशकारी भूस्खलन के कारण मलबे में फंसे लोगों को बचाने के लिए अभियान जारी है हालांकि इस हादसे में बाल-बाल बचे लोग अपने बीते कुछ क्षणों को याद करते हुए सिहर उठते हैं. वायनाड के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में एक बुजुर्ग दंपती ने आपदा के दौरान रात के अंधेरे में सुरक्षित बचने की अपनी हताश कोशिशों का जिक्र किया. उनका घर भूस्खलन में नष्ट हो गया. दंपती अपने क्षेत्र में कीचड़ भरा पानी बहता देख रात 11 बजे ही अपना घर छोड़कर भाग निकले थे. उन्होंने पास की एक पहाड़ी पर शरण लेने से पहले अपने पड़ोसियों को बचाने की कोशिश की थी लेकिन पड़ोसियों ने उनके साथ आने से इनकार कर दिया. बुजुर्ग व्यक्ति ने भावुक आवाज में कहा, "हमने उनसे (पड़ोसियों से) हमारे साथ आने का आग्रह किया था, लेकिन उन्होंने कहा कि वह देर रात एक बजे हमारे साथ आएंगे और वह कभी नहीं आए."

मेप्पाडी अस्पताल में भारी भीड़ : उन्होंने कहा कि वे सुबह तक पहाड़ी की चोटी पर इंतजार कर रहे थे और जब वे वापस आए, तो पूरा इलाका तबाह हो चुका था. एक अन्य महिला ने रोते हुए संवाददाताओं से कहा कि उसके रिश्तेदार ने उसे फोन किया और कहा कि वे अपने बच्चे को लेकर घर से भाग रहे हैं. महिला ने कहा कि उसने (रिश्तेदार) मुझे रात में फोन किया और कहा कि वे इस क्षेत्र से भागने की कोशिश कर रहे हैं. उनके साथ एक बच्चा था. उसके बाद से उनका फोन नहीं लगा. उस परिवार का अभी तक पता नहीं चल पाया है. मंगलवार को हुए भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 93 हो गई है और सेना, नौसेना व एनडीआरएफ की टीमें मलबे में फंसे सैकड़ों लोगों को बचाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही हैं. मुंडक्कई के पास मेप्पाडी अस्पताल में घायलों, मृतकों और लापता दोस्तों व रिश्तेदारों की तलाश कर रहे लोगों की भीड़ लगी हुई है.

सोमवार तक अपने मनोरम दृश्यों के लिए मशहूर मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टमाला और नूलपुझा गांवों की अब भूस्खलन की चपेट में आने के बाद तस्वीर बदल गई है और अन्य हिस्सों से उनका संपर्क टूट गया है. गांवों में तबाह हुए मकान, उफनती नदियां और उखड़े हुए पेड़ों के दृश्य दिखाई दिए. प्रेट्र

लोगों ने फोन पर रोते हुए मदद की गुहार लगायी

वायनाड जिले की ऊंचाई पर स्थित बस्तियों में मंगलवार को तड़के भूस्खलन से तबाह हुए मकानों और मलबे के ढेर के नीचे फंसे होने के बाद लोग लगातार फोन कर मदद की गुहार लगाते रहे. टेलीविजन चैनलों ने कई लोगों की फोन पर बातचीत प्रसारित की जिसमें वे रो रहे थे तथा खुद को बचाने का अनुरोध कर रहे थे क्योंकि वे या तो अपने घरों में फंस गए या पुलों के बह जाने तथा सड़कों के जलमग्न होने के कारण उनके पास वहां से निकलने का कोई रास्ता नहीं बचा है. ऐसी ही एक बातचीत में चूरलमाला शहर की निवासी एक महिला को जोर-जोर से रोते हुए यह कहते सुना गया कि उसके घर में कोई व्यक्ति मलबे में फंस गया है और उसे बाहर नहीं निकाला जा सका. महिला को यह कहते हुए सुना गया, 'कृपया कोई आए और हमारी मदद करे. हमने अपना घर खो दिया है. हमें नहीं पता कि नौशीन (स्पष्ट रूप से परिवार का कोई सदस्य) जीवित है या नहीं. वह दलदल में फंस गयी है. हमारा घर शहर में ही है.' चूरलमाला के एक और निवासी ने फोन पर बातचीत के दौरान कहा कि उनका मकान अब भी हिल रहा है और उन्हें नहीं पता कि क्या किया जाए. उसने कहा, 'धरती हिल रही है. इस जगह बड़ा शोर है. हमारे पास चूरलमाला से बाहर आने का कोई रास्ता नहीं बचा है.' एक अन्य व्यक्ति ने फोन पर सूचना दी कि मुंडक्कई में बड़ी संख्या में लोग मलबे में फंसे हैं और जिंदा रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं. उसने कहा, 'अगर कोई मेप्पदी इलाके से वाहन से यहां आ सकता है तो हम सैकड़ों लोगों की जान बचा सकते हैं.' एक घायल बुजुर्ग ने एक टेलीविजन चैनल को बताया कि उनकी पत्नी लापता हैं और उन्हें नहीं मालूम कि वह कहां हैं. उन्होंने बताया, 'हम घर में सो रहे थे. अचानक एक तेज आवाज सुनाई दी और हमने बड़े-बड़े पत्थर तथा पेड़ों को हमारे मकान की छत पर गिरते हुए देखा. घर में बाढ़ का पानी घुस गया जिससे घर का दरवाजा टूट गया.' उन्होंने यह भी बताया कि किसी ने उन्हें बचाया और अस्पताल पहुंचाया लेकिन उनकी पत्नी का कुछ अता-पता नहीं है.

बचाव अभियान

गांवों में बड़े पैमाने पर तबाही के निशान छोड़े भूस्खलन ने

वायनाड में ऊंचाई पर स्थित गांवों में मंगलवार को बड़े पैमाने पर हुई भूस्खलन की घटनाओं के बाद तबाह हुए मकान, उफनती नदियां और उखड़े हुए पेड़ों के दृश्य दिखाई दिए. सोमवार तक अपने मनोरम दृश्यों के लिए मशहूर मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टमाला और नूलपुझा गांवों की अब भूस्खलन की चपेट में आने के बाद तस्वीर बदल गई है और अन्य हिस्सों से उनका संपर्क टूट गया है. बाढ़ के पानी में बहे वाहनों को कई स्थानों पर पेड़ों की टहनियों में फंसे और यहां-वहां डूबे हुए देखा जा सकता है. उफनती नदियों ने अपना मार्ग बदल लिया है और वे रिहायशी इलाकों में बह रही हैं, जिससे और विनाश हो रहा है. पहाड़ियों से लुढ़कते बड़े-बड़े पत्थर बचावकर्मियों के रास्ते में बाधा पैदा कर रहे हैं. बचाव कार्यों में जुटे लोगों को भारी बारिश के बीच शवों और घायलों को एम्बुलेंस तक ले जाते हुए देखा जा सकता है. भूस्खलन की घटनाओं के कारण बड़े पैमाने पर पेड़ उखड़ गए हैं और बाढ़ के पानी ने हरे-भरे क्षेत्रों को नष्ट कर दिया है. अधिकारियों के मुताबिक, भूस्खलन प्रभावित इलाकों में मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टमाला और नूलपुझा गांव शामिल हैं.

मौसम विभाग ने वायनाड और पड़ोसी जिलों के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया

तिरुवनंतपुरम। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मूसलाधार बारिश के कारण भूस्खलन की चपेट में आए केरल के वायनाड जिले और पड़ोसी मलप्पुरम, कोझीकोड और कन्नूर जिलों के लिए मंगलवार को अत्यधिक भारी बारिश का 'रेड अलर्ट' जारी किया. आईएमडी ने वायनाड समेत चार जिलों के लिए 'रेड अलर्ट', जबकि तिरुवनंतपुरम और कोल्लम को छोड़कर राज्य के सभी अन्य जिलों के लिए मंगलवार को 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है. 'रेड अलर्ट' 24 घंटे में 20 सेंटीमीटर से अधिक की भारी से अत्यधिक भारी बारिश की आशंका को दर्शाता है. 'ओरेंज अलर्ट' का मतलब 11 सेंटीमीटर से 20 सेंटीमीटर की बहुत भारी बारिश होता है तथा 'येलो अलर्ट' का मतलब छह सेंटीमीटर से 11 सेंटीमीटर के बीच बहुत भारी बारिश होता है. मंगलवार को पथनमथिट्टा, अलप्पुझा, कोट्टयम, एर्नाकुलम, इडुक्की, त्रिशूर, पलक्कड और कासरगोड जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है. मौसम विभाग ने मलप्पुरम, कोझीकोड, वायनाड और कन्नूर जिलों के लिए बुधवार के लिए भी 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है. राज्य सरकार ने मंगलवार को बताया कि भारी बारिश के बीच राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के कई दल, दो हेलीकॉप्टर और अन्य बचाव दल मुंडक्कई जा रहे हैं, जिसका वायनाड जिले में हुए विनाशकारी भूस्खलन के बाद अन्य हिस्सों से संपर्क पूरी तरह टूट गया है.

कुल्लू में बादल फटने से आई बाढ़ में बह गए पुल व छप्पर

- प्रशासन ने लोगों से नदियों एवं नालों से दूर रहने और अस्थायी ढांचे न बनाने की अपील की

एजेंसी। शिमला

हिमाचल प्रदेश में कुल्लू जिले के तोश नाला में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ में पैदल पार करने वाला एक पुल और तीन अस्थायी छप्पर बह गए. अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी. कुल्लू के उपायुक्त तोरुल एस रवीश ने बताया कि यह घटना सुबह मणिकरण के तोश इलाके में हुई और इसमें किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है. उन्होंने बताया कि स्थिति का आकलन करने के लिए एक टीम घटनास्थल पर भेजी गई है. उन्होंने कहा, 'लोगों से हमारी अपील है कि वे नदियों एवं नालों से दूर रहें और नालों के पास अस्थायी ढांचे न बनाएं.' उपायुक्त ने कहा कि मानसून के दौरान निर्माण गतिविधि प्रतिबंधित है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी. मौसम विभाग ने बुधवार और बृहस्पतिवार को राज्य के सात जिलों में तेज हवाओं के साथ भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना जताते हुए 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है. दो और तीन अगस्त को भी विभिन्न स्थानों पर भारी बारिश की संभावना जताते हुए 'येलो' अलर्ट जारी किया है.

अब तक 62 जानें गईं करोड़ों का नुकसान

विभाग ने कुल्लू, सोलन, सिरमौर, शिमला और किन्नौर जिलों के संवेदनशील क्षेत्रों में भूस्खलन और अचानक बाढ़ की संभावना जताई है तथा निचले इलाकों में तेज हवाएं चलने एवं जलभराव के कारण बागानों और खड़ी फसलों, कमजोर संरचनाओं और कच्चे मकानों को नुकसान पहुंचने की चेतावनी भी दी है. इस बीच, राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हुई. मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, सोमवार शाम से शिमला, सराहन और रोहड़ू में 12 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि संगड़ाह (10 मिमी), जोगिंदर नगर (आठ मिमी), सैंज (6.5 मिमी), मनाली (छह मिमी), रामपुर (5.8 मिमी), धर्मशाला (5.4 मिमी) और गोहर (पांच मिमी) में भी बारिश दर्ज की गई.

ब्रीफ खबरें

सोमनाथ एक्सप्रेस ट्रेन में बम की धमकी

फिरोजपुर। जम्मू और राजस्थान के बीच चलने वाली सोमनाथ एक्सप्रेस में बम की सूचना मिलने के बाद, उसे मंगलवार को पंजाब के फिरोजपुर जिले में एक रेलवे स्टेशन पर रोक दिया गया. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर ट्रेन में बम होने का दावा किया था. सभी यात्रियों को कासू बेगू रेलवे स्टेशन पर उतार लिया गया. सोमनाथ एक्सप्रेस जम्मू तवी व राजस्थान में भगत की कोठी के बीच चलती है.

अफगान राजनयिक मिशन सेवा खारिज

इस्लामाबाद। तालिबान ने कई अफगान राजनयिक मिशन को मंगलवार को अस्वीकृत करते हुए कहा कि वह अफगानिस्तान में पश्चिमी देशों द्वारा समर्थित पूर्व प्रशासन से जुड़े राजनयिकों की ओर से जारी पासपोर्ट, वीजा और अन्य दस्तावेजों को मान्यता नहीं देगा. विदेश मंत्रालय ने कहा कि लंदन, बर्लिन, बेल्जियम, बॉन, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रिया, फ्रांस, इटली, यूनान, पोलैंड, ऑस्ट्रेलिया, स्वीडन, कनाडा और नॉर्वे स्थित मिशन द्वारा जारी किए गए दस्तावेज अब मान्य नहीं हैं.

स्कूल में कसरत के दौरान 12 बच्चे बेहोश

एटा। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में मंगलवार सुबह एक स्कूल में प्रार्थना के बाद कथित रूप से दो बार कसरत और योगासन के लिए मजबूर किए जाने के कारण 12 बच्चे बेहोश हो गए. उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है. अधिकारियों ने बताया कि यह घटना एटा जिले के मलावन थाना क्षेत्र के हरचंदपुर में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में हुई. जिलाधिकारी के अनुसार, स्कूल में सुबह प्रार्थना के बाद कसरत करने के दौरान कुछ बच्चे बेहोश हो गए.

मादुरो को विजेता घोषित किए जाने के विरोध में प्रदर्शन शुरू

- **वेनेजुएला :** विपक्ष ने मादुरो के खिलाफ अपने प्रत्याशी की जीत का सबूत होने का दावा किया

एजेंसी। काराकस

वेनेजुएला में हजारों लोगों के प्रदर्शन के बीच विपक्ष के उम्मीदवार एडमुंडो गोंजालेज ने सोमवार को घोषणा की कि उनके प्रचार अभियान दल के पास जरूरत पड़ने पर यह दिखाने के लिए सबूत है कि उन्होंने देश का राष्ट्रपति पद का चुनाव जीता है, लेकिन चुनावी प्राधिकारियों ने उनके हिस्से की जीत राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को दे दी है. गोंजालेज और विपक्ष की नेता मारिया कोरिना मचाडो ने पत्रकारों से कहा कि उन्होंने रविवार को हुए चुनाव में 70 प्रतिशत से अधिक 'टैली शीट' प्राप्त की हैं, जो दिखाती हैं कि गोंजालेज को मादुरो से दोगुने से भी अधिक वोट मिले हैं. दोनों नेताओं ने मादुरो को विजेता घोषित किए जाने के बाद प्रदर्शन कर रहे लोगों से शांत रहने की अपील की है. इससे पहले, मादुरो की सत्तारूढ़ यूनाइटेड सोशलिस्ट पार्टी ऑफ वेनेजुएला की वफादार माने जाने वाली राष्ट्रीय चुनाव परिषद ने मादुरो को आधिकारिक रूप से विजेता घोषित किया था. देश की राजधानी में ज्यादातर प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे लेकिन जब राष्ट्रीय पुलिस अधिकारियों ने लोगों को आगे बढ़ने से रोका तो बवाल शुरू हो गया. पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया.

निर्माणाधीन घर की छत गिरने से चार मजदूर मरे

जयपुर। राजस्थान के राजसमंद जिले में सोमवार देर रात एक निर्माणाधीन इमारत की छत गिरने से चार मजदूरों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए. राजसमंद के जिला अधिकारी डॉ. भंवर लाल ने बताया, 'खमनोर इलाके में मेघवाल समुदाय के एक सामुदायिक भवन का निर्माण किया जा रहा था. सोमवार देर रात 13 मजदूर वहां काम कर रहे थे कि इसी दौरान छत गिर गई.' लाल ने बताया कि 10 मजदूर छत के मलबे के नीचे दब गए, जिनमें से दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. उन्होंने बताया कि पांच घायलों को राजसमंद जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि एक अन्य को गंभीर हालत के कारण उदयपुर जिला अस्पताल ले जाया गया है.

राशन घोटाला : ईडी ने बंगाल में 10 जगहों पर मारी रेड

एजेंसी। कोलकाता

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने करोड़ों रुपये के राशन वितरण घोटाले की जांच के सिलसिले में मंगलवार को पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में 10 अलग-अलग स्थानों पर एक साथ छापे मारे. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. अधिकारी ने बताया कि एजेंसी के अधिकारियों ने केंद्रीय बलों के साथ मिलकर राजरहाट, बारासात, बशीरहाट, भांगर और देगंगा इलाकों में व्यापारियों एवं तृणमूल कांग्रेस के दो नेताओं के आवासों तथा मिल और कार्यालयों पर छापे मारे. एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'चावल और आटा मिल के साथ-साथ ऐसे व्यवसायियों के कार्यालयों पर भी छापेमारी की गई जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से घोटाले में शामिल हैं. देगंगा के तृणमूल कांग्रेस के दो नेताओं के मिल की तलाशी भी ली जा रही है.' उन्होंने बताया कि ईडी अधिकारियों ने उस तृणमूल कांग्रेस नेता के

वाहन की भी तलाशी ली, जिसे राज्य के वन मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक का करीबी माना जाता है. मलिक को घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है. सोना, कोयला और गौ तस्करी के मामलों में संलिप्त बशीरहाट में संग्रामपुर के एक अन्य व्यवसायी के परिसरों पर भी छापे मारे गए. अधिकारी ने कहा, 'इस व्यवसायी ने राशन वितरण घोटाले के साथ-साथ सोना और ईंट भट्टा कारोबार में भी भारी मात्रा में पैसा लगाया था.' इस व्यवसायी को 2014 में सोने की तस्करी के मामले में गिरफ्तार किया गया था.

मवेशी तस्करी मामला : तृणमूल नेता अनुब्रत मंडल को जमानत

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मवेशी तस्करी मामले में गिरफ्तार तृणमूल कांग्रेस के नेता अनुब्रत मंडल को मंगलवार को जमानत दे दी. न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मंडल को इस आधार पर राहत दी कि मामले की सुनवाई में समय लगेगा और वह दो साल से जेल में हैं. हालांकि, तृणमूल नेता जेल में ही रहेंगे क्योंकि उन्हें नवंबर 2022 में इसी मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी गिरफ्तार किया था. शीर्ष अदालत ने मंडल को जांच में सहयोग करने और पासपोर्ट जमा कराने का निर्देश दिया. मंडल की तरफ से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने दलील दी कि तृणमूल नेता को 11 अगस्त 2022 को गिरफ्तार किया गया था और वह तब से जेल में हैं. मंडल को छोड़कर सभी आरोपी जेल से बाहर हैं और ये न्याय के मखौल जैसा है. रोहतगी ने आरोप लगाया कि उन्हें आरोपपत्र का अंग्रेजी संस्करण उपलब्ध नहीं कराया गया.

फैसला राजस्थान में शिक्षा विभाग के नए सत्र के लिए जारी कैलेंडर से शुरू हुई राजनीतिक बहस

5 अगस्त को 'स्वर्ण मुकुट मस्तक दिवस' मनाने का प्रस्ताव

एजेंसी। जयपुर

राजस्थान शिक्षा विभाग द्वारा सरकारी स्कूलों के नए सत्र के लिए जारी शैक्षणिक कैलेंडर (शिविरा पंचांग) से राजनीतिक बहस शुरू हो गई है क्योंकि इसमें पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के उपलक्ष्य में 'स्वर्ण मुकुट मस्तक दिवस' मनाने का प्रस्ताव है. इसमें 28 मई को वीर सावरकर जयंती मनाए जाने की घोषणा भी की गई है. उल्लेखनीय है कि पांच अगस्त 2019 को जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया गया था. शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए कैलेंडर शिविरा पंचांग रविवार को जारी किया. इसमें चार फरवरी को सूर्य नमस्कार दिवस, सात फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती, 14 फरवरी को मदर्स डे-फादर्स डे और 23 जनवरी को सुभाष चंद्र बोस दिवस के तौर पर शामिल किया गया है. कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने स्कूलों में, जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को हटाए जाने का जश्न मनाने के भाजपा सरकार के फैसले की आलोचना की.

खास बातें

- 28 मई को सावरकर जयंती मनाए जाने की घोषणा
- 23 जनवरी सुभाष चंद्र बोस दिवस के तौर पर मनेगा

कांग्रेस का विरोध, भाजपा ने किया फैसले का बचाव

उल्लेखनीय है कि 26 फरवरी को कार्यभार संभालने के बाद स्कूली शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सावरकर और महाराणा प्रताप जैसी हस्तियों के इतिहास में चित्रण की आलोचना की थी. उनका तर्क था कि पिछली कहानियों में मुगल बादशाह अकबर का गलत तरीके से महिमामंडन किया गया था. उन्होंने कहा था कि स्वतंत्रता संग्राम में सावरकर की भूमिका को इतिहास में गलत तरीके से लिखा गया है. कांग्रेस प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने नए कैलेंडर की निंदा करते हुए कहा कि यह शिक्षा का राजनीतिकरण करने और हिंदुत्व विचारधारा का प्रचार करने का प्रयास है. उन्होंने मंत्री के दृष्टिकोण की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें शिक्षा पर ध्यान नहीं दिया गया है और इसका उद्देश्य छात्रों को सावरकर के बारे में पढ़ाना है, जिन्होंने अंग्रेजों से लड़ने के बजाय उनसे माफी मांगी थी. वहीं भाजपा के प्रवक्ता मुकेश पारीक ने कैलेंडर का बचाव करते हुए कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि भाजपा का इरादा छात्रों को सावरकर और महाराणा प्रताप जैसी हस्तियों के बारे में शिक्षित करना है क्योंकि वह मानती है कि इनकी कहानियां उन्हें प्रेरित करेंगी.

राजनीतिक हितों को साधने वाला कदम : कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि सरकार का यह कदम शैक्षिक के बजाय राजनीतिक हितों को साधने वाला है. डोटासरा ने कहा, 'कांग्रेस शिक्षा के इस राजनीतिकरण और राज्य सरकार द्वारा छात्रों पर अपनी विभाजनकारी विचारधारा थोपे जाने का विरोध करती है.' इससे पहले प्राथमिक विद्यालय शिक्षा विभाग ने नौ जुलाई को अपना वार्षिक कैलेंडर प्रकाशित किया था जिसमें राम मंदिर के अभिषेक के उत्सव को शामिल किया गया था. माध्यमिक शिक्षा विभाग के कैलेंडर में दूसरे और चौथे शनिवार को 'नो बैग डे' जैसी पहल और स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और गांधी जयंती जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों का उत्सव मनाना भी शामिल है.

उप्र में अवैध धर्मांतरण कराने पर होगा आजीवन कारावास

एजेंसी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) अधिनियम, 2024 पारित हो गया. विधानसभा में मंगलवार को संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने सदस्यों से विधेयक को पारित करने का अनुरोध किया.

विधेयक के पक्ष में सदस्यों की संख्या अधिक होने पर अध्यक्ष ने इसके पारित कर दिये जाने की घोषणा की. इसके पहले कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा 'मोना' और सपा के कई सदस्यों ने इस विधेयक को प्रवर समिति को सौंपने का प्रस्ताव दिया, लेकिन प्रवर समिति को सौंपने के विरोध में सदस्यों की संख्या अधिक होने की वजह से यह प्रस्ताव गिर गया. इस संशोधित अधिनियम में छल-कपट या जबर्दस्ती कराये गये धर्मांतरण के मामलों में

कानून को पहले से सख्त बनाते हुए अधिकतम आजीवन कारावास या पांच लाख रुपये के जुर्माने की सजा का प्रावधान किया गया है. संशोधित विधेयक में किसी महिला को धोखे से जाल में फंसाकर उसका धर्मांतरण करने, उससे अवैध तरीके से विवाह करने और उसका उत्पीड़न करने के दोषियों को अधिकतम आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान किया गया है. पहले इसमें अधिकतम 10 साल की कैद का प्रावधान था. खन्ना ने सदन में पहले दिन सोमवार को उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) अधिनियम, 2024 को पुरःस्थापित किया था.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - दीपक कुमार अम्बष्ठ*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)